शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 30 नवंबर, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-330

अरब के धनी शेखों का सेक्स-डेस्टिनेशन बना हैदराबाद

हैदराबाद की मंडी में बेची जा रही हैं कमसिन लड़कियां

हैदराबाद, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में शेख मैरेज और मुताह निकाह का गंदा धंधा बिजनेस की तरह चल रहा है। इस धंधे का शिकार हो रही हैं हैदराबाद की गरीब कमसिन लड़कियां और शिकार कर रहे हैं खाड़ी देशों से आने वाले धनी शेख। देश की कमसिन लड़कियां बेचकर मालामाल हो रहे हैं निकृष्ट कोटि के दलाल जो कहते हैं कि इस्लाम पाप करना नहीं सिखाता, लेकिन वे पाप की गंदगी में आकंठ डूबे रहते हैं।

हैदराबाद में शेख मैरेज की नींव निजामों के काल से पड़ी। उस समय निजामों ने अपनी दौलत की रखवाली के लिए यमन से जो चाऊश सैनिक बुलाए थे, उन्होंने निजाम की फौज खड़ी करने के लिए हैदराबादी महिलाओं से निकाह करके बच्चे किए, जिनमें से कुछ के वंशज आज मुताह निकाह कराने के दलाल बने हुए हैं। चूंकि चाऊशों के अपने मुल्क लौटने के बाद उनके वंशज को अरब देशों में नागरिकता नहीं मिली, इसलिए उन्होंने शेखों से

निकाह करते हैं और गर्भवती बना कर छोड़ जाते हैं शेख

अपनी बेटियों का निकाह करना शुरू कर दिया। शुरू में ये शेख मैरेज शॉर्ट-टर्म नहीं थी, मगर बाद में धीरे-धीरे ये निकाह मजे के लिए किए जाने लगे, और निकाह के साथ तलाक की तारीखें भी पक्की होने लगीं। चाऊश के वंशज खुद अपनी बेटियों के लिए ब्रोकर-एजेंट बनने लगे।

शेखों को भी पता चल गया है कि उनकी जरूरत पूरा करने के लिए हैदराबाद में पूरे इंतजाम हैं। उनके मजहब के हिसाब से वेश्याओं के पास जाना हराम है इसलिए उन्होंने भारत में इसका विकल्प खोजा। उन्होंने निकाह

हैदराबाद में शेख-मैरेज और मुताह-निकाह का चल रहा धंधा

करके लड़कियों को अपने साथ रखना शुरू किया। 10-15 दिन जब तक मन न भरे ये निकाह करके उनके साथ रहते हैं, फिर उन्हें छोड़कर चले जाते हैं। इस तरह वो अपने मजहब के मुताबिक कुछ हराम भी नहीं करते और उनकी जरूरत भी पूरी हो जाती है।

अरब में लड़की से निकाह के लिए शर्तें अलग होती हैं और खर्चा भी ज्यादा होता है, इसलिए हैदराबाद में अरब देशों के बूढ़े शेख मेडिकल वीजा पर आते हैं, यहां आकर वह सस्ते दामों में लड़कियां खरीदते हैं और फिर उन कमसिन लड़कियों का देह शोषण करते हैं और उन्हें अधर में छोड़ कर चले जाते हैं। इन शेखों का हैदराबाद में कितनी खातिरदारी होती है इसका अंदाजा इस बात से लगा सकते हैं कि क्षेत्र में स्थानीय लोग तेलुगु और उर्दू बोलते हैं, लेकिन अस्पतालों में निर्देश अरबी भाषा में लिखे गए हैं ताकि अमीर शेखों को कोई परेशानी न हो।

रमजान के वक्त हैदराबाद में शेखों का आना-जाना ज्यादा हो जाता है। वो इस महीने में भी जो मन हो वो करते हैं।

▶10पर

बांग्लादेश में हिंदुओं के उत्पीड़न पर भारत ने फिर जताई चिंता

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का दायित्व सरकार को निभाना पड़ेगा

भारत का यूनुस सरकार को स्पष्ट संदेश : कारगर कदम उठाएं

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को लेकर भारत ने एक बार फिर कड़ी नाराजगी जताई है। भारत सरकार ने यूनुस सरकार से हिंदुओं की रक्षा के लिए उचित कदम उठाने के लिए कहा है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश में हो रहे घटनाक्रम को खारिज नहीं किया जा सकता। हम एक बार फिर बांग्लादेश से सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने का अपील करते हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि जहां तक बांग्लादेश में हिंदुओं और

अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे अत्याचार का सवाल है, हमने विरोध को स्पष्ट कर दिया है। हमने बांग्लादेश के समक्ष यह मामला उठाया है कि उन्हें अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और उनके हितों की रक्षा और सुरक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत लगातार और दृढ़ता से बांग्लादेश सरकार के साथ हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर खतरों और लक्षित हमलों को उठा रहा है। अंतरिम सरकार को सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। हम चरमपंथी बयानबाजी के बढ़ने से चिंतित हैं। हम बांग्लादेश से अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने का आह्वान करते हैं।

बांग्लादेश में चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और कारावास पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि हम इस्कॉन को सामाजिक सेवा के मजबूत रिकॉर्ड के साथ विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित संगठन के रूप में देखते हैं।

▶10पर

इस्कॉन से जुड़े 17 लोगों के बैंक खातों पर लगी रोक

ढाका, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

बांग्लादेश सरकार ने इस्कॉन से जुड़े सत्रह बैंक खातों पर एक महीने तक की रोक लगा दी है। तीन कामकाजी दिनों के भीतर लेन-देन की जानकारी संबंधित बैंकों को सौंपने को कहा गया है। इसमें हिंदु समुदाय के प्रमुख चेहरे चिन्मय कृष्ण दास का खाता भी शामिल हैं।

बांग्लादेश की वित्तीय खुफिया इकाई (बीएफआईयू) ने गुरुवार को विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थाओं को यह आदेश जारी किया था कि वे अगले 30 दिनों तक इन खातों से लेन-देन को रोक दें। इसके अलावा, बीएफआईयू ने इन सत्रह व्यक्तियों से कहा है कि वे अपने सभी व्यवसायों के बैंक खातों का ताजा और अपडेटेड विवरण तीन कामकाजी दिनों के भीतर संबंधित बैंकों को सौंपें। बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जागरण जोत संगठन के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास को सोमवार को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था और उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया गया। ▶10पर

ओड़ीशा की सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विपक्ष को घेरा

हार से बिलबिलाए विपक्षी देश के खिलाफ कर रहे साजिश

भुवनेश्वर, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

देश को गलत दिशा में ले जाने का षडयंत्र कर रहे हैं षडयंत्रकारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को ओड़ीशा के भुवनेश्वर में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आंदोलन हमेशा से होते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में आप सभी ने एक बहुत बड़ा बदलाव देखा होगा। संविधान की भावना को कुचला जा रहा है। लोकतंत्र की गरिमा को नकारा जा रहा है। सत्ता को अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानने वाले लोग पिछले एक दशक से केंद्र की सत्ता खो चुके हैं। वे लोगों से इस बात के लिए भी नाराज हैं कि उनके अलावा किसी और को आशीर्वाद दिया जा रहा है। वे इतने गुस्से में हैं कि वे देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि ऐसे षडयंत्रकारी तत्वों ने देश को गलत दिशा में ले जाने के लिए लोगों को गुमराह करना शुरू कर दिया है। झूठ और अफवाहों की उनकी दुकान पिछले 75 सालों से चल रही है। उन्होंने अब अपने मिशन को और तेज कर दिया है। उनकी गतिविधियां अपने देश से प्यार करने वाले लोगों के लिए बहुत बड़ी चुनौती बन रही हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, मैं सभी को बताना चाहता हूं कि हमें सतर्क रहना है और लोगों को जागरूक करते रहना है। हमें हर झूठ को उजागर करना है। सत्ता के भूखे इन लोगों ने जनता से सिर्फ झूठ बोला है। वे हर बार एक बड़ा झूठ लेकर आते हैं। 2019 में जो चौकीदार उनके लिए चोर था, 2024 तक आते-आते वो ईमानदार हो गया और एक बार भी चौकीदार को चोर नहीं कह पाए।

▶10पर

अंतरिक्ष में जाने के लिए तैयार ग्रुप कैप्टेन शुभांशु शुक्ला और ग्रुप कैप्टेन प्रशांत बालकृष्ण नायर

बेंगलुरु, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

भारत के अंतरिक्ष मिशन से जुड़ी एक महत्वपूर्ण जानकारी सामने आ रही है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा है कि भारत के गगनयान अंतरिक्ष यात्रियों ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर आईएसआरओ-नासा संयुक्त मिशन के लिए प्रारंभिक प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसरो ने बताया कि गगनयात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और ग्रुप कैप्टन बालकृष्ण नायर की पहले चरण की ट्रेनिंग पूरी हो चुकी है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के गगनयान मिशन के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। गगनयान मिशन का उद्देश्य तीन दिवसीय मिशन के लिए तीन सदस्यीय चालक दल को 400 किमी की

कक्षा में भेजना है। इस मिशन का नाम संस्कृत शब्द गगनयान से लिया गया है, जिसका अर्थ है आकाश की ओर जाने

पहले चरण की ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई

वाला वाहन। इसरो गगनयान मिशन के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों के विकास पर काम कर रहा है, जिसमें मानव-रेटेड लॉन्च वाहन, क्रू मॉड्यूल और जीवन समर्थन प्रणाली शामिल हैं। इस मिशन की सफलता भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगी और भारत दुनिया का चौथा देश बन जाएगा जो मानव को अंतरिक्ष में भेजेगा। गगनयान मिशन के लिए चुने गए दो भारतीय वायुसेना अधिकारी हैं, ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला (प्राइमरी क्रू) और ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्ण नायर (बैकअप क्रू), इन दोनों अधिकारियों ने गगनयान मिशन के लिए विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। कैप्टन शुभांशु शुक्ला का जन्म 10 अक्टूबर 1985 को लखनऊ, उत्तर प्रदेश में हुआ था। वह राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं। उन्हें 17 जून 2006 को भारतीय वायुसेना के लड़ाकू दल में कमीशन मिला था। ▶10पर

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को एक्शन लेने से रोका

संभल जामा मस्जिद की सर्वे रिपोर्ट अभी नहीं खुलेगी

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के संभल स्थित जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हिंसा के बाद सुप्रीम कोर्ट का एक निर्देश सामने आया है। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार 29 नवंबर को सर्वे का आदेश देने वाले ट्रायल कोर्ट से कहा कि जब तक सर्वे आदेश को चुनौती देने वाली मस्जिद समिति की याचिका हाईकोर्ट में सूचीबद्ध न हो जाए, तब तक वह संभल जामा मस्जिद के खिलाफ मुकदमे में आगे न बढ़े।

सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट को यह भी निर्देश दिया कि वह एडवोकेट कमिश्नर की रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में रखे और उसे न खोले। ▶10पर

एडवोकेट नाजिया इलाही का बेबाक बयान

वक्फ बोर्ड लैंड माफिया, इसे खत्म कर देना चाहिए

खंडवा, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

देशभर में वक्फ बोर्ड के विरोध के बीच सुप्रीम कोर्ट की वरिष्ठ वकील नाजिया इलाही ने वक्फ बोर्ड को लैंड माफिया करार दिया और उसे खत्म कर देने की मांग की। नाजिया ने कहा कि वक्फ बोर्ड का जिक्र न तो संविधान में कहीं है और न ही कुरान में है। ऐसे में इसे खत्म करना ही उचित है। सुप्रीम कोर्ट की वकील नाजिया इलाही मध्य प्रदेश के खंडवा में आतंकवाद के खिलाफ बलिदानियों की याद में निकाले गए एक मशाल यात्रा में शामिल होने के लिए आई थीं। उसी दौरान उन्होंने ये बातें कही। नाजिया इलाही के साथ ही इस कार्यक्रम में उनके साथ हैदराबाद की गोशामहल सीट से भाजपा विधायक टी राजा सिंह भी शामिल हुए। ▶10पर

वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ देने का फैसला महाराष्ट्र सरकार ने वापस लिया

मुंबई, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र की कार्यवाहक सरकार ने राज्य के वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ की निधि देने के फैसले पर रोक लगा दी है। सरकार ने बताया है कि पैसा देने का यह फैसला एक प्रशासनिक गलती के चलते हुआ था। मुख्य सचिव सुजीता सौनिक ने स्पष्ट किया कि यह आदेश बिना जांच के अनजाने में जारी कर दिया गया, जिसके कारण बोर्ड के लिए धनराशि की गलत मंजूरी हो गई।

गौरतलब है कि महाराष्ट्र सरकार ने 28 नवम्बर 2024 को एक आदेश जारी करके राज्य के वक्फ बोर्ड को 10 करोड़ का आवंटन किया था। इस संबंध में सरकारी आदेश अल्पसंख्यक विभाग ने जारी किया था। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 23^0
न्यूनतम : 22^0

खुद को हिंदू बता कर आरक्षण का लाभ ले रहे ईसाई

जनजातीय आरक्षण पर ईसाई समुदाय का कब्जा

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

ईसाई समुदाय के लोग खुद को हिंदू बता कर आरक्षण का लाभ ले रहे हैं और दलित एवं आदिवासी आरक्षण के लाभ से वंचित हो रहे हैं। जनजातीय आरक्षण पर ईसाई समुदाय का कब्जा होता जा रहा है। झारखंड विधानसभा चुनाव में आदिवासियों के लिए रिजर्व सीटों पर ईसाई समुदाय के आठ प्रत्याशी कैसे जीत गए? यह संवैधानिक सवाल सामने है।

सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि आरक्षण का लाभ लेने के लिए धर्म परिवर्तन करना संविधान के साथ धोखाधड़ी है। सर्वोच्च

आदिवासियों की 8 रिजर्व सीटों पर कैसे जीते ईसाई?

न्यायालय ने मद्रास हाईकोर्ट के फैसले को भी सही ठहराया। इसमें हाईकोर्ट ने एक ईसाई महिला को अनुसूचित जाति (एससी) का सर्टिफिकेट जारी करने का निर्देश देने से इन्कार कर दिया था। महिला ने खुद को हिंदू बताते हुए इस सर्टिफिकेट की मांग की थी।

न्यायमूर्ति पंकज मित्तल और न्यायमूर्ति आर महादेवन की खंडपीठ ने कहा कि सेल्वारानी नाम की महिला ईसाई धर्म का पालन करती है और नियमित चर्च भी जाती है। इसके बावजूद वह नौकरी के लिए खुद को हिंदू और एससी बता रही है। खंडपीठ ने कहा कि जो व्यक्ति ईसाई है और आरक्षण के लिए खुद को हिंदू बताता है, उसे एससी का दर्जा देना आरक्षण के उद्देश्य के खिलाफ और संविधान के साथ धोखा है।

दरअसल, याचिकाकर्ता सेल्वारानी ने केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में अपर डिवीजन क्लर्क की नौकरी के लिए आवेदन करते समय खुद के हिंदू होने का दावा किया था। सेल्वारानी ने तर्क दिया कि वह जन्म से ही हिंदू हैं और अनुसूचित जाति (एससी) वर्ग के वल्लुवन जाति से ताल्लुक रखती है। वह मंदिरों में जाती है और देवी-देवताओं की पूजा करती है। जबकि, राज्य सरकार के रिकॉर्ड में पाया गया कि सेल्वारानी की मां ईसाई थीं और वल्लुवन जाति से आने वाले उनके पिता ने भी धर्मांतरण करके ईसाई धर्म अपना लिया था। कोर्ट ने यह भी कहा कि एससी/एसटी आरक्षण में धर्म को आधार बनाने की संवैधानिकता पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई चल रही है। यह मामला भी इससे ही जुड़ा है। ▶10पर

सोशल मीडिया का सही उपयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा समृद्ध राष्ट्र योजना के तहत बच्चों में सद् संस्कारो के सिंचन हेतु संस्कारशाला के आठवी एवं अंतिम चरण के अंतर्गत कैसे करें सोशल मीडिया का सही उपयोग विषय पर कार्यशाला का आयोजन मालगाला स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नमस्कार महामंत्र से करते हुए अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने बच्चों को मेडिटेशन का प्रयोग करवाया। तत्पश्चात प्रोत्साहित करते हुए

बच्चों को सोशल मीडिया की उपयोगिता के विषय में बताते हुए कहा कि मोबाइल व कंप्यूटर इत्यादि हमारे लिए बहुत उपयोगी है। इससे हमें नई-नई जानकारियां प्राप्त होती है। पढ़ने लिखने के लिए नई-नई सामग्रियां उपलब्ध होती है तथा इसके द्वारा हम विभिन्न माध्यमों से पैसे की अर्निंग भी कर सकते हैं। लेकिन इसके अत्याधिक उपयोग से बचना चाहिए, क्योंकि यह हमारे शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव डालता है। हम अपने परिवार के साथ भी समय नहीं व्यतीत कर पाते। सभी बच्चों को एमएसडी फार्मूला के बारे में जानकारी दी। मिल टाइम, स्लीपिंग टाइम, ड्राइविंग टाइम में मोबाइल का उपयोग कभी भी नहीं करें इस बात का शपथ दिलवाया गया। संस्कारशाला की संयोजिका एवं नेशनल ट्रेनर रक्षा मांडोत ने अब तक हुई सभी कार्यशालाओं का पुनरावर्तन करवाते हुए बच्चों से प्रश्न पूछे जिनका जवाब बच्चों ने बहुत ही उत्साह के साथ दिया। बच्चों को गेम द्वारा एक्टिविटी भी करवाई गई। महिमा पटावारी ने बच्चों को योगिक क्रियाएं करवाई। मंडल द्वारा स्कूल में बच्चों के लिए आउटडोर गेम्स जैसे फुटबॉल, वॉलीबॉल आदि दिए गए तथा सभी बच्चों को उत्साहवर्धन हेतु गिफ्ट भी दिए गए। मंत्री दीपिका गोखरू ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम में लगभग 90 बच्चों ने भाग लिया। कार्यक्रम में सह मंत्री ललिता डागा, प्रचार प्रसार मंत्री सरिता छाजेड़, संगठन मंत्री अनिता जीरावला एवं स्कूल के शिक्षकों की भी उपस्थिति रही।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी जैन का सम्मान

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

राजस्थान के नागौर जिले के परबतसर के अपर पुलिस अधीक्षक जिनेन्द्र जैन का हुब्बल्ली दौरे के दौरान जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष खुशाल डंक जैन के निवास पर स्वागत अभिनंदन किया गया। डंक ने बताया कि जैन पिछले कई वर्षो से पुलिस अधिकारी के रूप में राजस्थान में अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। इस दौरान रिखब पितलिया, ताराचंद सोनी, नरेश भलगट और सुभाष चंद्रा डंक सहित अन्य उपस्थित थे।

जीवन में अहिंसा, सत्य, नैतिकता को अपनाएं

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो।

आचार्य श्री महाश्रमण जी के सुशिष्य मुनि मोहजीत कुमार जी के सानिध्य में शुक्रवार को अंगडीहल्ली में स्थित राजकीय प्राथमिक स्कूल में धर्म सभा का आयोजन किया गया। मुनि ने एक कहानी के माध्यम से अहिंसा, सत्य, नैतिकता को जीवन में अपनाने का बोध फरमाया। महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया। स्कूल के प्राध्यापक विठलमूर्ति ने सभी का स्वागत किया। हासन सभा की ओर से सभी विद्यार्थी को पेन, पेंसिल वितरित किया गया। इस मौके पर मलनाड सभा के अध्यक्ष, हासन सभा के मंत्री, कार्यसमिति सदस्य मांगीलाल आसोरिया, पुखराज, स्कूल के अध्यापक और बच्चों की उपस्थिति रही।

सिंचाई और वन्यजीव बोर्ड से संबंधित राज्य के मुद्दों पर अभी चर्चा होनी बाकी: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। मीडिया को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने कहा कि सिंचाई और वन्यजीव बोर्ड से संबंधित राज्य के मुद्दों पर अभी चर्चा होनी बाकी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा हां, सिंचाई और वन्यजीव बोर्ड से संबंधित राज्य के बारे में चर्चा करने के लिए कुछ मुद्दे हैं। मैंने (केंद्रीय मंत्री) प्रह्लाद जोशी से भी इस बारे में बात की है। शिवकुमार ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के फैसले पर आगे बात की और कहा कि सरकार लंबे समय तक नहीं चलेगी। उन्होंने कहा उनके पास स्पष्टता नहीं है। उन्होंने सामूहिक नेतृत्व पर लड़ाई नहीं लड़ी है, वे खुद को हल करने में विफल रहे हैं।

मुझे लगता है कि सरकार लंबे समय तक नहीं चलेगी। इससे पहले 28 नवंबर को शिवकुमार ने केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री भूपेंद्र यादव से कर्नाटक में कलसा-बंडूरी सिंचाई परियोजना के लिए पर्यावरण मंजूरी प्रक्रिया

में तेजी लाने का आह्वान किया था। उपमुख्यमंत्री ने बुधवार को दिल्ली में केंद्रीय मंत्री से मुलाकात की और कलसा नाला डायवर्सन योजना के लिए वन एवं वन्यजीव मंजूरी तथा बंडूरी नाला डायवर्सन योजना के लिए वन मंजूरी में तेजी लाने के लिए औपचारिक अपील प्रस्तुत की। डीसीएम ने पत्र में कहा कर्नाटक के लोगों के लिए कलसा-बंडूरा एक महत्वपूर्ण परियोजना है। सभी वैधानिक और प्रक्रियात्मक आवश्यकताओं का पालन करने के बावजूद, कर्नाटक के प्रस्ताव में देरी हो रही है। इस महत्वपूर्ण परियोजना पर और अधिक प्रभाव से बचने के लिए इसे जल्द से जल्द हल करना जरूरी है। अक्टूबर 2024 में आयोजित राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की 80वीं बैठक ने पश्चिमी घाट में कलसा परियोजना के लिए 10.88 हेक्टेयर वन भूमि का उपयोग करने के कर्नाटक के प्रस्ताव को स्थगित कर दिया था। बोर्ड ने कर्नाटक को बैठक में उठाए गए कानूनी मुद्दों को संबोधित करते हुए एक लिखित प्रतिनिधित्व प्रस्तुत करने का निर्देश दिया था। राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड ने महादयी जल विवाद न्यायाधिकरण के फैसले से संबंधित गोवा, कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच कानूनी विवाद का हवाला देते हुए कर्नाटक के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था, जो सर्वोच्च न्यायालय में लंबित था।

बीबीएमपी चुनाव के लिए पर्दे के पीछे से तैयारी जारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपचुनाव में भारी जीत हासिल करने के बाद अब कांग्रेस पर्दे के पीछे से बीबीएमपी चुनाव की तैयारी कर रही है। चुनाव की तैयारियां चुपचाप चल रही हैं क्योंकि बेंगलूरु के वरिष्ठ मंत्रियों और नेताओं ने संकेत दिया है कि बीबीएमपी चुनाव तब कराना बेहतर है जब सरकार का प्रभाव अधिक हो।

बेंगलूरु में गारंटी योजना से लाभान्वित होने वाले लोगों की संख्या अधिक है और अगर बीबीएमपी जल्द ही चुनाव कराती है, तो वह जीत सकती है। 50 प्रतिशत लाभार्थी शहर में हैं। इस पर ध्यान केंद्रित करने और सक्रिय रहने पर जोर दिया गया है। इस वजह से अगले साल मार्च या अप्रैल में बीबीएमपी चुनाव कराने की व्यापक तैयारी चल रही है। बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की बैठक कर चुके नेता अगले कुछ दिनों में घर-घर जाएंगे और गारंटी योजनाओं को चुनावी हथियार के रूप में इस्तेमाल करने की नई रणनीति बनाई गई है। भाजपा में पहले से ही दरार दिख रही है और नेताओं के बीच असंतोष को देखते हुए निगम के पूर्व सदस्य पार्टी छोड़कर कांग्रेस में शामिल होने को तैयार हैं। ऐसे लोगों को शामिल कर चुनाव लड़ने का मेगा प्लान बनाया गया है। यह जानकारी मिलने के बाद कि समग्र गारंटी योजनाओं से लोग हमारी सरकार के पक्ष में हैं, बीबीएमपी में चुनाव कराने की चुपचाप तैयारी की जा रही है।

कांग्रेस एवं उत्पीड़ित समाज के सहयोग से हासन में स्वाभिमान सम्मेलन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

समाज कल्याण मंत्री एचसी महादेवप्पा ने स्पष्ट किया है कि कांग्रेस पार्टी और उत्पीड़ित समुदायों के संयुक्त आश्रय में हासन में एक स्वाभिमान सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने इस मांग का जवाब दिया कि हासन का सम्मेलन कांग्रेस पार्टी के बैनर तले होना चाहिए। उत्पीड़ित समुदाय ने 5 दिसंबर को हासन में एक सम्मेलन आयोजित करने का निर्णय लिया था। पार्टी में सभी को आमंत्रित किया गया है। उन्होंने कहा कि

उनकी और सिद्धरामैया की राय है कि पार्टी और संगठनों को मिलकर एक सम्मेलन आयोजित करना चाहिए। इस कारण सम्मेलन पार्टी व संगठन के प्रांगण में होगा। उन्होंने दोहराया कि इसमें कोई विवाद नहीं है। वह विधायक बीआर पाटिल के इस बयान पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहते कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया 5 साल तक सत्ता में रहेंगे या नहीं। उन्होंने कहा कि इस पर आलाकमान फैसला लेगा।

सरकार ने दिव्यांगों के लिए फंड में 80 प्रतिशत की कटौती की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार ने एक बड़े फैसले में दिव्यांगों के लिए फंड में 80 प्रतिशत की कटौती की है। पिछले साल के आवंटन में भारी कटौती उन लोगों के लिए बड़ा झटका है जो इस फंड का इंतजार कर रहे थे।

जैसा कि पहले बताया गया है, कर्नाटक में दिव्यांगों के लिए आवंटित फंड में सरकार ने 80 प्रतिशत की कटौती की है। दिव्यांगों के समर्थन और सशक्तिकरण के लिए विभाग द्वारा कुल 14 योजनाएं पेश की जाती हैं, जिनमें ब्रेल किट, श्रवण यंत्र और बैसाखी जैसी अन्य चीजें शामिल हैं। पिछले साल आवंटित फंड 53 करोड़ रुपये थे और 2024-25 के लिए फंड में कटौती करके 10 करोड़ रुपये कर दिए गए हैं। नेशनल फेडरेशन ऑफ द ब्लाइंड ने इस कटौती के खिलाफ आवाज उठाई है और इसे अनुचित और अभूतपूर्व करार दिया है।

यह कदम कर्नाटक की कांग्रेस सरकार द्वारा अस्पताल के शुल्क में वृद्धि के कुछ दिनों बाद उठाया गया है। कर्नाटक सरकार ने एक बड़ा कदम उठाते हुए बेंगलूरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (बीएमसीआरआई) के तहत आने वाले सरकारी अस्पतालों की फीस में 10 से 15 फीसदी की बढ़ोतरी की है। इस सूची में विक्टोरिया अस्पताल, मिंटो, वाणी विलास और सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल जैसे कुछ प्रमुख नाम शामिल हैं। कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने तत्काल प्रभाव से लागू होने वाले अपडेटेड शुल्कों का विवरण देते हुए एक नोटिस जारी किया। प्रमुख बदलावों में आउट पेशेंट डिपार्टमेंट (ओपीडी) पंजीकरण की कीमत 10 रुपये से बढ़ाकर 20 रुपये करना शामिल है। इनपेशेंट एडमिशन शुल्क में भी इसी तरह की बढ़ोतरी की गई है, जो अब 25 रुपये की जगह 50 रुपये होगा। इस बीच, ब्लड टेस्ट शुल्क 70 रुपये से बढ़कर 120 रुपये हो गया है, वार्ड शुल्क अब 25 रुपये की बजाय 50 रुपये होगा। अस्पताल के अपशिष्ट प्रबंधन शुल्क में सबसे ज्यादा बढ़ोतरी हुई, जो 10 रुपये से बढ़कर 50 रुपये हो गया।

सीएम ने प्रियंका गांधी वाड्रा को वायनाड जीत पर दी बधाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को नई दिल्ली में नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा से मुलाकात की और केरल के वायनाड से लोकसभा सीट के लिए हुए उपचुनाव में जीत पर उन्हें बधाई दी।

वाड्रा ने 28 नवंबर को लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। मुख्यमंत्री ने विपक्ष के नेता राहुल गांधी से भी

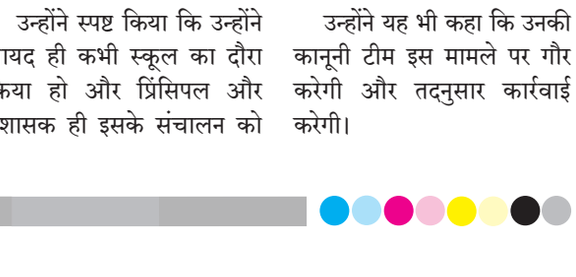

मुलाकात की और बातचीत की। वाड्रा और गांधी दोनों ने कर्नाटक में तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए हुए उपचुनावों में कांग्रेस पार्टी की जीत के लिए सिद्धरामैया को बधाई दी।

सिद्धरामैया 5 साल का कार्यकाल पूरा करेंगे या नहीं, यह निश्चित नहीं: बी आर पाटिल

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उपचुनावों में कांग्रेस की शानदार जीत के कुछ ही दिनों बाद वरिष्ठ कांग्रेस विधायक बी.आर. पाटिल ने शुक्रवार को कहा कि यह निश्चित नहीं है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपना कार्यकाल पूरा करेंगे या नहीं। यह बयान इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है क्योंकि बी.आर. पाटिल मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के सलाहकार भी हैं और पार्टी में बदलाव के संकेत दे रहे हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पार्टी के शीर्ष नेतृत्व से मिलने के लिए नई दिल्ली में हैं, वहीं कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार भी दिल्ली में हैं। यहां पत्रकारों से बात करते हुए विधायक पाटिल ने कहा मुझे नहीं पता कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया पांच साल के कार्यकाल के लिए सत्ता में रहेंगे या नहीं। हालांकि हम चाहते हैं कि वे पांच साल तक सत्ता में रहें। साथ ही, हमें यह भी नहीं पता कि आलाकमान क्या निर्णय लेगा। अगर आलाकमान कोई और निर्णय लेता है, तो हम क्या कर सकते हैं? आलाकमान मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को बड़ी भूमिका और जिम्मेदारी दे सकता है। एक बात तो साफ है, कोई भी विधायक नहीं चाहता कि सीएम सिद्धरामैया को हटाया जाए। उन्होंने कहा कि सीएम सुनिश्चित करेंगे कि चुनावी गारंटी राज्य के बजट पर वित्तीय बोझ न बने। हमें खर्चों के बारे में पहले से पता था। सभी राज्य वित्तीय तनाव से गुजर रहे हैं। कुछ समस्याएं हैं और इससे थोड़ा तनाव हो रहा है।

शिक्षिका के यौन उत्पीड़न के आरोप में कांग्रेस नेता गुरप्पा नायडू के खिलाफ केस दर्ज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु पुलिस ने कांग्रेस नेता बी गुरप्पा नायडू के खिलाफ अपने स्कूल की पूर्व शिक्षिका का यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। नायडू कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के महासचिव और त्यागराज नगर में बीजीएस ब्लूम फील्ड स्कूल के अध्यक्ष हैं। शिकायतकर्ता ने कहा कि उसने मार्च 2021 से अगस्त 2023 तक उनके स्कूल में काम किया और आरोप लगाया कि नायडू ने बार-बार उसके साथ छेड़छाड़ करने की कोशिश की और जब वह उत्तेजित हुई तो उसके साथ मौखिक रूप से दुर्व्यवहार भी किया। 38 वर्षीय महिला ने नायडू पर कुछ अश्लील वीडियो रिकॉर्ड करने और उन्हें धमकाने और डराने के लिए इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया।

चन्नमनाकेरे अचुकट्टू पुलिस स्टेशन ने 26 नवंबर को मामला दर्ज किया और भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत कांग्रेस नेता के खिलाफ अपनी जांच शुरू की। शिक्षिका ने यह भी दावा किया कि वह अकेली महिला नहीं थी जिसे नायडू ने निशाना बनाया, क्योंकि उसने कथित तौर पर विभिन्न पृष्ठभूमि की कई महिलाओं को निशाना बनाया और महिला शिक्षिकाओं के बीच भय का माहौल पैदा किया। उसने यह भी कहा कि उसकी हैसियत और राजनीतिक ताकत के कारण कोई भी महिला उसके खिलाफ बोलने की हिम्मत नहीं कर पाई और वह कार्यस्थल छोड़ने के बाद ही बोल रही थी।

चूंकि महिलाएं गरीब पृष्ठभूमि से हैं, इसलिए वे आगे आने से डरती थीं।

डीसीपी (दक्षिण) लोकेश जगलासुर ने कहा कि पुलिस ने मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है। हालांकि, नायडू ने आरोपों को निराधार करार देते हुए खारिज कर दिया। उन्होंने आगे कहा कि आरटीआई कार्यकर्ताओं द्वारा एक साजिश रची गई थी और उन्हें गलत तरीके से मामले में फंसाया गया था।

उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्होंने शायद ही कभी स्कूल का दौरा किया हो और प्रिंसिपल और प्रशासक ही इसके संचालन को संभालते थे। एक मीडिया रिपोर्ट में नायडू के हवाले से कहा गया ये निहित स्वार्थ वाले व्यक्तियों द्वारा दर्ज किए गए फर्जी मामले हैं। मैंने शायद ही कभी स्कूल का दौरा किया हो और हमारे पास एक प्रिंसिपल और प्रशासक हैं जो इसके संचालन को संभालते हैं। मैं इस पर बात करने के लिए जल्द ही एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करूंगा।

उन्होंने यह भी कहा कि उनकी कानूनी टीम इस मामले पर गौर करेगी और तदनुसार कार्रवाई करेगी।

मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की

कर्नाटक को नाबार्ड द्वारा ऋण देने की व्यवस्था बहाल करने का आग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

चूंकि राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने कर्नाटक को दी जाने वाली अल्पकालिक कृषि ऋण सीमा में भारी कटौती की है, इसलिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की और उनसे केंद्रीय वित्त मंत्रालय को निर्देश देने का अनुरोध किया कि वह चालू वित्त वर्ष (2024-25) में राज्य को नाबार्ड द्वारा ऋण देने की सीमा बहाल करें। मुख्यमंत्री ने मोदी के समक्ष छह मांगें रखीं और बेंगलूरु तथा अन्य शहरों में बुनियादी ढांचे की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए कर्नाटक को अतिरिक्त धन मुहैया कराने की मांग की। मोदी को दिए ज्ञापन में सिद्धरामैया ने कहा कि नाबार्ड ने वर्ष 2024-25 में अपने ऋण में 58 प्रतिशत की कटौती करके राज्य के किसानों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है। नाबार्ड ने 2023-24 के दौरान अपने ऋण को 5,600 करोड़ से घटाकर चालू वर्ष 2024-25 के लिए 2,340 करोड़ कर दिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कम ऋण किसानों के लिए वित्त की लागत को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा, जब तक कि राज्य अतिरिक्त ब्याज अनुदान प्रदान करने के लिए कदम नहीं उठाता, जो हमारे वित्त को गंभीर रूप से प्रभावित करेगा। इससे पहले सिद्धरामैया ने इसी मुद्दे पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की और उन्हें राज्य की चिंताओं से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को भेजी याचिका में कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप इस पर गौर करें और वित्त मंत्रालय को इस स्थिति को सुधारने का निर्देश दें ताकि कर्नाटक के किसानों को नरम कृषि ऋण मिलना जारी रहे। सिद्धरामैया ने मोदी से अपर भद्रा परियोजना के लिए 5,300 करोड़ रुपये प्रदान करने का अनुरोध किया, जिसका वादा वित्त मंत्री ने 2023-24 के केंद्रीय बजट में किया था। त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के तहत सहायता प्रदान करने के लिए कैबिनेट नोट को आगे बढ़ाते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप जल्द से जल्द इस प्रस्ताव को मंजूरी दें, क्योंकि अपर भद्रा परियोजना मध्य कर्नाटक की सूखी कृषि भूमि को सिंचाई प्रदान करती है। मुख्यमंत्री ने मोदी से दो परियोजनाओं - कावेरी नदी पर मेकेदातु संतुलन जलाशय और महादयी नदी पर कलसा बंडूरी परियोजना के लिए जल शक्ति मंत्रालय और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा लंबित परियोजना मंजूरी प्रदान करने की अपील की। मेकेदातु परियोजना को जल शक्ति मंत्रालय से मंजूरी और पर्यावरण मंजूरी की आवश्यकता है। कलसा बंडूरी परियोजना वन्यजीव मंजूरी के लिए एक उन्नत चरण में है। सिद्धरामैया ने बेंगलूरु की बढ़ती बुनियादी ढांचागत जरूरतों को रेखांकित किया और प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि वे शहरी विकास मंत्रालय, रेल मंत्रालय और सड़क परिवहन मंत्रालय को निर्देश दें कि वे कर्नाटक सरकार को शहर के लिए शहरी परिवहन और सार्वजनिक परिवहन में निवेश करने के लिए धन मुहैया कराएं।

अतिरिक्त अनुदान प्रदान करने का निर्देश दें

मुख्यमंत्री ने कहा कर्नाटक में तेजी से शहरीकरण हो रहा है और हमारे पास टियर-2 शहरों में 13 नगर निगम हैं, जिन्हें बड़े पैमाने पर निवेश की जरूरत है। उन्होंने शहरी विकास मंत्रालय से इन शहरों के लिए अमृत या किसी अन्य योजना के तहत 10,000 करोड़ रुपये उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने 15वें वित्त आयोग द्वारा कर्नाटक को दिए गए अनुचित व्यवहार का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय उन सिफारिशों में विसंगतियों को ठीक कर सकता था, जिन्होंने करों के विभाज्य पूल में हमारे हिस्से को 1 प्रतिशत तक कम कर दिया था और 15वें वित्त आयोग द्वारा की गई सिफारिशों के अनुसार राज्य के हिस्से में कमी की भरपाई के लिए 5,495 करोड़ और पेरिफेरल रिंग रोड और जल निकायों के पुनरुद्धार के लिए 6,000 करोड़ का विशेष अनुदान मांगा। मुख्यमंत्री ने कहा चूंकि हम अभी भी 15वें वित्त आयोग की अवधि में हैं, इसलिए मैं आपसे फिर से अनुरोध करूंगा कि आप वित्त मंत्रालय को अतिरिक्त अनुदान प्रदान करने का निर्देश दें। सिद्धरामैया ने कहा कि वित्त मंत्रालय को उन राज्यों पर ध्यान देना चाहिए जो केंद्रीय करों में बड़ा हिस्सा योगदान करते हैं और ऐसे राज्यों को दंडित नहीं किया जाना चाहिए।

भाजपा ने मुडा मामले में सीएम सिद्धरामैया की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) मामले में कथित संलिप्तता के लिए मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। भाजपा प्रवक्ता एम.जी. महेश ने कहा उन्हें खुलेआम घूमने की अनुमति कैसे दी जा सकती है? चुनावी राजनीति एक चीज है। देश का कानून दूसरी चीज है। देश के कानून के अनुसार, सिद्धरामैया को तुरंत गिरफ्तार कर पूछताछ की जानी चाहिए। यह जंगल राज नहीं है। मुडा मामले पर उच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए, महेश ने फैसले के पृष्ठ 180 का हवाला दिया, जहां कथित तौर पर कहा गया था कि सिद्धरामैया ने मुख्यमंत्री के रूप में अपने अधिकार का दुरुपयोग किया है। फैसले के बाद, लोकायुक्त ने धारा 120बी, 166, 403, 406, 420 और 465 के तहत एफआईआर दर्ज की। उन्होंने कहा कि इतने महत्वपूर्ण मामले में आरोपी नंबर एक होने के बावजूद सिद्धरामैया को कैसे खुलेआम घूमने की अनुमति है? कर्नाटक में अजीबोगरीब स्थिति है, जहां अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग कानून हैं। अगर पूरे देश में कानून एक जैसा है, तो यहां अलग क्यों है? सिद्धरामैया आरोपी हैं, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज है और उन्हें अग्रिम जमानत भी नहीं मिली है। वह इस मामले में मुख्य आरोपी हैं। कानून ने उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की? क्या आम आदमी के लिए एक कानून है और सिद्धरामैया के लिए दूसरा। उन्होंने कहा कि जब उनके खिलाफ आरोप लगे, तो उन्होंने सीएम के तौर पर अपने पहले कार्यकाल के दौरान लोकायुक्त संस्था को बंद कर दिया। लोकायुक्त को फिर से स्थापित करने में सात साल लग गए। उनके कार्यकाल के दौरान एसीबी बनाई गई और उनके खिलाफ 106 मामले दर्ज किए गए। इनमें से 56 मामलों में बी रिपोर्ट दर्ज की गई। सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्देशों के कारण ही राज्य में लोकायुक्त को फिर से बहाल किया गया। याचिकाकर्ता स्नेहमयी कृष्णा ने गुरुवार को मुडा से सरकार के माध्यम से मामला दर्ज कराने का आग्रह किया।

राज्यपाल की जगह सीएम को आरडीपीआर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बनाए जाने पर विवाद

भाजपा ने की जमकर आलोचना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में लगातार भाजपा और कांग्रेस के बीच तनातनी बनी हुई है। अब कर्नाटक राज्य ग्रामीण विकास और पंचायत राज (आरडीपीआर) विश्वविद्यालय के कुलाधिपति को लेकर सियासी विवाद गहरा गया है। भारतीय जनता पार्टी ने शुक्रवार को राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को कुलाधिपति बनाने के सरकार के कदम की निंदा की।

साथ ही इसे उच्च शिक्षा प्रणाली को प्रदूषित करने का प्रयास करार दिया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र ने कहा कि राज्यपाल की शक्तियों में कटौती की यह कोशिश संवैधानिक व्यवस्था को बिगाड़ने की साजिश है। दरअसल,

कर्नाटक मंत्रिमंडल ने गुरुवार को एक विधेयक को मंजूरी दे दी, जिसके अनुसार गदग में आरडीपीआर विश्वविद्यालय में राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को कुलाधिपति के रूप में नियुक्त किया जाएगा। राज्यपाल कर्नाटक के सभी सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति हैं। राज्यपाल थावरचंद गहलोत वर्तमान में इस पद पर हैं। भाजपा नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा इस अच्छे इरादे के साथ कि शिक्षा में राजनीति को नहीं लाना चाहिए और संविधान के अनुसार, राज्यपाल विश्वविद्यालयों का कुलाधिपति होता है। मगर, सीएम सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली सरकार, जो भ्रष्टाचारों से घिरी हुई है, अपनी मौजूदा शक्तियों का दुरुपयोग करके उच्च शिक्षा प्रणाली को प्रदूषित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस कदम से ग्रामीण विकास अध्ययन के क्षेत्र में अनावश्यक राजनीतिक हस्तक्षेप को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा शुरू से ही राज्यपाल के प्रति अधीर रहने वाली कांग्रेस सरकार उन्हें सत्ता में कटौती करने के लिए दुश्मन के रूप में देखती है और यह संवैधानिक व्यवस्था को बिगाड़ने की साजिश है। राज्य सरकार का यह कदम बेहद निंदनीय है। इससे पहले सितंबर में, कलबुर्गी में हुई कैबिनेट की बैठक में राज्यपाल से आरडीपीआर विश्वविद्यालय के कुलपति की नियुक्ति करने के अधिकार छीनने का फैसला किया गया था। कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एच के पाटिल ने गुरुवार को सरकार के कदम का बचाव किया और कहा यह विश्वविद्यालय को और सक्रिय बनाएगा और तुरंत निर्णय लिया जाएगा। यह व्यवस्था गुजरात और अरुणाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में है।

मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने वाली टिप्पणी

पुलिस ने वोक्कालिगा संत के खिलाफ एफआईआर दर्ज की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक पुलिस ने शुक्रवार को वोक्कालिगा संत कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी के खिलाफ भारत में मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने की उनकी विवादास्पद टिप्पणी के लिए एफआईआर दर्ज की। बेंगलूरु में उप्परपेट पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 के तहत इस संबंध में एक शिकायत के बाद एफआईआर दर्ज की। शिकायत में कहा गया है कि संत का बयान भड़काऊ है और समाज में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने की धमकी देता है। कुमार चंद्रशेखरनाथ स्वामी द्वारा मंगलवार को भारत में मुसलमानों को मताधिकार से वंचित करने की मांग वाले बयान ने कर्नाटक में विवाद खड़ा कर दिया है। वे विश्व

वोक्कालिगा महासंघ मठ के प्रमुख हैं और यह बयान मंगलवार को बेंगलूरु में भारतीय किसान संघ द्वारा आयोजित एक विरोध प्रदर्शन में दिया गया, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ा एक किसान संगठन है, जिसका उद्देश्य किसानों को वक्फ बोर्ड द्वारा दिए गए नोटिस की निंदा करना है। स्वामी ने कहा था राजनेता वोट बैंक की राजनीति और मुसलमानों के तुष्टीकरण में लिप्त हैं। इसलिए, मुसलमानों को उनके मताधिकार का प्रयोग करने से वंचित किया जाना चाहिए। ऐसा किया जाना चाहिए और वोट बैंक की राजनीति का अंत देश की प्रगति में मदद करेगा। स्वामी ने कहा कि पाकिस्तान में, मुस्लिम बहुसंख्यकों को छोड़कर, अन्य धर्मों के लोगों के पास वोट देने का अधिकार नहीं है और कहा कि अगर भारत में इसे अपनाया जाता है, तो मुसलमान खुद को अलग रखेंगे और देश में शांति होगी। हर कोई शांति से रह सकता है। स्वामी की टिप्पणी वायरल हो गई और राज्य में हंगामा मच गया। गुरुवार को स्वामी ने अपनी टिप्पणी पर खेद व्यक्त किया और कहा कि मुसलमान भारतीय नागरिक हैं और किसी अन्य देश के नहीं हैं। स्वामी ने जुबान फिसलने का आरोप लगाते हुए अपने बयान से पीछे हट गए। मंच का उद्देश्य वक्फ बोर्ड से परेशान किसानों की समस्याओं को संबोधित करना था। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, मैंने टिप्पणी की। यह जुबान फिसलने जैसा था। मुझे बयान नहीं देना चाहिए था। उन्होंने मीडियाकर्मियों से कहा मुसलमान भारतीय नागरिक हैं और वे किसी दूसरे देश के नहीं हैं। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि इस मामले को यहीं खत्म कर दें और इसे आगे न खींचें।

एसएसएलसी परीक्षा प्रश्न पत्र के पैटर्न में कोई बदलाव नहीं

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक स्कूल परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड के अध्यक्ष बसवराजेंद्र एच. ने कहा कि चालू वर्ष 2024-25 के लिए एसएसएलसी परीक्षा के प्रश्न पत्र के डिजाइन में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। अगले शैक्षणिक वर्ष में विषय विशेषज्ञों की एक समिति गठित की जाएगी और उस

समिति की रिपोर्ट के अनुसार कार्रवाई की जाएगी, इसलिए वर्तमान लाइन के प्रश्न पत्र के डिजाइन में कोई भी बदलाव नहीं किया जाएगा। उन्होंने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि पैटर्न प्रश्न पत्र पिछले वर्ष के शैक्षणिक वर्ष की तरह ही बोर्ड की वेबसाइट पर प्रकाशित किए जाएंगे। शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों को इस बारे में भ्रमित और चिंतित नहीं होना चाहिए।

चोरी के आरोप में ऑटो-रिक्शा चालक गिरफ्तार

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मेंगलूरु के मरोली में टीवीएस कंचना वर्कशॉप से 94,540 रुपये की नकदी चोरी के मामले में कंकनाडी टाउन पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह घटना 19 नवंबर की रात को हुई थी। गिरफ्तार आरोपी की पहचान नजीर मोहम्मद (26) के रूप में

हुई है, जो रिक्शा चालक है और मेंगलूरु के कन्नूर का रहने वाला है। जांच के दौरान पुलिस ने नजीर से 64,500 रुपये की नकदी, एक स्कूटर, एक मोबाइल फोन, एक हेलमेट और अपराध में इस्तेमाल किया गया हथियार बरामद किया। बरामद की गई नकदी और संपत्ति की कुल कीमत 1,31,700 रुपये है।

फिलहाल मंत्रिमंडल में फेरबदल का कोई प्रस्ताव नहीं : डीके शिवकुमार

सिर्फ एक सीट खाली है

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री और केपीसीसी अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि मंत्रिमंडल में फेरबदल का कोई प्रस्ताव नहीं है। दिल्ली में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि कैबिनेट में कोई फेरबदल की नौबत नहीं आई है। सिर्फ एक सीट खाली है। उन्होंने यह स्पष्ट करते हुए संभावनाओं से इनकार कर दिया कि इसे भरने के लिए कोई चर्चा नहीं हुई है। गुरुवार को मैंने प्रह्लाद जोशी, जो राज्य के वन मंत्री और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री भी हैं, से मुलाकात की और चर्चा की। मंत्री ने जल्द ही विभिन्न परियोजनाओं को अनुमति देने का वादा किया है। उन्होंने कहा कि प्रह्लाद जोशी ने भी इस मुद्दे पर चर्चा की है। सिद्धरामैया ने खुद मुझे बताया कि उनके प्रशंसक हासन में एक

सम्मेलन आयोजित करने की योजना बना रहे हैं। मुझे इस बात की जानकारी नहीं है कि पार्टी के कुछ लोगों ने पत्र लिखकर कहा है कि निजी कार्यक्रमों की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और पार्टी मंच पर कार्यक्रम आयोजित किये जाने चाहिए। लेकिन ऐसे मामलों में पार्टी स्वाभाविक रूप से अधिकारवादी है। उन्हें दिल्ली आए तीन-चार दिन हो गए हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि बेलगावी में कांग्रेस अधिवेशन के कार्यक्रम पर चर्चा के लिए उन्होंने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की। महात्मा गांधी द्वारा कांग्रेस के स्थापना दिवस और बेलगावी में कांग्रेस महाधिवेशन की अध्यक्षता करने के 100 वर्ष बीत चुके हैं और मैंने शताब्दी समारोह की चर्चा की है। बेलगावी में एक विस्तारित एआईसीसी कार्य समिति का गठन किया जाना चाहिए। वहां भी शताब्दी मनाई जानी चाहिए। इसमें 300 से अधिक प्रमुख कांग्रेस नेताओं के भाग लेने की उम्मीद है। मैंने इस बारे में एआईसीसी के महासचिव से सलाह ली है और एआईसीसी के अध्यक्ष को भी समझाया है। इस मामले को लेकर होने वाली कार्यकारिणी में फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस बारे में मुख्यमंत्री से भी चर्चा हुई है। डीके शिवकुमार ने इस बात पर नाराजगी जताई कि केपीसीसी अध्यक्ष बदलने की काफी चर्चा हो रही है और कुछ लोग कह रहे हैं कि वे अध्यक्ष बनने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मीडिया में ऐसे मुद्दों पर चर्चा करना किसी भी पार्टी और किसी के लिए भी उचित नहीं है। गुरुवार को एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी, मैं और कई अन्य नेता झारखंड राज्य के रांची गए जहां हमने मुख्यमंत्री हेमंत सुरेन के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अनुपस्थित थे।

अध्यक्ष के चेहरे में बदलाव हो सकता है

इससे पहले कर्नाटक में मंत्रिमंडल के चेहरों में बदलाव की चर्चा के बीच गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने कहा था कि कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को होनी है। हालांकि, उन्होंने साफ किया कि वे इसे लेकर निश्चित नहीं हैं कि इस बैठक में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया या उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पार्टी हाईकमान के सामने कैबिनेट में बदलाव का मुद्दा उठाएंगे। हालांकि, परमेश्वर ने कहा कि कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के चेहरे में बदलाव हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसका फैसला फिलहाल मुख्यमंत्री और पार्टी हाईकमान के पास है। मौजूदा समय में डीके शिवकुमार केपीसीसी अध्यक्ष हैं। कर्नाटक के गृह मंत्री से जब पूछा गया कि अगर कैबिनेट में बदलाव होता है तो वह कौन सा पद मिलने की उम्मीद कर रहे हैं, तो परमेश्वर ने कहा कि यह सब पार्टी हाईकमान के फैसले पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा अब तक तो हमने वही किया है, जो उन्होंने हमसे कहा। आगे भी वो जो जिम्मेदारी देंगे, मैं उसे लेने के लिए तैयार रहूंगा।

सीएम नीतीश कुमार ने अपने पिता की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

पटना/एजेंसियां।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शुक्रवार को अपने दिवंगत पिता रामलखन सिंह की 46वीं पुण्यतिथि पर भावुक श्रद्धांजलि अर्पित की। नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड के कल्याण विगहा गांव में आयोजित इस कार्यक्रम ने न केवल एक पुत्र के भावनात्मक संबंधों को दर्शाया, बल्कि एक सार्वजनिक व्यक्तित्व की विरासत को भी याद किया। देवी स्थान में पूजा-अर्चना के साथ ही नीतीश कुमार ने परंपरागत रीति-रिवाजों को जीवंत रखते हुए देवी-देवताओं को फल और मिठाई का प्रसाद अर्पित किया।

इसके पश्चात वे अपने बेटे निशांत कुमार और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ स्मृति वाटिका पहुंचे, जहां उनके पिता की आदमकद प्रतिमा स्थापित है। स्मृति वाटिका में एक अत्यंत भावुक क्षण देखने को मिला, जब नीतीश कुमार ने अपने पिता की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। इस दौरान उन्होंने न केवल अपने पिता को याद किया, बल्कि अपनी माता परमेश्वरी देवी और पत्नी मंजू सिन्हा की स्मृति में भी आंसू बहाए। रामलखन सिंह अपने समय के एक बहुआयामी व्यक्तित्व थे। क्षेत्र के प्रसिद्ध बैध होने के साथ-साथ वे राजनीतिक और सामाजिक परिवेश में भी सक्रिय रहे। उनका जीवन संघर्ष और समर्पण का एक उदाहरण रहा है, जिसे नीतीश कुमार ने अपनी राजनीतिक यात्रा में निरंतर जीवंत रखा है। कार्यक्रम में जमा खान, संजय गांधी, ललन सर्राफ, ई. सुनील, गुलरेज अंसारी जैसे कई गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस श्रद्धांजलि समारोह को और भी अधिक महत्व प्रदान किया। स्थानीय ग्रामीणों और परिवार के सदस्यों की भागीदारी ने इस अवसर की भावनात्मक गहराई को और भी अधिक स्पष्ट किया। नीतीश कुमार की भावुकता और उनके पिता के प्रति गहरा सम्मान, जो उनके चेहरे पर स्पष्ट झलक रहा था, ने उपस्थित सभी लोगों के हृदय को छू लिया।

हादसे के बाद सड़क पर तड़प रहे दो युवकों को चिराग पासवान ने अपनी गाड़ी से भिजवाया अस्पताल

पटना/एजेंसियां।

केंद्रीय मंत्री और हाजीपुर सांसद चिराग पासवान ने बीच नेशनल हाइवे पर दो घायल युवक की मदद कर उनकी जान बचाई। घायल दोनों युवक को देख चिराग पासवान रुके और अपने काफिले में शामिल वाहन से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल भी भिजवाया। तुरंत डाक्टर से संपर्क भी कर बेहतर इलाज की बात भी कही है। पूरा मामला हाजीपुर मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग के सराय थाना क्षेत्र के मंसूरपुर गांव के समीप हुआ। बताया गया कि चिराग पासवान पटना से दरभंगा जा रहे थे। इसी दौरान सराय में नेशनल हाइवे के बगल में दो युवक को घायल अवस्था में पड़े देखा। इसके बाद अपने गाड़ी को चिराग पासवान ने रुकवाया और काफिले में शामिल दोनों युवक

को कार्यकर्ता के साथ इलाज के लिए सदर अस्पताल भिजवा दिया। वहीं, दोनों घायलों की पहचान हो गई है। दोनों की पहचान सराय थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव निवासी मोहम्मद कलिम के पुत्र मोहम्मद इजाज और मोहम्मद मुमताज के पुत्र मोहम्मद दुलारे के रूप में हुई है। लेकिन इसकी सूचना स्थानीय थाने को भी चिराग पासवान ने दे दिया है। सूचना मिलते ही परिवार वाले भी सदर अस्पताल पहुंच गए तो दोनों गंभीर रूप से घायल हैं। दोनों घायल को देखने से यह प्रतीत हो रहा है कि अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ठोकर मार कर मौके से फरार हो गया। वहीं, मौके पर पहुंची पुलिस पूरे मामले की जांच पड़ताल भी करने में लग गई है।

सड़क हादसे में चार लोगों की मौत

जहानाबाद/एजेंसियां।

जिले में सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत प्रसादी इंग्लिश दुना छपरा के पास अनियंत्रित होकर एक कार नहर में पलट गई। घटना गुरुवार देर रात की है। इस हादसे में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई, जबकि तीन लोग जख्मी हो गए। घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। ये सभी लोग खतरे से बाहर हैं। मृतकों में दूल्हे के मौसेरे बहन-बहनोई भी शामिल हैं। बता दें कि औरंगाबाद के एक प्रशासनिक पदाधिकारी ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को देखा, जिसके अंदर से चीखने की आवाज आ रही थी। वे मौके पर पहुंचे और उन्होंने सदर थाने को इसके बारे में बताया, तब पुलिस पहुंची। इसके बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं, मृत लोगों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा गया। जानकारी के अनुसार, अरवल जिले के परासी थाना क्षेत्र के कामता गांव निवासी विरेंद्र महतो के बेटे रवि कुमार की शादी थी। कार से रिश्तेदार बारात में पटना जा रहे थे। इसी क्रम में सदर थाना क्षेत्र प्रसादी इंग्लिश दुना छपरा के पास अनियंत्रित होकर कार नहर में पलट गई। कार में दूल्हे के मौसेरे बहनोई परमानंद अपनी पत्नी सोनी देवी के साथ अपने दो वर्ष के बच्चे को लेकर बारात में जा रहे थे। कार में सात लोग सवार थे। बताया गया कि मृतक बोधगया के रहने वाले थे। इस घटना में कामता गांव के रहने वाले विद्यापति मेहता की पुत्री प्रियंका कुमारी की भी मौत हो गई है। वहीं, उसकी मां बुरी तरह जख्मी है। मृतक परमानंद के रिश्ते में लगने वाले साले नवनीत कुमार और सविता देवी दोनों जख्मी हैं। दोनों कुर्था थाना क्षेत्र के बिथरा गांव के रहने वाले हैं। घटना के बारे में जिले के डीएम कुमार गौरव ने बताया कि घटना में चार लोगों की मौत हो गई है। जबकि तीन लोगों का इलाज स्थानीय अस्पताल में चल रहा है। घायलों की स्थिति खतरे से बाहर है। शव का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। मृतकों के परिजनों को सरकारी प्रावधान के अनुसार सहायता प्रदान की जाएगी। इस हृदय विदारक घटना के बाद परिजनों में मातमी सन्नाटा पसर गया है।

डेंगू में हो रही वृद्धि से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप

अब तक मिले 334 केस

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले में डेंगू ने एक बार फिर से स्वास्थ्य विभाग की नींद उड़ा दी है। लगातार मिल रहे डेंगू मामले के कारण स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मचा हुआ है। वहीं, लगातार बढ़ रहे डेंगू से दो प्रखंड हॉट स्पॉट बन गए हैं और जिले के मीनापुर और मुसहरी प्रखंड में मामले जिले के आधा केस हैं। वहीं, लगातार आ रहे मामले के कारण जिले के ही स्वास्थ्य विभाग ने फॉगिंग के लिए टीम बढ़ाए जाने के लिए निर्देश दिए गए हैं। ज्ञातव्य है कि जिले में

अभी 334 कुल केस सामने आए हैं, जिसमें दो प्रखंड मुसहरी प्रखंड 150 से अधिक केस मिले हैं तो वहीं मीनापुर प्रखंड में 61 डेंगू केस मिले हैं। जो कि जिले के 16 प्रखंड में से दो प्रखंड में अकेले आधा मामले हैं। वहीं, लगातार दावे भी फेल हो रहे और डेंगू के मामले हर दिन आ रहे हैं। मुजफ्फरपुर में डेंगू केस सामने आने के बाद अब स्वास्थ्य विभाग ने विशेष तैयारी किया है। लगातार आ रहे मामले को देखते हुए जहां स्वास्थ्य विभाग की टीम सभी प्रभावित क्षेत्र में फिर से फॉगिंग करने के साथ आम आदमी को जन जागरूक करने का काम करेगी। लोग पानी को जमा नहीं होने दें और जहां पर जमा है, वहां पर केरोसीन या अन्य तेल का उपयोग करते हुए डेंगू के मामले को बढ़ने से रोक सके। इसके साथ ही लोगों के बीच में जन जागरूकता करने का काम में तेजी लाई जाएगी। वहीं, मीनापुर मुसहरी प्रखंड में मामले को रोकने में स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई फिसड्डी साबित हो रही है। जहां फॉगिंग हो रही है, वहीं मामले भी मिल रहे हैं। सिविल सर्जन डॉ. अजय कुमार ने बताया कि जिले में अभी नए केस सामने आए, जिसके बाद आंकड़ा बढ़कर 334 हुआ है। हम लोगों ने इसको लेकर फॉगिंग के लिए अलग-अलग क्षेत्र में लगातार एंटी लार्वा की दवाई का छिड़काव करने के लिए निर्देश दिए हैं। साथ ही एमओआईसी को गांव में और प्रभावित क्षेत्र में लगातार जन जागरूकता का अभियान और अन्य कार्यों को पूरा करने के लिए कहा है। डेंगू न बढ़े, इसके लिए हम लोग इस दिशा में लगातार प्रयासरत हैं और जिन इलाके में सबसे ज्यादा केस मिले हैं, वहां के लिए हम लोग एक विशेष टीम बनाकर काम कर रहे हैं।

तीन साल के बच्चे का अपहरण, आठ दिन बाद भी पुलिस नहीं खोज पाई

बेगूसराय/एजेंसियां।

जिले से एक सनसनीखेज खबर सामने आ रही है, जिसमें एक तीन वर्षीय बच्चे की अपहरण की बात बताई जा रही है। हालांकि, अभी तक पुलिस के अनुसार अपहरण के मामले की पुष्टि नहीं हुई है। लेकिन पुलिस सभी बिंदुओं पर छानबीन कर रही है। पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के हररख वार्ड-12 की है। मामले में एक तरफ जहां परिजन अपने बच्चों के अपहरण से चिंतित हैं तो वहीं पुलिस ने भी बच्चों की बरामदगी के लिए एड़ी चोटी एक कर दी है। लेकिन तकरीबन आठ दिन बीत जाने के बाद अभी तक पुलिस को कोई सफलता नहीं मिल पाई है। दरअसल, पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के हररख वार्ड-12 का है। जहां नवादा जिले के रहने वाले गोरेलाल कुमार अपनी पत्नी के साथ हररख वार्ड-12 के एक लॉज में रहते हैं और इडली सांभर बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। पीड़ित ने बताया कि पिछले 20 नवंबर को उनका तीन वर्षीय पुत्र पड़ोस के बच्चों के साथ खेल रहा था। लेकिन शाम होने के बाद पड़ोसी सभी बच्चे वापस आ गए। लेकिन उनका पुत्र अंकित राज वापस नहीं आया। तब परिजनों के द्वारा खोजबीन की गई। लेकिन उन्हें कोई सफलता नहीं मिल पाई। परिजनों के अनुसार, वह पिछले दो महीने से हररख निवासी मंतोष चौधरी के मकान में किराए पर रहते हैं और घूम-घूम कर इडली सांभर बेचकर अपने परिवार

का भरण पोषण करते हैं। उनकी किसी से कोई दुश्मनी भी नहीं है और वह 21 नवंबर को वापस घर जाने वाले थे। लेकिन 20 नवंबर को ही उनका तीन वर्षीय अंकित कुमार गायब हो गया। बच्चों की मां एवं पिता ने अपहरण की आशंका जताई है एवं नगर थाने में मामला भी दर्ज करवाया है। फिलहाल, पुलिस द्वारा सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। लेकिन अभी तक कोई सफलता हासिल नहीं हो सकी है। इस बीच परिजनों के द्वारा जगह-जगह पर्चे चिपका कर भी बच्चे की तलाश की जा रही है। वहीं, दूसरी ओर परिवार के सभी लोगों का इकलौते पुत्र के खो जाने की वजह से रो-रो कर बुरा हाल है। पुलिस ने भी कहा है कि इलाके में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला जा रहा है। लेकिन अब तक बच्चे के अपहरण के संबंध में कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। पुलिस के द्वारा पीड़ित के संबंधी एवं लॉज में रहने वाले अन्य लोगों से पूछताछ के साथ-साथ सभी तकनीकी एवं गैर तकनीकी तरीके से अनुसंधान की जा रही है। पुलिस का दावा है कि जल्दी बच्चे को सुरक्षित वापस प्राप्त कर लिया जाएगा।

प्रेमिका के ही कमरे में बुलाकर प्रमी की हत्या

बेतिया/एजेंसियां।

बेतिया में दोहरे प्रेम प्रसंग में एक युवक की हत्या कर दी गई। हत्या करने वाला कोई और नहीं बल्कि युवक की प्रेमिका का दूसरा प्रेमी ही था। उसने ही हत्या की सुपारी भी ली थी। इसके बाद युवक को दूसरी प्रेमिका के कमरे में बुलाकर मौत के घाट उतार दिया।

इसके बाद शव को अधजला कर झाड़ियों में फेंक दिया। बेतिया पुलिस ने इस मामले का खुलासा कर दिया है। घटना जिले के सिरसिया थाना क्षेत्र के जिनवरिया के समीप झाड़ी की है। पुलिस ने बताया कि बेतिया नगर के संतघाट माधवी नगर निवासी अनवर आलम के पुत्र आसिफ हुसैन 25 वर्षीय की हत्या प्रेम प्रसंग में की गई थी। उसकी हत्या

के लिए संतघाट निवासी रवि गुप्ता ने नगर के एक किशोर को सुपारी दी थी। आसिफ उक्त किशोर की प्रेमिका से भी प्यार करता था। सुपारी मिलने के बाद किशोर ने अपने साथी अन्य किशोरों के साथ मिलकर बस स्टैंड के समीप अपने प्रेमिका के कमरे में बुलाकर गला दबाकर उसकी हत्या की थी।

फिर शव को बाइक से सिरसिया थाना क्षेत्र के जिनवरिया के समीप झाड़ी में फेंक दिया था। मामले में पुलिस ने रवि कुमार समेत चार किशोरों को पकड़ लिया है। सभी किशोर नगर के विभिन्न मोहल्ले के रहने वाले हैं और एक दूसरे के परिचित थे। दरअसल, 30 सितंबर को सिरसिया थाने की पुलिस जिनवलिया बाबुटोला से गरभुआ जाने वाली सड़क के किनारे झाड़ी से युवक का शव बरामद किया था। उसकी पहचान के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। गुरुवार देर शाम एसपी डॉ. शौर्य सुमन ने बताया कि आसिफ हत्याकांड का पर्दाफाश कर लिया गया है। इस मामले में रवि गुप्ता व नगर के विभिन्न मोहल्ले के चार किशोरों को हिरासत में लिया गया है। रवि गुप्ता को जेल भेजा जा रह है। वहीं चार किशोरों को बाल सुधार गृह भेजा जा रहा है। हालांकि हत्या के लिए सुपारी कितने रुपये में दी गई थी, अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है। उन्होंने बताया कि आसिफ का रवि गुप्ता की पुत्री से प्रेम प्रसंग था। वह मुख्य आरोपित की प्रेमिका से भी प्रेम करता था। सुपारी मिलने के बाद 29 सितंबर को आरोपित किशोर ने आसिफ को षड्यंत्र के तहत बस स्टैंड के समीप स्थित अपने प्रेमिका के कमरे पर बुलाया। उसकी प्रेमिका बस स्टैंड के समीप अकेली रहती थी। वह पूर्व से ही अन्य आरोपित मौजूद थे। सभी ने मिलकर गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। फिर उसकी बाइक से शव को सिरसिया थाना क्षेत्र के जिनवलिया के समीप झाड़ी में फेंक दिया। साथ ही साक्ष्य छिपाने के नीयत से शव को झुलसा दिया।

खेत में पटवन के लिए निजी बोरिंग पर 70 फीसदी तक अनुदान देगी सरकार

पटना/एजेंसियां।

बिहार सरकार अब पटवन के लिए निजी बोरिंग लगाने वाले किसानों को भी अनुदान देगी। यानी अगर आपके इलाके में नहर की सुविधा नहीं है तो सरकार अब निजी बोरिंग लगाने पर अनुदान देगी। लघु जल संसाधन विभाग के सचिव डॉ. संदीप कुमार आर. पुडकलकट्टी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक वीसी के माध्यम से आयोजित की गई। इसमें विभाग के मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता एवं अन्य पदाधिकारी सचिव कक्ष में उपस्थित रहे। सचिव ने मुख्यमंत्री निजी नलकूप योजना के अंतर्गत स्थलों की जांच और दावों की स्वीकृति की दिशा में कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही योजना के नोडल पदाधिकारी को अविलम्ब भुगतान करने का निर्देश दिया। विभाग द्वारा स्वीकृत योजनाओं के आवंटन और व्यय की प्रगति पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की गई। पूर्ण योजनाओं और प्रगति का अद्यतन प्रतिवेदन एमआईएस पोर्टल पर सुनिश्चित करने का निर्देश सचिव द्वारा दिया गया। जल-जीवन-हरियाली और हर खेत तक सिंचाई का पानी योजनाओं के तहत चल रहे कार्यों की भौतिक प्रगति पर चर्चा की गई। सचिव ने इस काम को निर्धारित समय तक पूरा करने का निर्देश दिया। बता दें कि बिहार सरकार निजी नलकूप बोरिंग योजना के तहत किसानों को 50 से 70 प्रतिशत तक का अनुदान देगी। किसानों को यह अनुदान बोरिंग और मोटर पंप सेट के लिए दिया जाएगा। योजना के अंतर्गत एक किसान को अधिकतम 70 मीटर की गहराई तक के लिए अनुदान दिया जाएगा। इसके लिए किसानों को ऑनलाइन आवेदन देना होगा। इसके लिए आवेदन की जानकारी, एलपीसी का विवरण, बैंक खाता समेत अन्य जानकारी देनी होगी।

रेलवे लाइन के पास संदिग्ध परिस्थितियों में मिला युवक का शव

मुजफ्फरपुर/एजेंसियां।

जिले में रेलवे लाइन के किनारे एक युवक की लाश मिलने से सनसनी फैल गई। मामले की जानकारी के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। वहीं, मौके पर पहुंचे परिजन ने कहा, मौत ट्रेन से कटने से नहीं हुई, बल्कि हत्या की गई है और रेलवे ट्रैक पर लाकर फेंका गया है। मामला हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मेन लाइन के तुर्की स्टेशन के पास की बताई गई है। घटना की सूचना के बाद से मौके पर पहुंची रेल पुलिस और स्थानीय पुलिस मामले

की जांच में जुटी हुई है। मृतक सचिन कुमार 20 के भाई पंकज कुमार राय ने बताया कि हम लोग चंद्रहिया गांव के रहने वाले हैं। मेरे छोटे भाई सचिन का प्रेम-प्रसंग गांव के सुबोध कुमार राय की लड़की से चल रहा था, सब कुछ ठीक था। भाई ने भी शादी की बात पहले मुझसे किया था और इसको लेकर के लड़की के परिजन भी मेरे पास आए थे और शादी की बात किए थे। आज हत्या कर रेलवे ट्रैक पर लाकर फेंक दिया गया है। यह आत्महत्या नहीं बल्कि हत्या है। जो लड़का शादी के लिए तैयार था और उसको लेकर खुश था, वो भला आत्महत्या कैसे कर सकता है। मुझे लग रहा है कि उसकी हत्या की गई है। इस पूरे मामले में तुर्की थाना की पुलिस ने बताया कि एक युवक की लाश रेलवे ट्रैक के पास में स्टेशन के पास मिली है। लाश ट्रेन की गुजरने की वजह से कट गई है। यह पूरा मामला रेलवे के जूरिडिक्शन से जुड़ा हुआ है। मामले की जांच रेल पुलिस कर रही है। अभी शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम कराया जाने के लिए मेडिकल कॉलेज में भेजा जा रहा है।

संसद में चमक-दमक रही परिवारवाद की राजनीति

गांधी परिवार के तीन और मुलायम परिवार के छह सांसद

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। गुरुवार को प्रियंका गांधी ने लोकसभा में सांसद के रूप में शपथ ली। वह हाल में हुए लोकसभा उपचुनाव में वायनाड से चुनी गई हैं। प्रियंका गांधी की लोकसभा में एंट्री के साथ ही संसद में गांधी परिवार के सांसदों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। गांधी परिवार से इस समय सोनिया गांधी राज्यसभा में और राहुल गांधी एवं प्रियंका गांधी लोकसभा में सदस्य हैं।

सोनिया गांधी अप्रैल 2024 में राजस्थान से राज्यसभा की सांसद चुनी गई थीं जबकि उनके भाई राहुल गांधी रायबरेली लोकसभा चुनाव सीट से चुनाव जीते थे। उन्होंने केरल की वायनाड सीट से भी चुनाव जीता था लेकिन बाद में यह सीट खाली कर दी थी। प्रियंका गांधी इसी लोकसभा सीट से उपचुनाव जीतकर संसद पहुंची हैं।

इससे पहले भी नेहरू-गांधी परिवार के कई सदस्य संसद पहुंचे हैं। इनमें देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, विजयलक्ष्मी पंडित, उमा नेहरू, इंदिरा गांधी, फिरोज गांधी, श्याम कुमारी नेहरू, अरुण नेहरू, राजीव गांधी और संजय गांधी शामिल हैं। इनके अलावा संजय गांधी की पत्नी मेनका गांधी और उनके बेटे वरुण गांधी भी संसद के सदस्य रह चुके हैं।

कई और नेताओं के परिवार का है संसद पर कब्जा

गांधी फैमिली के अलावा कई ऐसे परिवार हैं, जो मौजूदा समय में संसद के दोनों सदनों में से किसी एक के सदस्य हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम इस समय राज्यसभा सदस्य हैं जबकि उनके बेटे कार्ति चिदंबरम लोकसभा सांसद हैं। इसी तरह कांग्रेस पार्टी के साथी दल डीएमके की नेता के कनिमोझी इस समय लोकसभा सदस्य है। उनके रिश्तेदार दयानिधि मारन चेन्नई सेंट्रल लोकसभा सीट से सांसद हैं। दयानिधि मारन के पिता मुरासोली मारन डीएमके के फाउंडर एम. करुणानिधि के भतीजे थे।

इस समय यूपी के सैफई से संबंध रखने वाले यादव परिवार के संसद में कई सदस्य हैं। मुलायम सिंह यादव के बेटे और सपा प्रमुख अखिलेश यादव कन्नौज से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे हैं जबकि उनकी पत्नी डिंपल मैनपुरी की सांसद हैं। मुलायम सिंह के दो छोटे भाइयों के बेटे धर्मेंद्र यादव (आजमगढ़ लोकसभा सीट) और आदित्य यादव (बदायूं लोकसभा सीट) भी संसद के सदस्य हैं। इनके अलावा मुलायम सिंह यादव के चचेरे भाई रामगोपाल यादव राज्यसभा सदस्य हैं और रामगोपाल के बेटे अक्षय यादव फिरोजाबाद से सांसद हैं।बात बिहार की करें यो यहां से पप्पू यादव उर्फ राजेश रंजन पूर्णिया लोकसभा सीट से निर्दलीय सांसद हैं। उनकी पत्नी रंजीत रंजन को कांग्रेस पार्टी ने छत्तीसगढ़ से राज्यसभा भेजा है।

संसद में इस समय सिंधिया परिवार के भी दो सदस्य हैं। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया के बेटे दुष्यंत सिंह झालावाड़-बारां लोकसभा सीट से सांसद हैं। वसुंधरा के भतीजे ज्योतिरादित्य सिंधिया गुना लोकसभा सीट से सांसद हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया मोदी सरकार में मंत्री भी हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा प्रभाव रखने वाले शरद पवार के परिवार से भी संसद में इस समय कई सांसद हैं। खुद शरद पवार इस समय राज्यसभा सांसद हैं जबकि उनके बेटी बारामती लोकसभा सीट से चुनाव जीतकर आई हैं। शरद पवार से बगावत कर भाजपा से हाथ मिलाने वाले एनसीपी नेता अजित पवार की पत्नी सुनेत्रा भी राज्यसभा की सांसद हैं। कर्नाटक के गौड़ा परिवार के भी मौजूदा संसद में दो सांसद हैं। देश के पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा इस समय राज्यसभा सांसद हैं जबकि उनके बेटे और कर्नाटक के पूर्व सीएम कुमारस्वामी मांडया लोकसभा सीट से सांसद हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री पनीरसेल्वम को राहत,सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास हाईकोर्ट के आदेश पर लगाई रोक

नयी दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने अन्नाद्रमुक से निष्कासित नेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री ओ. पनीरसेल्वम को राहत देते हुए मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश पर शुक्रवार को रोक लगा दी, जिसमें उन्हें (पूर्व मुख्यमंत्री) और उनके परिवार के सात सदस्यों के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले को बहाल किया गया था।

न्यायमूर्ति ऋषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने श्री पनीरसेल्वम और अन्य की याचिकाओं पर उच्च न्यायालय के आदेश को निलंबित करने संबंधी अपना आदेश पारित किया।शीर्ष अदालत ने इस मामले में अभियोजन एजेंसी सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) को भी नोटिस जारी किया।उच्च न्यायालय न्यायमूर्ति एन आनंद वेंकटेश ने स्वत: संज्ञान लेते हुए 29 अक्टूबर 2024 को निचली अदालत के उस आदेश को खारिज कर दिया था, जिसमें अभियोजन पक्ष को श्री पनीरसेल्वम और अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले वापस लेने की अनुमति दी गई थी। निचली अदालत ने तीन दिसंबर, 2012 को आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया गया था।शीर्ष अदालत ने पाया कि उच्च न्यायालय ने अभियोजन पक्ष के आदेश को वापस लेने में हस्तक्षेप किया था।पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने विशेष अदालत को इस टिप्पणी के साथ आरोप तय करने का निर्देश दिया था कि प्रथम दृष्टया जरूरी साक्ष्य उपलब्ध हैं।शीर्ष अदालत ने कहा कि उच्च न्यायालय के इन आदेशों के बाद आरोपियों को विशेष अदालत के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया था।पीठ ने याचिकाकर्ताओं द्वारा पेश किए गए इस बयान को दर्ज किया कि उच्च न्यायालय ने सीआरपीसी के तहत प्रदत्त शक्तियों का अधिग्रहण किया और फैसला किया कि विशेष न्यायाधीश को आरोप तय करने चाहिए।उच्च न्यायालय ने निचली अदालत के 2012 के उस आदेश को रद्द कर दिया था, जिसमें सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक निदेशालय (डीवीएसी) को पूर्व मुख्यमंत्री और उनके परिजनों के खिलाफ दर्ज 2006 के आय से अधिक संपत्ति के मामले को वापस लेने की अनुमति दी गई थी।उच्च न्यायालय के इसी आदेश को पूर्व मुख्यमंत्री और अन्य की ओर से शीर्ष अदालत में चुनौती दी गई थी।

जम्मू कश्मीर हाईकोर्टन का अजीबोगरीब फैसला

जमीन एलओसी की, किराया दे भारतीय सेना

जम्मू, 29 नवंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने एक महत्पूर्ण फैसले में कहा है कि संपत्ति का अधिकार मानव का अधिकार है। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने भारतीय सेना को आदेश दिया कि वह जमीन के मालिक को 46 वर्षों का बकाया किराया दे। यह जमीन सेना के नियंत्रण में साल 1978 से है। अदालत ने कहा कि सम्पत्ति का अधिकार संवैधानिक ही नहीं, बल्कि मानवाधिकार के दायरे में आता है।

हाईकोर्ट के जस्टिस वसीम सादिक नरगल ने कहा, संपत्ति के अधिकार को अब न केवल संवैधानिक या वैधानिक अधिकार माना जाता है, बल्कि यह मानवाधिकारों के दायरे में आता है। मानवाधिकारों को व्यक्तिगत अधिकारों जैसे कि आश्रय, आजीविका, स्वास्थ्य, रोजगार आदि के दायरे में माना जाता है और पिछले कुछ वर्षों में मानवाधिकारों ने बहुआयामी आयाम हासिल कर लिया है।

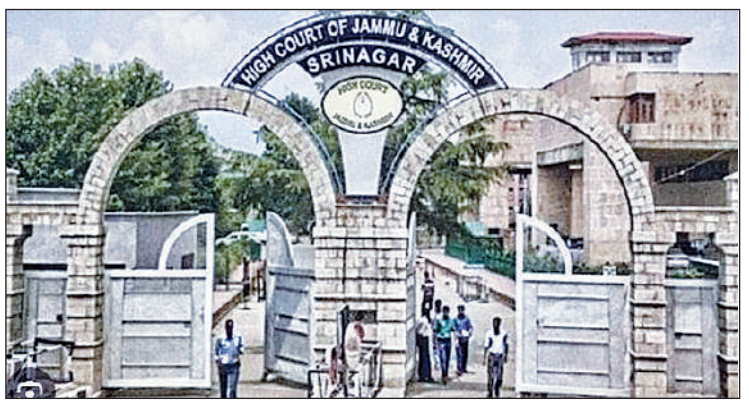

दरअसल, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा में नियंत्रण रेखा के पास स्थित तंगधार के निवासी अब्दुल मजीद लोन ने साल 2014 में एक याचिका दायर की थी। इसमें उन्होंने अपनी जमीन के लिए सेना से किराया दिलाने की मांग की थी। लगभग 1.6 एकड़ की यह जमीन तंगधार गांव में स्थित है। याचिकाकर्ता लोन का कहना था कि उसे आज तक इस जमीन के लिए कोई किराया नहीं मिला। हालांकि, सेना ने दावा किया उसने उस जमीन पर कभी भी कब्जा नहीं किया था। हालांकि, अदालत ने कहा कि यह दावा कानून की कसौटी पर खरा नहीं उतरता और खारिज किया जाता है। कोर्ट ने कहा, प्रतिवादियों ने कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना याचिकाकर्ता की भूमि अधिग्रहित कर ली है, वह भी उसे किराया या मुआवजा दिए बिना। यह याचिकाकर्ता के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन है।

जस्टिस नरगल ने कुपवाड़ा के डिप्टी कमिश्नर को दो सप्ताह के भीतर संबंधित तहसीलदार की अध्यक्षता में राजस्व अधिकारियों की एक टीम गठित करने का भी निर्देश दिया। यह टीम सेना द्वारा संबंधित भूमि पर कब्जे के संबंध में किराए के आकलन के करेगी। कोर्ट ने कहा कि मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर रिपोर्ट प्राप्त होने की तिथि से एक महीने के भीतर याचिकाकर्ता को किराया दिया जाना चाहिए। अपने आदेश में जस्टिस वसीम सादिक नरगल ने आगे कहा, राज्य और उसकी एजेंसियां कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अनुसार ही किसी नागरिक को उसकी संपत्ति से बेदखल कर सकती हैं। मुआवजा देने का दायित्व हालांकि अनुच्छेद 300-ए में स्पष्ट रूप से शामिल नहीं है, लेकिन उक्त अनुच्छेद से इसका अनुमान लगाया जा सकता है।

एशिया की मीठे पानी की सबसे बड़ी वुलर झील

प्रवासी पक्षियों की आमद से खुशनुमा माहौल

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 29 नवंबर। भले ही सर्दी ने सब कुछ बेरंग कर दिया हो, लेकिन उत्तरी कश्मीर में वुलर झील अद्भुत नजारा पेश कर रही है, क्योंकि बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी यहां आ चुके हैं, जिससे स्थानीय लोगों और पक्षी प्रेमियों में उत्साह का माहौल है। पिछले तीन साल से प्रवासी पक्षियों के आगमन में लगातार वृद्धि देखी जा रही है। वुलर संरक्षण और प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा झील की ड्रेजिंग के बाद ही इस मौसम में भी दुर्लभ पक्षी झील में आ चुके हैं। हाल ही में, जब मौसम अभी भी गर्म था, तो प्रकृति प्रेमी वुलर झील में यूरेशियन बिटरन को देखकर बहुत खुश हुए क्योंकि यह एक दुर्लभ प्रजाति है जिसे कश्मीर में पहली बार देखा गया था।

वुलर संरक्षण और प्रबंधन प्राधिकरण के फील्ड अधिकारी शौकत मकबूल ने बताया कि जब उन्होंने पक्षियों का अभूतपूर्व आगमन अपने कैमरे में कैद किया तो उन्हें आध्यात्मिक अनुभूति हुई। उन्होंने कहा कि प्रवासी पक्षी न केवल हजारों बल्कि लाखों की संख्या में आ चुके हैं। वन रक्षक शौकत मकबूल ने कहा कि झील

में उत्सव जैसा माहौल था। पक्षी देखने वालों के लिए यह एक अद्भुत नजारा है। अक्टूबर के अंत में शुरू होने वाले प्रवासी मौसम में कॉमन कूट (यूरेशियन कूट) का आगमन होता है, जिसके बाद लुप्तप्राय पक्षियों सहित अन्य पक्षी भी झील के क्षेत्रों को सुरक्षित पाकर उतरते हैं।वुलर झील में रेड-क्रेस्टेड पोचर्ड, कॉमन पोचर्ड, नार्दर्न पिंटेल, गार्गनी (स्पैटुला क्वेर्केडुला), गडवाल (मारेका स्ट्रेपेरा) और ग्रेलैग गूज, कामन शेल्डक और रूडी शेल्डक सहित कई अन्य पक्षी प्रजातियां भी हैं। मकबूल बताते हैं कि दुर्लभ पक्षियों के दर्शन कश्मीर और उसके बाहर से पक्षी देखने वालों को दुर्लभ पक्षियों का दस्तावेजीकरण करने के लिए आकर्षित करते हैं। वुलर झील में 2023 में दुर्लभ प्रवासी और अत्यधिक संवेदनशील लंबी पूंछ वाली बत्तखों (क्लैंगुला हाइमेलिस) का झुंड भी देखा गया, जिसे उत्तर-पश्चिम भारत में 83 साल पहले देखा गया था। हाल के वर्षों में भारी मात्रा में प्रवासी पक्षियों के आने का श्रेय झील के बहुत कम हिस्से को दिया जा रहा है, जिसे बहाल किया जा रहा है। वुलर में 130 वर्ग किलोमीटर का सीमांकित क्षेत्र है, जिसमें से 27 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में बहुत अधिक गाद जमी हुई है। अधिकारियों के अनुसार, वुलर संरक्षण और प्रबंधन प्राधिकरण ने 4.5 वर्ग किलोमीटर को बहाल कर दिया है, इसके अलावा 20 वर्ग किलोमीटर में से 8 वर्ग किलोमीटर में विलो का संक्रमण था, जिसे भी साफ करके बहाल कर दिया गया है।हालांकि, पंख वाली प्रजातियों के आने से, सीमित संख्या में कर्मचारियों के साथ वुलर संरक्षण और प्रबंधन प्राधिकरण अधिकारियों को पक्षी शिकारियों से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए, वुलर संरक्षण और प्रबंधन प्राधिकरण को वन सुरक्षा बल, वन प्रभाग प्रादेशिक कर्मचारियों और जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा झील के अंदर पक्षी देखने वालों पर नजर रखने में मदद की जाती है।

सीबीआई ने आठ वकीलों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

फर्जी वकालतनामा, धोखाधड़ी और जालसाजी का मामला

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने फर्जी वकालतनामा मामले में आठ वकीलों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। जांच एजेंसी ने यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद की है। सीबीआई के एफआईआर में कहा गया है कि इस मामले में झूठे प्रतिरुपण, कोर्ट में झूठे दावे, जालसाजी-धोखाधड़ी समेत अन्य अपराध में शामिल होने का संदेह है।

यह घटनाक्रम जस्टिस बेला एम त्रिवेदी और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की खंडपीठ द्वारा दिए गए फैसले के बाद सामने आया है। जिसमें शीर्ष अदालत ने सीबीआई को एक ऐसे मामले की जांच करने का आदेश दिया था, जिसमें एक वादी ने शीर्ष अदालत के समक्ष विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) दायर करने से इनकार कर दिया था और दावा किया था कि उसने कोर्ट में अपना प्रतिनिधित्व करने के लिए कभी किसी वकील को नियुक्त नहीं किया था।

पीठ ने हाल ही में यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह की धोखाधड़ी में लिप्त वकीलों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट द्वारा संबंधित एसएलपी पर उत्तर प्रदेश राज्य को नोटिस जारी करने के एक महीने से अधिक समय बाद याचिकाकर्ता भगवान सिंह ने सर्वोच्च न्यायालय रजिस्ट्री को एक पत्र लिखकर दावा किया कि उन्होंने ऐसा कोई मामला दायर नहीं किया है।

इस मामले के कारण पीठ ने एडवोकेट-ऑन-

रिकॉर्ड (एओआर) को सख्त निर्देश जारी किए कि अब उन्हें केवल उन वकीलों की उपस्थिति दर्ज करनी होगी जो किसी विशेष दिन उस मामले में उपस्थित होने और बहस करने के लिए अधिकृत हैं। कोर्ट ने कहा कि यदि बहस करने वाले अधिवक्ता के नाम में कोई परिवर्तन होता है, तो संबंधित एओआर का यह कर्तव्य होगा कि वह संबंधित कोर्ट मास्टर को अग्रिम रूप से या सुनवाई के समय सूचित करे।

सीबीआई की प्रारंभिक जांच के बाद दर्ज की गई एफआईआर में केंद्रीय एजेंसी ने दर्ज किया है कि ऐसा प्रतीत होता है कि भगवान सिंह ने कभी भी उन वकीलों से मुलाकात नहीं की, जिन्होंने अदालत में उनका प्रतिनिधित्व करने का दावा किया था।प्राथमिकी में आठ वकीलों सहित दस लोगों पर सुप्रीम कोर्ट में एसएलपी तथा इलाहाबाद हाईकोर्ट में विविध आवेदन दायर करने के लिए आपराधिक षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया गया है। इन 10 में से 3 वकील सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं और 5 इलाहाबाद हाईकोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं।

जम्मू कश्मीर में एचआईवी के बढ़ते मामले चिंताजनक

जम्मू, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

जम्मू कश्मीर में कैंसर ही नहीं, एचआईवी के मामलों में भी हालत चिंताजनक है। पिछले तीन दशकों में जम्मू कश्मीर में लगभग 6,600 एचआईवी पॉजिटिव मामले दर्ज किए गए हैं, जो कलंक के डर और कम रिपोर्टिंग के कारण लगातार सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती को उजागर करता है।

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले तीन दशकों में जम्मू कश्मीर में लगभग 6600 एचआईवी पॉजिटिव मामले दर्ज किए गए हैं। एचआईवी मामलों की वास्तविक संख्या संभवतः अधिक है, क्योंकि सामाजिक भेदभाव व्यक्तियों को परीक्षण या उपचार लेने से रोकता है। जम्मू कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी (जेकेएसएसीएस) के एक अधिकारी ने वायरस के प्रसार को रोकने में जागरूकता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। अधिकारी ने बताया कि कश्मीर में एचआईवी संक्रमण मुख्य रूप से नशीली दवाओं के दुरुपयोग से जुड़ा है, जबकि जम्मू क्षेत्र में, महिला यौनकर्मी, ट्रक चालक और मजदूर जैसे उच्च जोखिम वाले समूह

इसके प्रसार में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। जबकि अन्य कारणों में असुरक्षित यौन संबंध, असुरक्षित रक्त आधान और साझा सुई का उपयोग शामिल हैं।

एक किशोर ट्रक चालक के मामले को याद करते हुए, जो अपनी नसों में ओपिओइड इंजेक्ट करने के महीनों बाद एचआईवी के लिए सकारात्मक परीक्षण करता है, एक मनोरोग सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि नशीली दवाओं का इंजेक्शन लगाने वाले उपयोगकर्ता (आईडीयू) अपने उच्च जोखिम वाले व्यवहार के कारण एड्स एचआईवी प्राप्त करने के लिए अधिक संवेदनशील होते हैं।

खान कहते हैं कि यह देखा गया है कि बड़ी संख्या में नशेड़ी जोड़े में ड्रग्स का उपयोग करते हैं। वे या तो सुइयों का दोबारा इस्तेमाल करते हैं या उन्हें साझा करते हैं, ज्यादातर अलग-थलग जगहों पर जहां उनके पास आसुत जल और अन्य साफ उपकरण तक पहुंच नहीं होती है। शोध से यह भी पता चलता है कि भारत में नशीली दवाओं का इंजेक्शन लगाने वाले युवाओं में एचआईवी की घटना और व्यवहार संबंधी जोखिम अधिक है।

राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, जबकि भारत में सामान्य आबादी में एचआईवी का प्रसार 0.40 प्रतिशत है, नशीली दवाओं का इंजेक्शन लगाने वाले लोगों में एचआईवी का प्रसार 7.17 प्रतिशत जितना अधिक है। एक अन्य चिकित्सक डा मोहम्मद शफी बताते हैं कि एचआईवी का कोई इलाज नहीं है, लेकिन समय पर उपचार व्यक्तियों को स्वस्थ जीवन जीने में मदद कर सकता है। उन्होंने शुरुआती लक्षणों को पहचानने और प्रतिरक्षा प्रणाली पर वायरस के दीर्घकालिक प्रभाव को समझने पर जोर दिया।

डाक्टर सिरिंज के दोबारा इस्तेमाल के खिलाफ दृढ़ता से सलाह देते हैं और एचआईवी/एड्स से निपटने के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण की वकालत करते हैं, इस बात पर जोर देते हुए कि यह चिकित्सा के साथ-साथ एक व्यवहारिक मुद्दा भी है। वे कहते थे कि एचआईवी से जुड़ा सामाजिक कलंक अक्सर रोगियों को असुरक्षित बना देता है।

अब मिल्कीपुर में आमने-सामने होगी भाजपा और सपा

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में 9 सीटों के लिए हुए उपचुनाव के बाद अब भाजपा और मुख्य विपक्षी दल सपा के बीच एक और चुनावी लड़ाई होने वाली है। यह लड़ाई मिल्कीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में होगी। उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद भाजपा के हौसले बुलंद हैं जबकि सपा ने कहा है कि उपचुनाव में भाजपा की जीत नहीं हुई है बल्कि यह जीत उसे फर्जी वोटों और धांधली के चलते मिली है।

बहरहाल, उपचुनाव की जीत ने भाजपा को लोकसभा चुनाव में खराब प्रदर्शन की वजह से मिले जख्मों को काफी हद तक भर दिया है। भाजपा अब मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर होने वाले चुनाव पर भी जीत हासिल करना चाहती है लेकिन यहां उसके लिए चुनावी मुकाबला आसान नहीं है। यूपी में 9 सीटों के लिए हुए उपचुनाव में 7 सीटों पर एनडीए गठबंधन को जीत मिली है जबकि दो सीटें सपा के खाते में गई हैं। सात में से 6 सीटों पर भाजपा जीती है जबकि एक सीट पर उसके सहयोगी दल आरएलडी का प्रत्याशी जीता है।

मिल्कीपुर की सीट इसलिए बहुत अहम है क्योंकि यह फैजाबाद (अयोध्या) लोकसभा में आती है। लोकसभा चुनाव में भाजपा को फैजाबाद (अयोध्या) सीट पर जब हार मिली थी तो इसकी चर्चा देश भर में हुई थी क्योंकि अयोध्या में राम मंदिर निर्माण के बाद इस सीट पर भाजपा की हार की बात पार्टी के नेताओं और समर्थकों ने भी नहीं सोची थी। यहां से सपा के उम्मीदवार अवधेश प्रसाद जीते थे। अवधेश प्रसाद उस वक्त मिल्कीपुर सीट से मौजूदा विधायक भी थे। अवधेश प्रसाद दलित समुदाय से आते हैं।लोकसभा चुनाव के नतीजे उत्तर प्रदेश में भाजपा के लिए बेहद खराब रहे थे। पार्टी को 2019 के लोकसभा चुनाव के मुकाबले 29 सीटों का नुकसान हुआ जबकि पार्टी का यह दावा था कि वह चुनाव में प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगी।

भाजपा इस सीट को लेकर काफी गंभीर है और उसने अपने नेताओं और मंत्रियों की मिल्कीपुर विधानसभा सीट पर जिम्मेदारी तय कर दी है। भाजपा ने कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही को अयोध्या जिले का प्रभारी मंत्री बनाया है। सूर्य प्रताप शाही के अलावा खेल मंत्री गिरीश यादव, खाद्य और रसद राज्य मंत्री सतीश शर्मा और राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह को मिल्कीपुर में सपा को हराने और भाजपा को जीत दिलाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अगले कुछ दिनों में भाजपा के तमाम नेता मिल्कीपुर में डेरा डाल देंगे।

उम्मीदवारों की बात करें तो सपा ने सांसद अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद को उम्मीदवार बनाया है जबकि भाजपा की ओर से कई बड़े नेता टिकट के दावेदार हैं। इस साल सितंबर में जब अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद के खिलाफ एफआईआर दर्ज हो गई थी तो यहां जातीय राजनीति तेज हो गई थी। अजित प्रसाद पर रवि कुमार तिवारी नाम के शख्स ने यह एफआईआर दर्ज कराई थी। अजित प्रसाद के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बाद दलित बनाम ब्राह्मण समुदाय के बीच मतों का ध्रुवीकरण हो सकता है। मिल्कीपुर विधानसभा क्षेत्र में दलित आबादी के साथ-साथ ब्राह्मण समुदाय की भी ठीक-ठाक आबादी है और यह दलित मतदाताओं की संख्या के बराबर भी है। इस मामले में एक रोचक तथ्य भी है। ऐसा माना जाता है कि ब्राह्मण समुदाय के एक बड़े हिस्से ने लोकसभा चुनाव 2024 और 2022 के विधानसभा चुनाव में अवधेश प्रसाद का समर्थन किया था।

मिल्कीपुर उप चुनाव में भाजपा की ओर से आधा दर्जन से ज्यादा नेता टिकट की दावेदारी कर रहे हैं। मिल्कीपुर से विधायक रहे गोरखनाथ बाबा, चंद्रभानु पासवान, विनय रावत, चंद्रकेतु, ब्रजेश कुमार पासवान, राधेश्याम त्यागी, पूर्व विधायक रामू प्रियदर्शी भी टिकट के दावेदार हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में हारे भाजपा उम्मीदवार गोरखनाथ बाबा ने अवधेश प्रसाद के निर्वाचन को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। अदालत में मामला होने के चलते निर्वाचन आयोग ने प्रदेश की 9 विधानसभा सीटों के साथ मिल्कीपुर में उप चुनाव नहीं कराया था।

यूपी उपचुनाव और महाराष्ट्र के नतीजों से भाजपा को नई ऊर्जा मिली है। चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक हैं तो सेफ हैं और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बंटेंगे तो कटेंगे का नारा खूब चला था। भाजपा को उम्मीद है कि मिल्कीपुर विधानसभा के उपचुनाव में हिंदू मतदाता जातियों में ना बंटकर एकजुट होकर वोट देंगे और इससे वह इस सीट पर उपचुनाव जीत सकती है। अगर वह उपचुनाव जीत गई तो लोकसभा चुनाव में अयोध्या में मिली अपनी हार का बदला भी सपा से ले सकेगी।

अयोध्या में शुरू हुई अंतरराष्ट्रीय क्रोनोमेडिसिन कॉन्फ्रेंस

देश-विदेश से सैकड़ों चिकित्सक अयोध्या पहुंचे

अयोध्या, 29 नवंबर (एजेंसियां)। भव्य मंदिर में रामलला के विराजमान होने के बाद दूर-दूर से श्रद्धालु अयोध्या पहुंच रहे हैं। वे न सिर्फ रामलला का दर्शन कर रहे हैं बल्कि योगी सरकार द्वारा सजाई गई रामनगरी का दीदार भी कर रहे हैं। इसी कड़ी में धरती के भगवान माने जाने वाले चिकित्सक भी अब देश-विदेश से किसी न किसी बहाने अयोध्या पहुंच रहे हैं। शुक्रवार से राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज गंजा में शुरू हुई अंतरराष्ट्रीय क्रोनोमेडिसिन इसका जीता-जागता उदाहरण रहा।

दरसअल अयोध्या में पहली बार अंतरराष्ट्रीय क्रोनोमेडिसिन 2024 कॉन्फ्रेंस हो रही है। इस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश से ही नहीं बल्कि देश-विदेश से चिकित्सक शामिल होने के लिए पहुंचे हैं। आयोजन के सचिव व मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. वीरेंद्र वर्मा ने बताया कि पिछली बार इसका आयोजन राजस्थान के जैसलमेर में हुआ था।

राम मंदिर निर्माण के बाद चिकित्सकों ने अयोध्या में इस कॉन्फ्रेंस को कराने का आह्वान किया था। सभी रामलला के दर्शन व अयोध्या को देखना भी चाहते थे। यही कारण रहा है कि कॉन्फ्रेंस अयोध्या में कराई गई है। तकरीबन 800 से 1000 के बीच चिकित्सक इसमें शामिल हो रहे हैं।

संरक्षक व मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ समारोहपूर्वक किया गया। यह 1 दिसंबर तक चलेगी। इसमें विदेश से 14 चिकित्सक पहुंच रहे हैं। 10 अमेरिका से ही हैं।

उन्होंने बताया कि यूएसए के अमेरिका कॉलेज ऑफ फिजिशियन की वाइस प्रेसिडेंट डॉ. मुक्ता पांडा, यूएसए से डॉ. देवेंद्र अग्रवाल, चेन्नई से डॉ. कृष्णा शेषादोई, अमेरिका से डॉ. सुरेश सी त्यागी, यूएसए से डॉ. देवाशीष बगेची, डॉ. के राय चौधरी, डॉ. सीबा चौधरी, यूएस से डॉ. रामेश्वर नाथ चौधरी, डॉ. समेन्द्र नाथ, डॉ बानिक, यूके से डॉ. परिजाल डे व संगीता डे के अलावा देश के नामी गिरामी चिकित्सक शामिल हो रहे हैं।

इसके अलावा पद्मश्री डॉ. कमलाकर त्रिपाठी, बीएचयू के डायरेक्टर प्रो. डॉ. एनएस संखवार, एम्स के डायरेक्टर प्रो. डॉ. अजय सिंह भी शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। सभी अयोध्या दर्शन को भी जाएंगे। पहले दिन कॉन्फ्रेंस में डॉ. नरसिंह वर्मा, डॉ. दिनेश और डॉ. अनुज महेश्वरी समेत नामी-गिरामी चिकित्सकों ने क्रोनोमेडिसिन के बारे में बताया। उन्होंने चिकित्सकों से मरीजों को दिनचर्या ठीक करने के बारे में बताने को कहा है।

भाजपा और रालोद के 7 नवनिर्वाचित विधायकों ने ली शपथ

विधायकों ने दोहराया राष्ट्र सर्वोपरि का संकल्प

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व और प्रभावी रणनीति के चलते उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल राष्ट्रीय लोकदल ने उपचुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 में से 7 सीटों पर जीत हासिल की। शुक्रवार को विधानसभा में नवनिर्वाचित विधायकों का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने सभी विजयी उम्मीदवारों को शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विजयी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए इसे प्रदेश के विकास और जनता की आस्था की जीत बताया।

जिन नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ ली उनमें कुंदरकी से रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र सिंह, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद, मझवां से सुचिस्मिता मौर्य और मीरापुर से रालोद की मिथलेश पाल शामिल हैं। इन सभी उम्मीदवारों ने जनता के विश्वास और समर्थन का धन्यवाद करते हुए अपने क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता देने की बात कही। सभी ने एक स्वर में राष्ट्र प्रथम के संकल्प को दोहराया, साथ ही मोदी-योगी के नेतृत्व के प्रति अपनी निष्ठा जताई।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नवनिर्वाचित सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य होना गौरव की बात है। जनता की सेवा का अवसर आपको मिला है। मुख्यमंत्री के कार्यों को लेकर अगर जनता के बीच में जाएं तो हर बार जीत आपको मिलेगी। आपके पास ढाई साल का समय है, उसे जनता के बीच ज्यादा से ज्यादा व्यतीत करें। इसके साथ ही आपकी उपस्थिति विधानसभा में भी दिखनी चाहिए। यहां आपकी परफॉर्मेंस ही जनता के बीच आपकी सक्रियता के संदेश के रूप में जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री द्वय केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना सहित मंत्रीगण और विधायकगण मौजूद रहे।

सीएम योगी ने कहा, उपचुनाव की जीत से विपक्ष भयभीत

2027 में इससे भी बड़ी होगी भाजपा की विजय

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित उपचुनाव में विजयी नवनिर्वाचित विधायकों के अभिनंदन समारोह को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने नवनिर्वाचित विधायकों, पार्टी कार्यकर्ताओं, मंत्रियों और पदाधिकारियों को उपचुनाव के दौरान मिले दायित्वों को लेकर की गई कड़ी मेहनत और समर्पण के लिए सराहा। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि टीम भावना और एकजुटता के साथ कार्य करने से असंभव को भी संभव बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि उपचुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत से विपक्षी दल भयभीत हो गए हैं। वो अब बस आरोप ही लगा सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने सभी को आश्वस्त किया कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा इससे भी बड़ी जीत हासिल करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन और नेतृत्व में एनडीए ने हरियाणा में हैट्रिक लगाई, महाराष्ट्र में भारी बहुमत हासिल किया और उत्तर प्रदेश उपचुनाव में 9 में से 7 सीटों पर विजय प्राप्त की। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने चुनाव से पहले ही सात सीटें जीतने की रणनीति बनाई थी, जिसे संगठन और कार्यकर्ताओं ने जमीन पर उतारकर सफल बनाया। योगी ने कुंदरकी और कटेहरी जैसी कठिन सीटों पर जीत को पार्टी की रणनीति और कार्यकर्ता व पदाधिकारियों के सामूहिक प्रयास का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि जहां लोग जीत की संभावना पर सवाल उठाते थे, वहां भाजपा ने न केवल जीत हासिल की बल्कि अपनी स्थिति और मजबूत की। कुंदरकी में 1.45 लाख वोटों से रिकॉर्ड तोड़ जीत इसका उदाहरण है।मुख्यमंत्री ने पार्टी की विचारधारा और कार्यकर्ताओं के प्रति समर्पण पर जोर देते हुए कहा कि भाजपा हर चुनौती को अवसर में बदलने का माद्दा रखती है। उन्होंने सातों विधानसभा में मिली जीत को कार्यकर्ताओं और नेताओं के मजबूत प्रयास का नतीजा बताया। उन्होंने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए यह जीत विपक्ष के मन में भय उत्पन्न करेगी। हमें जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना होगा और सघन जनसंपर्क के माध्यम से सरकार की योजनाओं को हर व्यक्ति तक पहुंचाना होगा। इससे 2027 में हमारी सफलता और बड़ी होगी। मुख्यमंत्री ने खैर विधानसभा से विजयी सुरेंद्र दिलेर के पिता पूर्व सांसद और पूर्व विधायक राजवीर सिंह दिलेर का विशेष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि पार्टी हमेशा अपने कार्यकर्ताओं के परिवार के साथ खड़ी रहती है। योगी आदित्यनाथ ने नवनिर्वाचित विधायकों का आह्वान किया कि, चूंकि अब उनके पास दो-ढाई साल का ही समय है, ऐसे में वह सभी अपने कार्यकाल में जनता से बेहतर संवाद स्थापित करें और संगठन के साथ मिलकर काम करें। उन्होंने कहा कि हमें अपनी सफलता से प्रेरणा और असफलता से सबक लेकर आगे बढ़ना है। यदि हम इसी सामूहिक भावना से कार्य करते रहे, तो 2027 में प्रदेश में प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलेगा। अभिनंदन समारोह में भाजपा और सहयोगी दल रालोद के विजयी विधायकों को बधाई दी गई। इनमें मीरापुर से मिथिलेश पाल (रालोद), कुंदरकी से भाजपा विधायक रामवीर सिंह, फूलपुर से दीपक पटेल, खैर से सुरेंद्र दिलेर, गाजियाबाद से संजीव शर्मा, कटेहरी से धर्मराज निषाद और मझवां से सुचिष्मिता मौर्य शामिल रहीं।

मदरसों में एनसीईआरटी की पुस्तकों का वितरण बंद

नाराज मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने मांगा जवाब

लखनऊ, 29 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मदरसों में एनसीईआरटी की पुस्तकों का वितरण बंद होने पर अल्पसंख्यक मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कड़ी नाराजगी जाहिर की है। अल्पसंख्यक मंत्री ने संबंधित अधिकारियों से इस संबंध में स्पष्टीकरण तलब किया। अल्पसंख्यक मंत्री ने पूछा है कि किन परिस्थितियों में एनसीईआरटी की पुस्तकों का वितरण बंद कर दिया गया। अल्पसंख्यक मंत्री ने गत 9 सितम्बर को भी अपर मुख्य सचिव अल्पसंख्यक कल्याण को पत्र लिख कर इस बारे में पूछा था मगर इस पत्र का उनको अभी तक कोई जवाब नहीं मिला है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के आदेश के बाद प्रदेश के मदरसों में एनसीईआरटी की किताबों का वितरण तीन साल तक किया गया फिर उसके बाद एकदम से एनसीईआरटी की पुस्तकों का वितरण रोक दिया गया। इस संबंध में जब अल्पसंख्यक मंत्री ओम प्रकाश राजभर को जानकारी हुई तो उन्होंने इस मामले में सख्ती से जवाब तलब किया है।

प्रदेश में वर्ष 2017 में भाजपा सरकार बनने के बाद गठित मदरसा बोर्ड ने 15 मई 2018 को मदरसों में एनसीईआरटी का पाठ्यक्रम लागू करने का आदेश दिया था। 30 मई 2018 को इसका शासनादेश जारी हुआ था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सभी मान्यता प्राप्त व अनुदानित मदरसों में एनसीईआरटी की पुस्तकों को कोर्स के शामिल करने का आदेश दिया था। शासनादेश आने के बाद तीन वर्ष एनसीईआरटी की किताबों वितरण हुआ मगर बीच में एनसीईआरटी किताबों का वितरण रोक दिया गया था। बताया जा रहा है कि मदरसों में एनसीईआरटी की पुस्तकों के स्थान पर बेसिक शिक्षा विभाग की किताबों को वितरित करने की स्वीकृति दे दी गई थी।

महाकुंभ-2025

महाकुंभ को सफल बनाने उतरी अधिकारियों की टीम

प्रयागराज, 29 नवंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ-2025 के दिव्य और भव्य आयोजन को सुनिश्चित करने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को विशेष क्षेत्रों में तैनात किया जा रहा है। इन अधिकारियों पर विभिन्न गतिविधियों की देखरेख और प्रबंधन का दायित्व होगा। इसी क्रम में जिलाधिकारी प्रयागराज के द्वारा अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुसार कार्यक्षेत्र सौंप दिए हैं। मेला आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है।

जिलाधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार मुख्य विकास अधिकारी गौरव कुमार महाकुंभ-2025 के किसी भी कार्य के लिए अधोहस्ताक्षरी के आदेशानुसार सभी आवश्यक कार्यवाही के प्रभारी होंगे। वहीं, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) विनय कुमार सिंह झूसी और आस-पास के क्षेत्र का सम्पूर्ण प्रबंधन देखेंगे। अपर जिलाधिकारी (भूलेख) कुँवर पंकज नैनी और उसके आस-पास के क्षेत्र का कार्य देखेंगे, जबकि अपर जिलाधिकारी (नजूल) प्रदीप कुमार के पास फाफामऊ और आस-पास के क्षेत्र की जिम्मेदारी होगी। अपर जिलाधिकारी (नगर) मदन कुमार को नगर क्षेत्र की सम्पूर्ण देखरेख का जिम्मा दिया गया है तो अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) पूजा मिश्रा को आईसीसीसी (प्रयागराज मेला प्राधिकरण) में स्थित कंट्रोल रूम का प्रभार सौंपा गया है।

इसके अतिरिक्त महाकुंभ-2025 के प्रमुख स्नान पर्व को सकुशल एवं निर्विघ्न सम्पन्न कराने हेतु रेलवे स्टेशनों पर श्रद्धालुओं/स्नानार्थियों एवं भक्तजनों की भीड़ के दृष्टिगत नोडल/सहायक नोडल अधिकारी, सेक्टरवार अधिकारियों की ड्यूटी भी लगाई गई है। पीडीए वीसी अमित पाल शर्मा को प्रयागराज जंक्शन का नोडल अधिकारी बनाया गया है, जबकि अपर नगर मजिस्ट्रेट (तृतीय) सुदामा वर्मा को सूबेदारगंज और अपार नगर आयुक्त दीपेंद्र यादव रामबाग रेलवे स्टेशन के नोडल होंगे। इसी तरह, अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) संदीप तिवारी प्रयाग रेलवे स्टेशन, ओएसडी पीडीए संजीव कुमार उपाध्याय फाफामऊ रेलवे स्टेशन, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) प्रेरणा गौतम प्रयाग संगम, अपर नगर आयुक्त अरविंद कुमार राय दारागंज रेलवे स्टेशन के नोडल होंगे। अपर उप जिलाधिकारी सदर गणेश कनौजिया को झूसी रेलवे स्टेशन, उप जिलाधिकारी (न्यायिक) करछना, जूही प्रसाद को नैनी रेलवे स्टेशन और उप जिलाधिकारी जयजीत कौर को छिंवकी-नैनी रेलवे स्टेशन का नोडल बनाया गया है। ये सभी नोडल, सहायक नोडल अधिकारियों और सेक्टर अधिकारियों के साथ मिलकर व्यवस्था देखेंगे। इसके साथ ही समस्त होल्डिंग एरिया की व्यवस्था हेतु भी नोडल, सहायक नोडल और सेक्टर अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है।

श्रद्धालुओं के स्वागत में सुगंधित होगी गली-गली

प्रयागराज, 29 नवंबर (एजेंसियां)। महाकुंभ शुरू होने से पहले ही प्रयागराज आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधाओं के मद्देनजर योगी सरकार ने जमीनी स्तर पर इंतजाम शुरू कर दिए हैं। इसके लिए यहां 24 घंटे काम जारी है। इसी क्रम में यहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पहली बार एक खास इंतजाम किया जा रहा है, जिसको देख पर्यटक खासे रोमांचित नजर आएंगे। महाकुंभ में श्रद्धालुओं के स्वागत के लिए इस बार पूरे प्रयागराज को फूलों की खुशबू से महकाने की योजना है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर इस बार महाकुंभ में स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अंतर्गत पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए बड़े पैमाने पर पुष्प वाटिकाएं और रंग बिरंगे पौधे क्यारियों और गमलों में लगाए जाने हैं। इसके लिए बाकायदा 07 करोड़ 55 लाख 18 हजार रुपए का बजट रखा गया है।

इसके अंतर्गत 26225 गमलों में मौसमी फूल सजाए जाएंगे। इसके अलावा बड़े पैमाने पर फ्लावर बेड तैयार कर उनकी प्रदर्शनी लगाई जाने की योजना है। मेला क्षेत्र में गंगा किनारे विशेष सजावटी पौधे लगाए जाने का काम शुरू हो गया है। प्रयागराज में महाकुंभ की तैयारियां अपने अंतिम चरण में हैं। यहां फूलों के पौधों की बड़ी मांग है। महाकुंभ को लेकर पूरे प्रयागराज को सुंदर और सुगंधित बनाने के लिए अयोध्या और काशी की नर्सरियों को बड़े पैमाने पर फूलों और सजावटी पौधों के ऑर्डर दिए गए हैं। इस समय मेला के अलावा शहर के प्रमुख स्थलों, पार्कों, सड़कों, चौराहों, एयरपोर्ट और हाईकोर्ट की सजावट में इन पौधों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके साथ ही महाकुंभ में देश विदेश से आने वाले सैलानियों के आकर्षण के लिए प्रयागराज की गली-गली में सजावट के लिए फूलों के गमले रखने का काम भी शुरू हो गया है।

इस वर्ष महाकुंभ के लिए खासतौर पर गुलाब, डहेलिया, जूही, मेरीगोल्ड, कामिनी, चांदनी, गुलदावदी, नेरियम और गेंदा के विभिन्न किस्मों की मांग है। साथ ही, सजावटी पौधों में एरिका पॉम, स्पाइडल लिली, पीस लिली, बम्बू, धन लक्ष्मी, विष्णु कमल और रेड मंचीरा शामिल हैं।

संपादकीय

प्रियंका का डंका

केरल के वायनाड में प्रियंका गांधी वाड्रा की 4.1 लाख से अधिक वोटों के अंतर से हुई भारी जीत कांग्रेस पार्टी के लिये एक उत्साहजनक संदेश है। निश्चित रूप से उनके राजनीतिक जीवन और कांग्रेस पार्टी के लिये यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। शायद यह पहली बार है कि संसद में गांधी परिवार के तीन लोग सदस्य हैं। उनसे पहले राज्यसभा में मां सोनिया गांधी और लोकसभा में भाई राहुल गांधी की सक्रिय उपस्थिति बनी हुई है। उनकी इस जीत से निश्चित रूप से संसद में गांधी परिवार के प्रभाव को मजबूती मिलेगी। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि यह आज भी वंशवादी नेतृत्व पर पार्टी की निर्भरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, प्रियंका गांधी अपने आकर्षक व्यक्तित्व व प्रभावी कुशल वक्ता के रूप में पहचान रखती हैं। वह कांग्रेस पार्टी के लिए भविष्य की बड़ी उम्मीद हैं। उनकी उपस्थिति पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करती है। एक ओर जहां राहुल गांधी के नेतृत्व व अभिव्यक्ति को लेकर आलोचना की जाती रही है, मगर प्रियंका गांधी वाड्रा अपने नपे-तुले शब्दों में मुद्दों को तार्किक ढंग से उठाने के लिये भी जानी जाती हैं। उनका यह राजनीतिक कौशल वायनाड में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान बखूबी देखा गया। अपने इसी गुण के चलते वह चुनाव अभियान के दौरान तमाम मतदाताओं, खासकर महिलाओं के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ने में कामयाब रहीं। लोगों को साथ जोड़ने की यही क्षमता उनकी निर्णायक जीत में खासी मददगार साबित भी हुई। उनके चुनाव अभियान ने कार्यकर्ताओं में नये उत्साह का संचार किया। यही वजह है कि पार्टी के भीतर उनकी सफलता को लेकर खासा जोश भी है। पार्टी के भीतर भी कई लोगों को उम्मीद है कि उनकी इस रिकॉर्ड जीत से कांग्रेस पार्टी संगठन में नई ऊर्जा का संचार हो सकेगा। दूसरे शब्दों में कहें तो देश में पार्टी की अपील में आशातीत विस्तार की संभावनाओं को बल मिल सकेगा। फलतः पार्टी को मौजूदा संकट से उबरने में मदद मिलेगी। यह निर्विवाद सत्य है कि राजनीतिक समय की दृष्टि से प्रियंका गांधी वाड्रा की सफलता के खास मायने हैं। उनकी संसद में दस्तक ऐसे समय में हुई जब देश की सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी बेहद चुनौतीपूर्ण स्थितियों का सामना कर रही है। पार्टी को हाल के दिनों में महत्वपूर्ण चुनावी झटकों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले दिनों महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा में सत्ता की चाबी पार्टी के हाथ से फिसलकर भाजपा की झोली में जा गिरी है। राजनीतिक पंडित इन असफलताओं को पार्टी की घटती प्रासंगिकता के रूप में देखते रहे हैं। साथ ही कहा जाता है कि पार्टी भाजपा की संगठनात्मक ताकत को चुनौती दे पाने में विफल रही है। दूसरे शब्दों में, पार्टी भाजपा के राजनीतिक विमर्श का विकल्प नहीं दे पा रही है। साथ ही यह अहम सवाल भी उठाया जा रहा है कि सक्रिय राजनीति में प्रियंका का उदय क्या संघर्षरत कांग्रेस में नई जान फूंक सकने में कामयाब होगा? दरअसल, वायनाड में उनकी जीत को स्थानीय सफलता के रूप में देखा जा रहा है। इसमें दो राय नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर दमदार उपस्थिति के लिये उन्हें अभी और मेहनत करनी होगी। इस जीत को राष्ट्रीय गति में बदलने के लिये रणनीतिक सुधारों, गठबंधनों और भविष्य के लिये स्पष्ट दृष्टिकोण की जरूरत होगी। अभी यह देखना बाकी है कि क्या भविष्य के लिये वे एक स्पष्ट दृष्टिकोण का लाभ पार्टी का जनाधार विकसित करने के लिये दे पाएंगी। या फिर वह कांग्रेस की वंशवादी राजनीति की निरंतरता के रूप में उभरती हैं। निस्संदेह, जैसे ही वह राष्ट्रीय सुर्खियों में कदम रखेंगी, उन्हें पार्टी में नई प्राणवायु का संचार करने के लिये कठिन चुनौती का सामना करना पड़ सकता है।

निश्चित रूप से उनके राजनीतिक जीवन और कांग्रेस पार्टी के लिये यह एक महत्वपूर्ण क्षण है। शायद यह पहली बार है कि संसद में गांधी परिवार के तीन लोग सदस्य हैं। उनसे पहले राज्यसभा में मां सोनिया गांधी और लोकसभा में भाई राहुल गांधी की सक्रिय उपस्थिति बनी हुई है। उनकी इस जीत से निश्चित रूप से संसद में गांधी परिवार के प्रभाव को मजबूती मिलेगी। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि यह आज भी वंशवादी नेतृत्व पर पार्टी की निर्भरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, प्रियंका गांधी अपने आकर्षक व्यक्तित्व व प्रभावी कुशल वक्ता के रूप में पहचान रखती हैं। वह कांग्रेस पार्टी के लिए भविष्य की बड़ी उम्मीद हैं। उनकी उपस्थिति पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करती है। एक ओर जहां राहुल गांधी के नेतृत्व व अभिव्यक्ति को लेकर आलोचना की जाती रही है, मगर प्रियंका गांधी वाड्रा अपने नपे-तुले शब्दों में मुद्दों को तार्किक ढंग से उठाने के लिये भी जानी जाती हैं। उनका यह राजनीतिक कौशल वायनाड में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान बखूबी देखा गया।

गुरु जी ने उसे विजय का आश्वासन तो दिया लेकिन सैनिक सहायता दी या नहीं, इसका निश्चित प्रमाण नहीं मिलता

गुरु गोबिंद सिंह जी के दक्षिण भ्रमण का फल

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

गुरु ग्रन्थ का आज जो रूप उपलब्ध होता है, उसे वर्तमान रूप यहीं दिया गया था। इसी स्थान पर से गुरु जी ने औरंगजेब को दक्षिण में एक पत्र लिखकर भेजा जो जफरनामा के नाम से प्रसिद्ध है। भाई व्यासिंह के हाथ जफरनामा औरंगजेब के नाम प्रेषित करके गुरु जी पंजाब से दक्षिण की ओर चल पड़े। मार्ग में ही उन्हें औरंगजेब की मृत्यु की सूचना मिली। औरंगजेब की मृत्यु ने स्थिति को एकदम बदलकर रख दिया। अतः गुरु जी तुरन्त दिल्ली की ओर चल पड़े। औरंगजेब की मृत्यु के उपरान्त उसके पुत्रों मुअज्जम तथा आजम में सत्ता प्राप्ति के लिए युद्ध की तैयारियां होने लगीं।

खिदराणा के युद्ध के बाद गुरु जी भ्रमण करते-करते तलवण्डी साबो पहुंचे। इस स्थान पर गुरु जी कुछ देर के लिए स्थायी रूप से रहे। गुरु जी का यह निवास साहित्यिक दृष्टि से अत्यन्त महत्व रखता है। गुरु ग्रन्थ का आज जो रूप उपलब्ध होता है, उसे वर्तमान रूप यहीं दिया गया था। इसी स्थान पर से गुरु जी ने औरंगजेब को दक्षिण में एक पत्र लिखकर भेजा जो जफरनामा के नाम से प्रसिद्ध है। भाई व्यासिंह के हाथ जफरनामा औरंगजेब के नाम प्रेषित करके गुरु जी पंजाब से दक्षिण की ओर चल पड़े। मार्ग में ही उन्हें औरंगजेब की मृत्यु की सूचना मिली। औरंगजेब की मृत्यु ने स्थिति को एकदम बदलकर रख दिया। अतः गुरु जी तुरन्त दिल्ली की ओर चल पड़े। औरंगजेब की मृत्यु के उपरान्त उसके पुत्रों मुअज्जम तथा आजम में सत्ता प्राप्ति के लिए युद्ध की तैयारियां होने लगीं। औरंगजेब का ज्येष्ठ पुत्र मुअज्जम गुरु जी का पूर्व परिचित था। उसने गुरु जी से सहायता की प्रार्थना की। गुरु जी ने उसे विजय का आश्वासन तो दिया लेकिन सैनिक सहायता दी या नहीं, इसका निश्चित प्रमाण नहीं मिलता। अस्तु दोनों भाईयों का आगरे के निकट जमकर युद्ध हुआ और मुअज्जम बहादुरशाह के नाम से गद्दी पर बैठा। इस सारे कांड के बाद गुरु जी दिल्ली से आगरे की ओर चल पड़े और वहीं रहकर धर्म प्रचार करने लगे। बहादुर शाह ने एक दिन गुरु गोबिंद सिंह जी को मिलने के लिए बुलाया और एक मूल्यवान खिलअत, एक घुगधुगी और एक कलगी भेंट की। गुरु जी आगरे में टिके रहे। 1707 को बहादुर शाह राजपूतों का विद्रोह दबाने के लिए राजस्थान की ओर चल दिया और वहीं से दक्षिण में अपने छोटे भाई के विद्रोह को कुचलने के लिए दक्षिण की ओर चल दिया। कुछ समय के बाद गुरु जी नान्देड़ पहुंच गए। नान्देड़ में रहते हुए गुरु जी को एक महन्त-वैरागी के बारे में पता चला, जिसके बारे में कहा जाता था कि उसने जिन्न भूत अपने अधीन में किए हुए हैं। गुरु जी उस विलक्षण व्यक्ति को देखने उसके डेरे पर गए। बैरागी बाहर गया हुआ था। गुरु जी उसके आसन पर बैठ गए। बैरागी ने बाहर से आकर गुरु जी को आसन से गिराने के लिए तान्त्रिक विद्या के अनेक प्रयोग किए, लेकिन सफलता न मिली। वह गुरु जी के चरणों पर गिर पड़ा। गुरु जी ने उसे कर्म का उपदेश दिया। मातृभूमि की दयनीय अवस्था का चित्रण किया। विदेशियों के

अत्याचारों से अवगत कराया। बैरागी पर इसका अद्भुत प्रभाव पड़ा। गुरु जी ने उसे अपना उत्तराधिकारी बनाकर अपने कार्य को बढ़ाने के लिए पंजाब भेजा। यही साधु आगे चलकर बन्दावैरागी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। नान्देड़ पहुंचने के एक मास उपरान्त ही गुरु जी का देहावसान हो गया। गुरु शौर्य में लिखा है- कि एक पठान कुछ दांव लेकर प्रभु के पास आया और दो-तीन घड़ी वहां बैठा रहा, परन्तु उसका दांव न लगा क्योंकि वहां बहुत लोग उपस्थित थे। उस दिन वह चला गया और दूसरे दिन फिर आया। उस दिन भी वह दो-तीन घड़ी बैठकर घात लगाता रहा, परन्तु उस दिन भी उसे सफलता नहीं मिली, और वह घर चला गया। इस प्रकार वह कई दिन आता रहा। परन्तु उसका दांव न लगा। परन्तु अनेक बार आने के कारण उसने इस भेद का पता पा लिया कि उसके काम का समय संध्या का है। वह दुष्ट एक दिन शाम के समय आया। गुरु जी ने उसे निकट बुलाया और अपने पास बैठाकर प्रसाद दिया, जिसे उस दुष्ट ने हाथ में लेकर मुंह में डाल लिया। उस समय वहां कोई सिंह नहीं था। केवल एक रक्षक था, वह भी ऊंघ गया था। इतने में प्रभु स्वयं विश्राम करने लगे। अवसर देखकर उस पठान ने उन पर छुरे से आक्रमण कर दिया। उसने उन पर दो वार किए कि गुरु जी ने निकट रखी अपनी तलवार के एक ही वार से उस दृष्ट को वहीं मार गिराया। फिर उन्होंने आवाज देकर शिष्यों को बुलाया। झटपट बहुत से लोग वहां आ गए और उसके दो साथियों को जो डेरे से बाहर खड़े उसकी प्रतीक्षा कर रहे थे, मार डाला। डेरे के अन्दर पड़े तीसरे पठान के शव को देखकर सिक्ख उस पर तलवार चलाने ही वाले थे कि गुरु जी ने कहा, यह तो कभी का मर चुका, इसे यहां से हटाओ। अभी तक किसी को यह पता नहीं लगा था कि गुरु स्वयं जख्मी हो गए हैं। परंतु जब वे उठे और लडख़ड़ाए, तब उन्हें इस दुःखद घटना का पता लगा और वे दुःख में डूब गए। गुरु ने सबको सान्त्वना दी कि भय की कोई बात नहीं है। अकाल ने उनकी रक्षा की है। इसी समय घाव धोकर सी दिए गए। परन्तु जब उन्होंने उठने का प्रयास किया तो धागे टूट गए। घाव फिर सी दिए गए और उन पर मरहम लगा दी गई। तीन-चार दिन व्यतीत हुए। बहुत से सिक्ख उनके दर्शन के लिए आ रहे थे। उनकी प्रार्थना पर गुरु जी दरबार में आए। फिर कुछ दिन व्यतीत हुए। सिक्खों में आनन्द छा गया। परन्तु वे समझ गए थे कि उनका अन्त समय निकट आ गया है। एक रात्रि को थोड़ा भोजन करके वे लेट रहे थे। आधी रात से चार घड़ी समय अधिक व्यतीत हुआ कि उन्होंने सब सिक्खों को बुलाया। सभी सिक्ख उनके निकट एकत्र हो गए और गुरु गोबिन्द सिंह जी ने उनसे अन्तिम बार 'वाहि गुरु जी की फतेह' कही और उनकी आत्मा ने अपनी नश्वर देह को छोड़ दिया। आक्रमणकारी कौन थे? किसलिए गुरु जी को मारना चाहते थे? इस सम्बन्ध में इतिहासकारों में मतभेद पाया जाता है, परन्तु प्रायः कहा जाता है कि पठान सरहिन्द के नवाब ने गुरु जी की हत्या के लिए भेजे थे। देहावसान के समय गुरु जी की आयु 42 वर्ष की थी और विक्रमी 1765 की शुचि पंचमी थी। गुरु गोबिंद सिंह जी के दक्षिण भ्रमण से भारतीय इतिहास ने नई करवट ली। उन्होंने बंदा बैरागी को जो सीख दी, उससे बंदा बैरागी ने स्वाधीनता के संघर्ष का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया, जो आज भी करोड़ों लोगों को प्रेरित करता है। इसी तरह गुरु तेग बहादुर जी का बलिदान भी आज भी भारतवासियों को सीख देता है। उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। बलिदानों की यह परंपरा जारी रखते हुए उनके पुत्र गुरु गोबिंद सिंह जी ने भी भारतीय समाज, हिंदू धर्म और भारतीय राष्ट्र के लिए काफी कुछ किया। उनके दो पुत्र मुगलों से लड़ाई में शहीद हो गए, तो दो को जिंदा ही दिवारों में चिनवा दिया गया। राष्ट्र के लिए, भारत के लिए, भारतीय समाज के लिए, और हिंदू धर्म की रक्षा के लिए यह बलिदान सचमुच ही अविस्मरणीय है। पहले सिख गुरु, गुरु नानक देव जी ने जहां सिक्ख धर्म की स्थापना की, वहीं उन्होंने लंगर प्रथा को भी शुरू करवाया, ताकि समाज में समानता का भाव बना रहे, एकता बनी रहे। दूसरे गुरु, गुरु अंगद देव जी ने गुरुमुखी का विकास किया।

दृष्टि कोण

खिलाड़ियों को नौकरी नहीं, तो वजीफा दो

सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडियों को सीधा वजीफा क्यों नहीं दे सकती हैं? हिमाचल प्रदेश के कुछ एथलीट हैं जो 2026 की एशियाई खेलों में देश के लिए खेल कर पदक दे सकते हैं। उनमें सावन और दिनेश सेना व सीमा भी राष्ट्रीय कैंप में रह कर राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। दूसरी तरफ कुछ उभरते हुए जूनियर एथलीट हैं, जो अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले सत्र गोहाटी में आयोजित खेलो इंडिया अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स में राजकीय महाविद्यालय मंडी की धाविका कुसुम ठाकुर ने सौ मीटर की फर्राटा दौड़ में रजत व दो सौ मीटर में स्वर्ण पदक जीत कर हिमाचल का नाम रोशन किया है। हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय की धाविका प्रिय ठाकुर ने चार सौ मीटर की दौड़ में कांस्य पदक जीता है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की चार गुणा चार सौ मीटर दौड़ में भी लड़कियों ने कांस्य पदक जीता है। इस वर्ष पंजाब विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हमीरपुर की मनीषा ठाकुर ने चार सौ मीटर की दौड़ को 53.1 सेकेंड में दौड़ कर स्वर्ण पदक जीता है। तेज गति की दौड़ों में हिमाचल के खिलाडियों का प्रदर्शन पहले कमजोर ही रहा है। यह अलग बात है कि पुष्पा ठाकुर ने जरूर इस मिथक को तोड़ कर भविष्य के एथलीटों को राह दिखाई है। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल का पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्पिरिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड, इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को असानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एकमात्र धाविका है, जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के बाद अभी तक कोई भी पुरुष या महिला हिमाचल प्रदेश के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय स्तर पदक जीत नहीं पाया है। भविष्य में उभरते हुए कुसुम, प्रिय व मनीषा आदि तेज गति के एथलीट हैं जिनको वजीफे की बहुत जरूरत है। इनके पास नौकरी नहीं है। सामान्य परिवारों से इनका संबंध है, जो इतना खर्च नहीं कर सकते हैं। लंबी दूरी की दौड़ों में हिमाचल का इतिहास अच्छा रहा है। सुमन रावत 1982 एशियाड में तीन हजार मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर अर्जुन अवार्डी है। स्वर्गीय कमलेश व अमन सैनी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। हाल ही में आयोजित अखिल भारतीय अतंर राज्य एथलेटिक्स चैंपियनशिप में सीमा ने पांच व दस मीटर की दौड़ों में रजत पदक जीते हैं।

कुछ अलग

आप भी करिए प्रेम...

नायिका की मांग 'नीट एंड क्लीन' प्रेम की थी और मैं इस बात को लेकर ऊहापोह में था। कुछ भी समझ में नहीं आ रहा था कि ऐसी स्थिति में क्या किया जाए? प्रेम व्यवहार चल तो रहा था, लेकिन बिल्कुल 'नीट एंड क्लीन।' बाल्यकाल में जब मैं आठवीं-नवीं कक्षा में पढ़ता था, उस समय तो यह बात सौ-फीसदी लागू होती थी। जैसे कि लडक़ी को देखकर दिन भर मुस्कराते रहो तो उसी से प्रेमाभिव्यक्ति अत्यंत सघन और सशक्त हो जाती थी। वैसे हमारे यहां प्रेम की परम्परा अनादि काल से चली आ रही है। वैदिक काल में ऋषि-मुनि इसकी अभिव्यक्ति नाना प्रकार से करके हमारे लिए मार्ग प्रशस्त करते रहे हैं। वह प्रेम भी सर्वथा पवित्रता के साथ किया जाता था तथा उसमें समाज की एनओसी की आवश्यकता नहीं थी। अपितु उस काल की नायिकाएं अपना प्रेम पाकर धन्य हो जाती थी तथा पुलकित होकर समाती नहीं थी। आजकल प्रेम के रंग न्यारे हैं। अब भी उसका प्रचलन नाना प्रकार से हो रहा है। समाज की एनओसी को तो अब के प्रेमियों ने अंगूठा दिखा दिया है। प्रेमिका से जो अनापत्ति प्रमाणपत्र चाहिए, उसमें भी दो प्रकार का फलसफा प्रचलित है। एक बिना एनओसी के तथा दूसरा बाकायदा प्रेमिका से एनओसी लेकर। कुछ मामलों में 'वन साइडेड गेम' भी चल रहा है। यानी सामने वाले को पता ही नहीं और प्रेम परवान चढ़ रहा है। ऐसे मामलों को 'दीवाना' कहकर, 'पागल' कहकर टाल दिया जाता है। उसकी साधना को कोई तवोज्जौह नहीं दी जाती। फिल्मी गानों को सुनें तो नायिकाएं नायक को पागल और दीवाना कहकर उसकी खिल्ली उड़ाती हैं। अब यह बात दीगर है कि अंत में वही दीवाना और पागल उसका असली मजनूं साबित होता है। मजनूं बनने के बाद तो खेल और भी जोखिम भरा होता जाता है। दीवानगी चरम पर होती है और नायिका को प्राप्त करने के नायाब नुस्खे काम में लेने पड़ जाते हैं, हालांकि पहले वाले मजनूं को प्रेम में विफल रहकर जान से हाथ धोना पड़ गया था, लेकिन अब के मजनूं 'दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे' की तर्ज पर अपनी नायिका को प्राप्त करके ही रहते हैं। मेरे कहने का आशय यह है कि पहले प्रेम 'नीट एंड क्लीन' था, लेकिन इस जमाने के प्रेमी तो देह गंध में भीगे हुए हैं। उनसे 'नीट एंड क्लीन' की आशा करना व्यर्थ है। परंतु नायिकाओं की प्रारम्भिक मांग यही होती है, किया भी क्या जा सकता है। इसी जटिलता का शिकार मैं था। मैंने तर्क दिया भी कि बिना पास बैठे या छुए बिना यह आध्यात्मिक निर्गुण निर्विकार प्रेम मेरे बस में नहीं है, तो इसका उत्तर नायिका ने कुछ नहीं दिया, अपितु मुझे नादान कहकर चली गई। दरअसल मैं उसकी उत्तर आधुनिकता समझ नहीं पाया था। मैंने इस संबंध में अनुभवी जोगियों और प्रेम पुजारियों से सम्पर्क किया तो उन्होंने मर्म समझाया कि मूर्ख वह तो यही कहेगी, तुम जो कर सकते हो, वह करना चाहिए। उन्होंने मुझसे ही पूछा-'बताओ, तुम्हें उसने 'नादान' क्यों कहा?' फिर उन्होंने उत्तर दिया- 'बच्चू, यह' 'नादान' भी 'दीवाना' और 'पागल' होता है। नायिकाएं प्रेम में तुमसे पचास कदम आगे निकल गयी हैं और तुम अभी 'नीट एंड क्लीन' के भय की सीमा रेखा को पार करने में उलझे हुए हो। जाओ और अपने प्रेम का बेखौफ इजहार कर दो। कुछ नहीं होगा, तुम्हारी बिगड़ी बात बन जाएगी।

देश दुनिया से

समय रहते जांच और उपचार से जीवन रक्षा

फ्लोरोसिस एक गंभीर समस्या बन चुकी है, जो दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इसका मुख्य कारण पानी में फ्लोराइड की अधिकता है, जिसके चलते हड्डियां, दांत, किडनी और अन्य शारीरिक समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं। इस रोग से प्रभावित लोग, विशेष रूप से गर्म जलवायु वाले क्षेत्रों में हैं, जहां पानी की खपत अधिक होती है। भारत में राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में यह समस्या ज्यादा देखने को मिलती है, जहां लोग हैंडपंप या कुओं का पानी उपयोग करते हैं। फ्लोरोसिस के कारण लोगों की हड्डियां कमजोर हो रही हैं, जिससे रीढ़ और शरीर के अन्य हिस्सों की हड्डियां टेढ़ी-मेढ़ी हो गई हैं। बच्चों के दांतों में पीलापन, छेद या टूटने की समस्या उत्पन्न हो रही है। इसके अलावा, हड्डियों में सूजन, जोड़ों में दर्द, घुटनों में सूजन और झुकने या बैठने में कठिनाई जैसे लक्षण भी देखे जा रहे हैं। इसके साथ ही पेट भारी रहना, कब्ज, प्यास न बुझना और किडनी के रोग भी बढ़ रहे हैं। अक्सर लोग हड्डियों के दर्द को गठिया समझ लेते हैं, लेकिन ये फ्लोरोसिस के लक्षण हो सकते हैं। फ्लोरोसिस मुख्य रूप से दांतों को प्रभावित करने वाली एक कास्मेटिक स्थिति है, जो जीवन के पहले आठ वर्षों में फ्लोराइड के अधिक सेवन के कारण होती है, जब दांत बन रहे होते हैं। भारत के कई राज्य भूजल में फ्लोराइड की अधिक मात्रा से प्रभावित हैं, जिनमें आंध्र प्रदेश, बिहार, गुजरात, हरियाणा, मध्य प्रदेश, पंजाब, महाराष्ट्र, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु प्रमुख हैं। वैज्ञानिकों के अनुसार, पानी के अलावा गेहूं, चावल और आलू जैसे खाद्य पदार्थों से भी फ्लोरोसिस हो सकता है। दिल्ली के कुछ इलाकों और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में भी फ्लोराइड की अधिक मात्रा से लोग प्रभावित हैं। फ्लोरोसिस के बारे में जागरूकता का अभाव इसके बढ़ने का मुख्य कारण है। जल प्रदूषण, भूमिगत जल के अत्यधिक उपयोग और स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही ने इस बीमारी को फैलने का मौका दिया है। शोध से पुष्टि हुई है कि फ्लोरोसिस किसी भी उम्र में हो सकता है, और यदि समय रहते इसका इलाज नहीं किया जाए तो यह गंभीर हो सकता है। बच्चों में डेंटल फ्लोरोसिस अधिक होता है, जिसके कारण उनके दांत कमजोर, पीलापन, छेद, धब्बे और गैप की समस्या उत्पन्न होती है। फ्लोरोसिस शरीर में पोटेशियम की वृद्धि और कैल्शियम की कमी का कारण बनता है। विशेषज्ञों के अनुसार फ्लोरोसिस होने के बाद किसी भी व्यक्ति का सामान्य जीवन जीना मुश्किल हो जाता है। इसलिए कोशिश की जानी चाहिए कि फ्लोरोसिस होने ही नहीं दिया जाए।

यह ध्यान देने वाली बात है कि यह केवल दूषित पानी से ही नहीं होता, पानी के अलावा भी बहुत सारी चीजों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। बीते दिनों नयी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में क्लिनिकल ईकोटैक्सियोलॉजी फेसिलिटी की ओर से तीन दिवसीय 36वीं इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस ऑफ इंटरनेशनल सोसायटी फॉर फ्लोरोसिस रिसर्च का आयोजन हुआ। इसमें भारत के अलावा जापान, थाईलैंड, चीन, ईरान और अन्य देशों के वैज्ञानिक शामिल हुए, जिन्होंने भूजल स्तर नीचे खिसकने समेत बहुतेरे कारणों की वजह से पानी में फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने के चलते फ्लोरोसिस की व्यापकता और बीमारी से निपटने के उपायों पर गहनता से विचार-विमर्श किया। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली और राजधानी क्षेत्र में भी फ्लोराइड की निर्धारित मात्रा मानक से कहीं बहुत ज्यादा है। यहां रहने वाले फ्लोराइड जनित बीमारियों से परेशान हैं। सबसे बड़ी समस्या यह है कि पानी में फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने से न तो रंग में कोई बदलाव आता है और न ही स्वाद में कोई अंतर ही आता है। ऐसी स्थिति में इसकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। उनके अनुसार ज्यादातर जलस्रोतों में प्राकृतिक रूप से भी फ्लोराइड पाया जाता है। यह भूजल में चट्टानों के कटाव से भी आता है। यही नहीं, आग या विस्फोट से पानी अत्यधिक गंदा होने से भी पानी में फ्लोराइड बढ़ रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि बचाव ही फ्लोरोसिस का सबसे बेहतर इलाज है। पानी में ज्यादा मात्रा में फ्लोराइड है तो उसमें फिल्टर लगाया जाना चाहिए। यदि किसी व्यक्ति में प्राथमिक स्तर पर बीमारी का पता चल जाता है तो एक्सरसाइज या दूसरे तरीकों से आसानी से उसका इलाज किया जा सकता है। डॉक्टरों के मुताबिक कैल्शियम, मैग्नीशियम और विटामिन-सी युक्त भोजन के अभाव में भी फ्लोरोसिस की आशंका बढ़ जाती है। इससे बचाव हेतु एंटीऑक्सीडेंट्स आदि की प्रचुरता वाला भोजन लें। विशेषज्ञों का मानना है कि फिल्टर करके पानी उपयोग करें। बारिश का पानी जमा करके इस्तेमाल में लाएं। खून की जांच कराएं, जिससे फ्लोराइड की मौजूदगी का पता चल जाता है। यदि पानी में फ्लोराइड की मात्रा 0.05 एमजी/लीटर है, तो यह सेहत के लिए खतरनाक है। एक्सरे की मदद से स्केलेटल फ्लोरोसिस का पता लग जाता है। हमें खासकर हड्डियों का भी एक्सरे कराना चाहिए, जिससे बीमारी का पता लग जाता है। कुल मिलाकर निष्कर्ष यह है कि जागरूक रहना फ्लोरोसिस को रोकने का सबसे अच्छा तरीका है।

आप का नजरिया

ईवीएम का भूत

महाराष्ट्र चुनाव में करारी पराजय के बाद कांग्रेस और उसके कुछ सहयोगी दलों ने चीखना शुरू कर दिया है-ईवीएम में भूत है, जो भाजपा को ही वोट भेजता है।' अब विपक्षी राग इतना उग्र हो चुका है कि राहुल गांधी की 'बैलेट पेपर यात्रा' की खबर सुर्खियों में है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने भी कहा है कि बैलेट पेपर की वापसी के लिए हमें अब आंदोलन करना चाहिए। यह कांग्रेस की संवैधानिक इच्छा है कि वह 'ईवीएम बनाम बैलेट पेपर' का जनांदोलन शुरू करे, लेकिन भारत के चुनाव आयोग को यूं ही नहीं कोसा जा सकता। चुनाव आयोग की स्थापना संविधान लागू होने से पूर्व ही कर दी गई थी। संविधान और लोकतंत्र की गरिमा और सफलता तभी है, जब देश में स्वतंत्र, निर्भीक, मुक्त और निष्पक्ष चुनाव हों। संविधान सभा में चुनाव आयोग के प्रारूप पर लंबी बहसें हुई थीं। उन्हीं के बाद संविधान में चुनाव आयोग तथा चुनाव प्रक्रिया से संबंधित 16 अनुच्छेद जोड़े गए थे। उनमें बुनियादी अनुच्छेद 324 भी शामिल था। अब इन तर्कों के कोई भी मायने नहीं रहे कि कांग्रेस जब किसी राज्य में अथवा लोकसभा चुनाव में 100 सीटें जीतती है, तो ईवीएम का भूत 'कांग्रेसमय' हो जाता है। जब हरियाणा और महाराष्ट्र सरीखे महत्वपूर्ण चुनाव हारती है, तो फिर 'भाजपा का भूत' चिल्लाने लगती है। हालांकि झामुमो-कांग्रेस गठबंधन ने झारखंड का चुनाव जीता है और वहां मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन शपथ भी ग्रहण कर चुके हैं। कांग्रेस के ईवीएम पूर्वाग्रह और भूतैले आरोपों पर सर्वोच्च अदालत ने हाल ही में फटकार लगाई है। सर्वोच्च अदालत ईवीएम को दोषमुक्त मानते हुए 'हरी झंडी' भी दे चुकी है। सवाल यह है कि चुनाव आयोग कांग्रेस समेत विपक्ष को आश्वस्त कैसे करे कि ईवीएम में कोई भूत नहीं है, उसे हैक नहीं किया जा सकता अथवा ईवीएम में विसंगतियां नगण्य हैं? अब कांग्रेस ईवीएम के बजाय 'बैलेट पेपर' से मतदान कराने पर अड़ी है। चुनाव-प्रक्रिया के 'पाषाण-काल' में लौटने की जिद की जा रही है। बैलेट पेपर से मतदान वाले दिन और दौर हमने भी देखे हैं। कब, कितने बूथ लूट लिए गए अथवा अवैध मतदान किया गया, अवैध बूथ छाप दिए गए या मतदान से पहले ही 'बैलेट पेपर' लीक हो गए और घरों पर बैठ कर उन पर मुहर लगा दी गई? ऐसे असंख्य दृश्य बिहार, उप्र, पश्चिम बंगाल चुनावों के हमें आज भी याद हैं और कौंधते रहते हैं। कांग्रेस ने अधिकतर चुनाव बैलेट युग में ही जीते हैं। क्या अब देश को भी पाषाण-काल में लौट जाना चाहिए? ईवीएम 2004 से भारत में लागू है। तब लोकसभा चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी के तौर पर उभरी थी। अगला 2009 का आम चुनाव भी कांग्रेस के पक्ष में रहा था, हालांकि किसी भी पक्ष को बहुमत हासिल नहीं हुआ था। भारत की चुनाव-व्यवस्था विश्व भर में विख्यात और प्रशंसनीय है। बीते 12 सालों से 130 से ज्यादा देशों के चुनाव आयुक्त हमारे चुनाव आयोग से सीख रहे हैं। इतना व्यापक मतदान देख कर और उसकी प्रक्रिया जान कर वे विदेशी आयुक्त अचंभित होते हैं। क्या अच्छी तरह चुनाव सम्पन्न कराना 'महान लोकतंत्र' का हिस्सा नहीं है? बेशक हमारे चुनावों पर भ्रष्टाचार, अनपढ़ता, खराब लैंगिक भागीदारी, नागरिक मुक्ति पर हमले और देश की राजनीतिक संस्कृति सरीखे कुछ कलंक भी चस्पा किए जाते रहे हैं। बहरहाल अब मुद्दा ईवीएम का है।

उत्तरी सीरिया के अलेप्पो शहर पर दागे गए रॉकेट, कई लोगों की मौत

दमिश्क, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तरी सीरिया के प्रमुख अलेप्पो शहर में कई स्थानों पर रॉकेट दागे गए। इस हमले में विश्वविद्यालय की आवासीय इमारत और न्यू अलेप्पो क्षेत्र की एक इमारत को निशाना बनाया गया। इस घटना में कई लोगों की जान चली गई। अपेल्लो शहर को चार साल बाद रॉकेट के गोले दागकर निशाना बनाया गया।

एक स्थानीय सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि दो रॉकेट गोले अलेप्पो के पड़ोस में विश्वविद्यालय आवास की यूनिट 15 पर गिरे। यह स्थान लाफरकान और न्यू अलेप्पो क्षेत्र में लाना जेनो स्कूल के पास है। इस हमले में चार लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दारा गवर्नरेट के दो छात्र भी शामिल हैं। इससे भयभीत विश्वविद्यालय की आवासीय इमारत में रहने वाले अधिकांश छात्र वहां से चले गए। वेबसाइट के अनुसार गुरुवार को भी अलेप्पो शहर के अल-हमदानिया इलाके में तीन गोले गिरे। हालांकि, इस गोलाबारी में कोई घायल नहीं हुआ। यह घटना अलेप्पो के ग्रामीण इलाकों में हयात तहरीर अल-शम (पुराना नाम अल-नुसरा फ्रंट) और तुर्किये समर्थित राष्ट्रीय सेना के गुटों के आगे बढ़ने के बाद की गई।

एक अन्य रिपोर्ट में कहा गया कि हयात तहरीर अल-शम को अल कायदा का समर्थन है। यह आतंकी संगठन अलेप्पो शहर में साढ़े नौ किलोमीटर तक घुस चुका है। इसके लड़ाकों ने बशर अल असद की सरकार के समर्थन वाली सेना के हथियारों और वाहनों पर कब्जा कर लिया है। अलेप्पो के ग्रामीण इलाकों में कुछ और गांवों पर नियंत्रण कर लिया। इनमें शेख अली, अर्नाज और काफर बेसिन के कस्बे भी शामिल हैं। आतंकी आतंकी संगठन ने दादिख पहाड़ी से गुजर रही अलेप्पो-लताकिया अंतरराष्ट्रीय सड़क को काट दिया है। इससे यह इलाका सीरिया से कट गया है।

न्यूज ब्रीफ

सुनीता विलियम्स ने सेहत को लेकर दिया बयान, पूरी तरह फिट और खुश हूं.....फरवरी में मिलते हैं

वॉशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की वापसी अब अगले साल फरवरी में होगी। कुछ दिन पहले उनकी तस्वीर ने दुनियाभर में हड़कंप मचा दिया था। तस्वीर में सुनीता काफी कमजोर दिखाई दे रही थीं। उसमें उनके गाल

बहुत धंस से गए थे और वजन भी कम लग रहा था। इसके बाद सुनीता ने कहा था कि खराब हेल्थ की बातें सिर्फ अफवाहें ही हैं और वह पूरी तरह से ठीक हैं। सुनीता ने अपनी हेल्थ को लेकर बताया है। एक इंटरव्यू में सुनीता विलियम्स ने कहा है कि वह अच्छे से खा पी रही हैं और अपना फिटनेस रूटीन मेनटेन कर रहीं। जब सुनीता से पूछा गया कि वह और विल्मोर बुच अंतरिक्ष में खुद को कैसे मैनेज कर रहे हैं। इस पर सुनीता ने कहा, अंतरिक्ष में होने का एक हिस्सा वर्क आउट करना भी है। हम दिन में दो घंटे वर्क आउट करते हैं। हमारे शरीर में थोड़ा बहुत बदलाव आया है, और इसीलिए हमें इतना व्यायाम करना पड़ता है, कुछ लोग इस स्पेस बफ कहते हैं। विलियम्स ने अपने स्वास्थ्य और वजन के बारे में कहा कि वह और साथी अंतरिक्ष यात्री बुच अच्छा महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा हम अच्छा महसूस कर रहे हैं, कसरत कर रहे हैं, सही खा रहे हैं, यह बहुत बढ़िया है। हम यहां भी बहुत मजे करते हैं। इसलिए, आप जानते हैं, लोग हमारे बारे में चिंतित हैं। वास्तव में, हमारे बारे में चिंता न करें। वहीं, अपने धन्यवाद संदेश में, विलियम्स ने कहा कि यहां हमारा दल हमारे सभी दोस्तों और परिवार को हैप्पी थैंक्सगिविंग कहना चाहता था जो पृथ्वी पर हैं और हर कोई जो हमारा समर्थन कर रहा है।

भारत फिर बना संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग का सदस्य

न्यूयॉर्क। भारत को संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग के सदस्य के रूप में फिर चुन लिया गया। आयोग में भारत का मौजूदा कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा था। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन ने गुरुवार को एक्स पर लिखा, भारत को 2025-2026 के लिए संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग (पीबीसी) के लिए फिर से चुना गया है। संस्थापक सदस्य और प्रमुख योगदानकर्ता के रूप में भारत वैश्विक शांति और स्थिरता की दिशा में काम करने के लिए पीबीसी के साथ अपना जुड़ाव जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। संयुक्त राष्ट्र शांति स्थापना आयोग में 31 सदस्य देश हैं। ये संयुक्त राष्ट्र महासभा, सुरक्षा परिषद और आर्थिक एवं सामाजिक परिषद से चुने जाते हैं। संयुक्त राष्ट्र प्रणाली में शीर्ष वित्तीय योगदान देने वाले देश और शीर्ष सैन्य योगदान देने वाले देश भी इसके सदस्य हैं। भारत संयुक्त राष्ट्र शांति सेना में वर्दीधारी कर्मियों के रूप में सबसे बड़े योगदानकर्ताओं में से एक है। संयुक्त राष्ट्र के अभियानों के तहत इस समय भारत के लगभग 6,000 सैन्य और पुलिसकर्मी अबेई, मध्य अफ्रीकी गणराज्य, साइप्रस, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य, लेबनान, पश्चिम एशिया, सोमालिया, दक्षिण सूडान और पश्चिमी सहारा में तैनात हैं। शांति अभियानों में लगभग 180 भारतीय शांति सैनिकों ने कर्तव्य निर्वहन के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया है, जो योगदानकर्ता के रूप में किसी अन्य देश के मुकाबले अब तक की सबसे अधिक संख्या है।

जीएमआर और सतलज के बीच हुए शेयर बंटवारे को नेपाल सरकार की मंजूरी

काठमांडू। अपर कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट में भारतीय कंपनी गांधी मल्लिकार्जुन राव (जीएमआर) की हिस्सेदारी भारत सरकार के स्वामित्व वाले सतलज हाइड्रोपावर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को बेचने की प्रक्रिया को नेपाल सरकार ने स्वीकृति दे दी है। इस प्रोजेक्ट में सतलज और आईआरडीए ने भी वित्तीय निवेश करने पर सहमति जताई है। इस परियोजना में नेपाल विद्युत प्राधिकरण को मुफ्त में 27 प्रतिशत स्वामित्व दिया गया है। अनुमान है कि इस प्रोजेक्ट पर 1620 करोड़ रुपये की लागत आएगी। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई निवेश बोर्ड की बैठक में 900 मेगावाट की अपर कर्णाली जलविद्युत परियोजना की शेयर संरचना और अनुबंध संशोधन को बदलने का निर्णय लिया गया। संशोधित ढांचे के मुताबिक अब इस परियोजना में जीएमआर की 34 फीसदी और सतलज की 34 फीसदी हिस्सेदारी होगी। इसी तरह, भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा विकास संगठन (आईआरईडीए) लिमिटेड को 5 प्रतिशत हिस्सा मिलेगा। निवेश बोर्ड के प्रमुख कार्यकारी अधिकारी सुशील ज्ञवाली ने बताया कि नेपाल और भारत सरकार के बीच 2014 में हुए समझौते के तहत सतलज को अरुण-3 हाइड्रोपावर और जीएमआर को अपर कर्णाली बनाने की अनुमति दी गई थी। इसके बावजूद जीएमआर ने 10 वर्षों के बाद भी वित्तीय प्रबंधन नहीं मिल पाने के कारण अब तक निर्माण कार्य शुरू नहीं किया।

पाकिस्तान के कुर्रम में शिया-सुन्नी हिंसा, 12 की मौत, 18 घायल

कुर्रम , 29 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कुर्रम जिले में शिया-सुन्नी का खूनी टकराव थमने का नाम नहीं ले रहा। ताजा टकराव में 12 लोगों की मौत हो गई और कम-से-कम 18 लोग घायल हो गए। जिसके बाद सप्ताह भर में ऐसे संघर्षों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 90 हो गई। जनजातीय बाहुल्य कुर्रम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कोहाट डिवीजन का एक जिला है।

संघर्ष विराम समझौता विफलडॉन समाचार पत्र के अनुसार, कुर्रम जिले में झड़पों में मरने वालों की संख्या गुरुवार को बढ़कर 90 हो गई। एक सप्ताह से अधिक समय से जारी खूनी टकराव को रोकने में संघर्ष विराम समझौता विफल रहा। अधिकारियों ने बताया कि ताजा झड़प में 12 और लोगों की जान चली गई और 18 अन्य घायल हो गए। जिले के ऊपरी और निचले हिस्सों में रुक-रुक कर गोलीबारी हो रही है। लोअर कुर्रम के पारचिनार इलाके में पिछले सप्ताह शिया समुदाय के यात्री वाहनों के एक काफिले पर हमले के बाद सशस्त्र झड़पें शुरू हुई हैं। इस हमले में 40 से अधिक लोग मारे गए थे। गुरुवार को लोअर कुर्रम के जलमय, चंद्रेवाल गांवों और तालो कुंज लोगों के के बीच गोलीबारी हुई।

खाइयों पर कब्जाइसके अलावा ऊपरी कुर्रम के घोजघरी में हुई झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई। घोजगाहरी, मातासांगर, मकबल और कुंज अलीजई इलाकों में छिटपुट गोलीबारी जारी रही। ऊपरी कुर्रम में फ्रंटियर कांस्टेबुलरी (116 विंग) के बस्सू कैंप पर भी मोर्टार का एक गोला गिरने से दो जवान घायल हो गए। कल दिन में कुर्रम के उपायुक्त जावेदुल्लाह महसूद, स्थानीय बुजुर्गों और पुलिस ने बालेश खेल और संगीना में युद्धविराम लागू करने के प्रयास में अपने वाहनों पर सफेद झंडे फहराए। हालांकि, लगातार गोलीबारी के कारण युद्धरत पक्षों के कब्जे वाली खाइयों में पुलिसकर्मियों को तैनात करने का

प्रशासन का मंसूबा विफल हो गया।

आती रही गोलियों की आवाजनिचले कुर्रम में सहायक आयुक्त हफीजुर रहमान, पुलिस अधीक्षक जहानजेब, पूर्व एमएनए फखर जमान बंगश, जेयूआई-एफ एमपीए रियाज शाहीन, विंग कमांडर और स्थानीय बुजुर्गों ने खार कलाय और मार्गनाय चीना क्षेत्रों में युद्धविराम लागू करने का प्रयास किया। यह प्रयास भी गोलीबारी को रोकने में विफल रहे। बागान, अलीजई, खार कलाय और बालीचखेल क्षेत्रों में गोलियों की आवाज आती रही।

जिरगा के बाद सौंपे शवकोहाट डिवीजन कमिश्नर, कोहाट, हंगू और ओरकजई जिलों के सदस्यों के नेतृत्व में आयोजित जिरगा में गुरुवार को बातचीत हुई। इस दौरान 30 नवंबर को समाप्त होने वाले सप्ताह भर के युद्ध विराम को अगले 10 दिनों के लिए बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की गई। युद्धविराम समझौते में इस बात पर सहमति बनी कि दोनों पक्ष खाइयों को खाली कर देंगे। दुश्मनी खत्म करने के लिए शवों और बंधकों का आदान-प्रदान भी करेंगे। आधिकारिक रिपोर्ट में कहा गया है कि इसके बाद युद्धरत पक्षों ने बंधकों की अदला-बदली की और शवों को सौंप दिया।

दवाओं की भारी कमी पूर्व एमएनए बंगश सहित स्थानीय बुजुर्गों ने विंग कमांडर और लोअर कुर्रम एसी की उपस्थिति में चार बंधक महिलाओं और एक पुरुष को कुर्रम मिलिशिया (113 विंग) को सौंप दिया। बंधक गोडुर इलाके के थे। उनका अपहरण कर उन्हें सैटेन (लोअर कुर्रम) ले जाया गया था। युद्धरत पक्षों में से एक ने अजीजुल्लाह पुत्र एस्सा खान के शव को जिला प्रशासन को सौंप दिया। बाद में इसे परिजनों को दे दिया गया। कुर्रम जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कैसर अब्बास ने कहा है कि सड़क बंद होने के कारण निचले और ऊपरी कुर्रम में दवाओं की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। इस बीच नेशनल असेंबली के सदस्य हमीद हुसैन ने चेतावनी दी है कि अगर सशस्त्र झड़पों को रोकने के लिए कदम नहीं उठाए गए तो संघर्ष पूरे देश में फैल जाएगा।

300 परिवारों ने किया पलायनअब तक कुर्रम से कई परिवार पलायन कर चुके हैं। करीब 300 परिवारों ने हिंसा और झड़पों के डर की वजह से अपना घर छोड़ दिया है। कुर्रम में शिया और सुन्नी के विवादों के निपटारे के लिए खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री उच्चस्तरीय बैठक कर चुके हैं। दोनों समुदायों के बीच पहले हुए जमीन के बंटवारे और झगड़े को कैसे सुलझाया जाए इस पर भी चर्चा की जा चुकी है। 2023 की जनगणना के मुताबिक, कुर्रम की 7.85 लाख आबादी में से 99 प्रतिशत से अधिक पश्तून हैं। यह तुरी, बंगाश, जैमुश्त, मंगल, मुकबाल, मसूजई और पराचमकनी जनजातियों से जुड़े हुए हैं। इनमें से तुरी और बंगाश के कुछ मुसलमान शिया हैं, बाकी सभी सुन्नी हैं। पाकिस्तान के चुनाव आयोग के सामने 2018 में दी गई एक रिपोर्ट के मुताबिक, कुर्रम में शिया मुसलमान जिले की आबादी का लगभग 45 प्रतिशत हैं। यह पाकिस्तान की कुल आबादी में 10-15 प्रतिशत से ज्यादा हैं।

जमीन विवाद अहम वजह इस इलाके की सीमा अफगानिस्तान से मिलती है। यहां इस लड़ाई में कबीलों के अलावा अलग-अलग लड़ाके भी शामिल हैं।

सोशल मीडिया प्रतिबंध का मकसद बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, नहीं कर पाईं तो कंपनियां होंगी जिम्मेदार : ऑस्ट्रेलियाई पीएम

कैनबरा,29 नवंबर।

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने शुक्रवार को घोषणा की कि सोशल मीडिया कंपनियों की बच्चों की सुरक्षा करने की सामाजिक जिम्मेदारी है, क्योंकि संसद ने 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को उनके प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से प्रतिबंधित करने वाला कानून पारित किया है।

समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, अल्बानीज ने कैनबरा में संवाददाताओं से बात करते हुए कहा कि 16 साल से कम उम्र के किसी भी बच्चे को सोशल मीडिया तक पहुंचने से प्रतिबंधित करने वाला दुनिया का पहला कानून युवा ऑस्ट्रेलियाई बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करेगा।

उन्होंने कहा कि हमारे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्लेटफॉर्म की सामाजिक जिम्मेदारी होगी यही उनकी प्राथमिकता में शामिल होगा।

गुरुवार देर रात सीनेट ने सरकार के कानून के पक्ष में मतदान किया। यह कानून संसद के निचले सदन, प्रतिनिधि सभा में शुक्रवार सुबह प्रक्रियात्मक सत्र में दूसरी बार पारित हुआ, जिससे 12 महीनों में कानून लागू होने का मार्ग प्रशस्त हुआ।

सरकार ने यह निर्दिष्ट नहीं किया है कि नए कानून कैसे लागू किए जाएंगे। कानून के तहत, सोशल मीडिया कंपनियां जो 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों को अपने प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से रोकने के लिए उचित कदम उठाने में विफल रहती हैं, उन्हें 50 मिलियन ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (32.5 मिलियन) तक का जुर्माना भरना पड़ेगा।

अल्बानीज ने शुक्रवार को कहा कि हम यह तर्क नहीं देते कि इसका कार्यान्वयन एकदम सही होगा, ठीक वैसे ही जैसे 18 साल से कम आयु के लोगों के लिए शराब पर प्रतिबंध का मतलब यह नहीं है कि 18 साल से कम आयु के लोगों को कभी भी शराब नहीं मिलेगी, लेकिन हम जानते हैं कि ऐसा करना सही है।

प्रतिबंध के पारित होने पर प्रतिक्रिया देते हुए, मेटा - फेसबुक और इंस्टाग्राम की मूल कंपनी ने कहा कि वह संसद के माध्यम से जिस गति से आगे बढ़ी, उससे चिंतित है।

कंपनी के प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि हम उस प्रक्रिया से चिंतित हैं, जिसमें साक्ष्यों पर उचित रूप से विचार किए बिना, आयु-उपयुक्त अनुभव सुनिश्चित करने के लिए उद्योग पहले से क्या कर रहा है और युवा लोगों की आवाजों पर विचार किए बिना कानून को जल्दबाजी में पारित कर दिया गया।

लेबनान लौट रहे विस्थापित रो पड़ते हैं सूरत-ए-हाल देख

बेरूत , 29 नवंबर (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका और फ्रांस की कोशिशों से लेबनान में बुधवार तड़के चार बजे से प्रभावी युद्ध विराम ने विस्थापन के टीस की चुभन और बढ़ा दी है। संघर्ष विराम के समझौते की डोर में बंधे इजराइल के सुरक्षा बलों और हिजबुल्लाह के आतंकवादियों की मिसाइलों और रॉकेटों का गरजना बंद हो चुका है। अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में इस संघर्ष विराम को असहज कहा गया है। ऐसा इसलिए कि इजराइल ने संघर्ष विराम समझौते की शर्तों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया और उसने आतंकवादियों को पलक झपकते ही हवाई हमला कर उनके मंसूबों को जमींदोज कर दिया। इसके बाद हिजबुल्लाह की तोपखाना शांत हो गया। मगर लेबनान की सेना ने कल इजराइल पर कई बार संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाकर युद्ध की शांत हो चुकी लपटों पर घी छिड़कने का काम किया है। इस बीच लेबनान के लगभग सभी हिस्सों में लोगों ने संघर्ष विराम का स्वागत किया। लोगों को उम्मीद है कि जल्द ही जिंदगी पटरी पर लौटेगी। युद्ध की विभीषिका के बीच अपने घर-द्वार छोड़कर कस्बों और गांवों से भागे लोगों की

वापसी शुरू हो चुकी है। कुछ को तो कोई घर ही नहीं मिला।

कंक्रीट और मुड़ी हुई धातु के ढेर देखकर लोग रो पड़े।लेबनान की सेना ने गुरुवार को कहा कि लोगों की वापसी का मार्ग प्रशस्त करने के लिए बेरूत के बाहर और देश के दक्षिण और पूर्व में हिजबुल्लाह के गढ़ों में सेना भेजी गई है। मगर इजराइल की सेना ने लोगों को चेताया है। उसने कहा है कि सीमा के पास के गांवों में लौटना अभी खतरे से खाली नहीं है।

भूस्खलन

उत्तरी सुमात्रा में हुए भूस्खलन के बाद राहत व बचाव टीम से जुड़े सदस्य संभाहे गांव में अपना काम करते हुए।

राणा फैयाज ने पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव पंजाब विधानसभा सचिवालय को सौंपा

लाहौर , 29 नवंबर (एजेंसियां)।

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) नेता और प्रांतीय विधानसभा (एमपीए) के सदस्य राणा मोहम्मद फैयाज ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। उन्होंने इस आशय का प्रस्ताव पंजाब विधानसभा सचिवालय को सौंपा है। प्रस्ताव में पीटीआई के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है।

पीटीआई को राजनीतिक दल की आड़ में काम करने वाला विघटनकारी समूह करार दिया गया है। प्रस्ताव में यह भी मांग की गई है कि 24 नवंबर की घटनाओं के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कठघरे में लाया जाए।फैयाज राणा के प्रस्ताव में मुल्क की स्थिरता को कमजोर करने में पीटीआई की कथित भूमिका पर विस्तार से चर्चा की गई है। उस पर अराजकतावादी एजेंडे को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया है।

यह प्रस्ताव पीएमएल-एन के गुरुवार को

बलूचिस्तान विधानसभा में पारित एक ऐसे ही प्रस्ताव के बाद पंजाब विधानसभा सचिवालय को सौंपा गया है। बलूचिस्तान विधानसभा के प्रस्ताव में पीटीआई पर न्यायपालिका, मीडिया और अर्थव्यवस्था सहित प्रमुख संस्थानों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया गया। प्रस्ताव में पीटीआई पर प्रतिबंध लगाने और उसके नेतृत्व को उसके कथित कदाचारों के लिए जवाबदेह ठहराने के लिए संघीय हस्तक्षेप का आह्वान किया गया था।

बलूचिस्तान के प्रांतीय मंत्रियों समर्थित प्रस्ताव में पीटीआई पर पिछले साल नौ मई के विरोध प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक और सैन्य संपत्तियों पर हमले सहित हिंसक प्रदर्शन आयोजित करने का आरोप लगाया गया है। साथ ही खैबर पख्तूनख्वा सरकार की संघीय प्राधिकार को चुनौती देने के लिए राज्य मशीनरी के कथित उपयोग की आलोचना की गई है। बलूचिस्तान विधानसभा में विपक्ष ने पीटीआई के साथ दुर्व्यवहार की निंदा करते हुए विरोध स्वरूप वाकआउट किया।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ पीटीआई की हालिया गतिविधियों के लिए उसकी निंदा कर चुके हैं। कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए गुरुवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में प्रधानमंत्री ने भविष्य में अशांति रोकने के लिए पेशेवर दंगा विरोधी बलों की स्थापना का निर्देश दिया।

प्रधानमंत्री ने पीटीआई पर अरबों रुपये का आर्थिक नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कानूनी रास्ता अपनाने के बजाय इस्लामाबाद पर मार्च करके देशभर में अराजकता फैलाने की बार-बार कोशिश की गई।इस्लामाबाद में अधिकारियों ने कहा कि पीटीआई के आंदोलन के दौरान 64 अफगान नागरिकों सहित कुल 1,151 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए अफगान नागरिकों से हथियार, बॉल बेयरिंग और नुकीले हथियार जब्त किए गए। इस बीच पीटीआई नेता सलमान अकरम राजा ने दावा किया कि विरोध प्रदर्शन के दौरान 20 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने उनके इस दावे को खारिज कर दिया।

सीजन की पहली जीत पाने के इरादे से ईस्ट बंगाल से घर पर भिड़ेगी नॉर्थईस्ट यूनाइटेड

कोलकाता, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

ईस्ट बंगाल एफसी अपने घरेलू मैदान युवा भारती क्रीड़ांगन (वीवाईबीके) में नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की मेजबानी करेगी, तो मेजबान टीम का लक्ष्य इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में जीत का स्वाद चखना होगा, जबकि हाईलैंडर्स अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए पूरे तीन अंक बटोरना चाहेंगे।

नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी नौ मैचों में चार जीत, तीन ड्रा और दो हार से 15 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। उन्होंने 21 गोल दागे हैं और सिर्फ 15 गोल खाए हैं। वे पिछले पांच मैचों में एक हारे हैं।

ईस्ट बंगाल एफसी सात मैचों में एक ड्रा और छह हार से केवल एक अंक लेकर 13 टीमों की तालिका में सबसे फिसड्डी टीम बनी हुई है। हालांकि उसने मोहम्मडन एससी के खिलाफ कोलकाता डर्बी में गोलरहित ड्रा अपना पहला अंक बटोरा था और अब वो अपने उत्साही घरेलू दर्शकों के सामने पूरे तीन अंक पाना चाहेंगी।

ईस्ट बंगाल का नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के विरुद्ध सकारात्मक रिकॉर्ड रहा है, जिसमें वो 10 फरवरी, 2024 को अपने सबसे हालिया मुकाबले में 2-3 के अंतर से हारी थी लेकिन उससे पहले वो दो बार जीती और एक ड्रा खेला।

रेड एंड गोल्ड ब्रिगेड ने इस सीजन में अपने मैचों के शुरुआती 15 मिनट में केवल एक गोल खाया। लेकिन, वे इस अवधि में गोल नहीं कर पाए हैं। नॉर्थईस्ट यूनाइटेड ने अपने पिछले चार मुकाबलों में तीन जीत दर्ज की और एक ड्रा खेला। हाईलैंडर्स ने अपने मैचों में औसतन केवल 41प्रतिशत कब्जा रखा है, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने इस सीजन में सबसे ज्यादा 21 गोल किए हैंईस्ट बंगाल के स्पेनिश हेड कोच ऑस्कर ब्रुज़ोन ने भरोसा दिलाया कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी के खिलाफ घरेलू टीम ने अपना होमवर्क ठीक से किया है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि नॉर्थईस्ट यूनाइटेड एफसी की आक्रामक ताकत के सामने हम बेअसर रहेंगे, लेकिन वो अधिक गोल करने की कोशिश करने आ रही हैं। लेकिन हम अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाने की कोशिश करेंगे और मैच जीतेंगे।

न्यूज ब्रीफ

पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्विएटेक ने डोपिंग मामले में एक महीने का निलंबन स्वीकार किया

नई दिल्ली। पांच बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्विएटेक को प्रतिबंधित पदार्थ ट्राइमेटाजिडाइन

(टीएमजेड के नाम से जानी जाने वाली हृदय की दवा) के सेवन के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद एक महीने का निलंबन स्वीकार कर लिया गया है। अंतरराष्ट्रीय टेनिस इंटीग्रिटी एजेंसी (आईटीआईए) ने गुरुवार को उक्त घोषणा की। स्विएटेक अगस्त में प्रतियोगिता से बाहर ड्रग टेस्ट में विफल रही थीं, और आईटीआईए ने उनके स्पष्टीकरण को स्वीकार कर लिया कि परिणाम अनजाने में हुआ था और यह एक गैर-पर्चे वाली दवा, मेलाटोनिन के संदूषण के कारण हुआ था, जिसे स्विएटेक जेट लैग और नींद की समस्याओं के लिए ले रही थीं। आईटीआईए ने कहा कि यह निर्धारित किया गया था कि उनकी गलती का स्तर बिना किसी महत्वपूर्ण गलती या लापरवाही के सीमा के सबसे निचले छोर पर था। पोलैंड की 23 वर्षीय स्विएटेक ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा, यह अनुभव, जो मेरे जीवन का अब तक का सबसे कठिन अनुभव था, ने मुझे बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा, यह पूरी बात निश्चित रूप से मेरे जीवन के बाकी हिस्सों के लिए मेरे साथ रहेगी। इस स्थिति ने मेरा दिल लगभग तोड़ दिया था, जिसके बाद प्रशिक्षण पर वापस लौटने में बहुत समय लगा, इसलिए बहुत सारे आँसू थे और बहुत सारी रातें बिना सोए रहीं। स्विएटेक ने पोलिश भाषा में बात करते हुए कहा, जिसका अंग्रेजी अनुवाद पोस्ट के शीर्ष पर स्क्रॉल किया गया है, इसका सबसे बुरा हिस्सा अनिश्चितता थी। मुझे नहीं पता था कि मेरे करियर के साथ क्या होने वाला है, चीजें कैसे खत्म होंगी या मुझे टेनिस खेलने की अनुमति मिलेगी या नहीं। बता दें कि यह टेनिस में दूसरा हालिया हाई-प्रोफाइल डोपिंग मामला है, इससे पहले शीर्ष रैंक वाले जननिक सिनर, मार्च में स्टेरॉयड के लिए दो परीक्षणों में विफल रहे और अगस्त में यूएस ओपन की शुरुआत से ठीक पहले उन्हें मंजूरी दे दी गई, जिसे उन्होंने सीजन का अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के लिए जीता। सिनर ने कोई प्रतियोगिता नहीं छोड़ी; विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी ने उन्हें दोषमुक्त करने वाले फैसले के खिलाफ अपील की है। स्विएटेक अप्रैल 2022 में पहली बार डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर 1 पर पहुंचीं और तब से वह ज्यादातर समय वहीं रहीं, लेकिन अक्टूबर में आर्यना सबालेंका से आगे निकलने के बाद अब वह नंबर 2 पर हैं। स्विएटेक ने जून में फ्रेंच ओपन जीता और वहां अपना चौथा खिताब और कुल मिलाकर पांचवीं मेजर चैंपियनशिप जीती, फिर अगस्त की शुरुआत में पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता।स्विएटेक ने बुधवार को औपचारिक रूप से एंटी-डोपिंग नियम के उल्लंघन को स्वीकार किया और अपना दंड स्वीकार कर लिया। टीएमजेड 23 चीनी तैराकों से जुड़े मामले के केंद्र में दवा है, जो 2021 में प्रदर्शन बढ़ाने वाले पदार्थों के लिए सकारात्मक परीक्षण के बावजूद पात्र बने रहे। स्विएटेक ने कहा कि वह अपने परीक्षण के परिणाम से हैरान थीं और उन्होंने टीएमजेड के बारे में कभी नहीं सुना था। उन्होंने कहा कि वह लंबे समय से मेलाटोनिन का उपयोग कर रही हैं, और आगे कहा कि मेरी सारी यात्राएं, जेट लैग और काम से संबंधित तनाव का मतलब है कि कभी-कभी इसके बिना, मैं सो नहीं पाती।

विराट के फार्म में ऑस्ट्रेलिया को हुआ नुकसान, हार सकती है सीरीज

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलेन बॉर्डर ने कहा है कि पर्थ में पहले टेस्ट के दौरान विराट कोहली ने जिस प्रकार से शतक लगाया है उससे वह फार्म में आ गये हैं। बॉर्डर के अनुसार विराट इसी प्रकार खेलते रहे तो मेजबान टीम के हाथों से सीरीज निकल जाएगी। बॉर्डर ने कहा कि हमारे गेंदबाजों ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जिसके कारण ही विराट को फार्म में आने का अवसर मिला है। कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में फॉर्म में लौटे और नाबाद 100 रन बनाए जबकि वह पिछले काफी समय से रन नहीं बना पा रहे थे। भारतीय टीम ने पहला टेस्ट शानदार तरीके से जीता। बॉर्डर ने कहा, 'जिस तरह से उन्होंने कोहली को शतक बनाने दिया, मैं बहुत निराश हूं। हम नहीं चाहते कि पूरी सीरीज में विराट इस तरह से खेलें। बॉर्डर ने कप्तान पैट कमिंस की कप्तानी पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में संघर्ष करते नजर आए कोहली को उन्होंने फॉर्म मे लौटने का अवसर दिया। वहीं पूर्व सलामी बल्लेबाजी मैथ्यू हेडन ने भी कमिंस की जमकर आलोचना की। हेडन ने कहा, 'विराट को उसकी पारी की शुरुआत में ही आउट करना चाहिए था जिसमें टीम असफल रही। क्षेत्ररक्षण भी सही तरीके से नहीं लगा। इससे भी विराट को खुलकर खेलने का अवसर मिल जबकि शुरुआत में वह दबाव में थे।

विदेश मंत्रालय की दो टूक कहा

सुरक्षा वजहों से भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं जाएगी

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्रालय ने भी अब पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के लिए पाकिस्तान की यात्रा नहीं करेगी। विदेश मंत्रालय ने अपने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में अगले साल होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान जाने पर बीसीसीआई के रुख को दोहराया।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, बीसीसीआई ने एक बयान जारी किया है। उन्होंने कहा है कि वहां सुरक्षा चिंताएं हैं और इसलिए ऐसी संभावना नहीं है कि टीम वहां जाएगी। पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली बहुप्रतीक्षित चैंपियंस ट्रॉफी 2025 पर अनिश्चितता के बादल छाए हुए हैं। आईसीसी ने सदस्य देशों की 29 नवंबर को बैठक बुलाई है। इसी दिन टूर्नामेंट के भविष्य पर फैसला होगा।

दोनों देशों के बीच तनावपूर्ण राजनीतिक संबंधों के कारण भारत ने 2008 के बाद से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। पिछली बार भारत ने एशिया कप के लिए पाकिस्तान का दौरा किया था। दोनों चिर प्रतिद्वंद्वियों ने पिछली द्विपक्षीय सीरीज 2012-13 में खेली थी जिसमें सीमित ओवरों के मैच खेले गए थे। उसके बाद से भारत और पाकिस्तान मुख्य रूप से सिर्फ आईसीसी टूर्नामेंट या फिर एशिया कप में एक-दूसरे का सामना करते हैं।

शुक्रवार को आईसीसी की बैठक भी हुई। इसमें 12 पूर्ण सदस्य देशों के प्रतिनिधियों, एसोसिएट देशों के तीन, एक स्वतंत्र निदेशक के अलावा आईसीसी चेयरमैन और सीईओ ने हिस्सा लिया। पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी पर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष और कांग्रेस नेता राजीव शुक्ला का भी

बयान आया है। उन्होंने कहा, हमारी चर्चा जारी है। स्थिति को देखने के बाद फैसला लिया जाएगा। हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता खिलाड़ियों की सुरक्षा है। हाइब्रिड मोड भी एक विकल्प है। हालांकि, पाकिस्तान हाइब्रिड मॉडल में टूर्नामेंट कराने को तैयार नहीं है। पिछले साल एशिया कप भी इसी तरीके से खेला गया था। भारत के मैच किसी तटस्थ देश में खेले गए थे, जबकि बाकी मैच पाकिस्तान में खेले गए। अगर सहमति नहीं बनी तो आईसीसी पीसीबी से मेजबानी का हक भी छीन सकता है। ऐसे में सभी को काफी नुकसान होगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आईसीसी की बैठक में कोई सहमति नहीं बनी और अब शनिवार को भी आईसीसी बैठक करेगा।

बैठक से पहले पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा, यह संभव नहीं है कि हर बार पाकिस्तान हर टूर्नामेंट के लिए भारत जाकर खेलता रहे और भारतीय अधिकारी अपनी टीम को पाकिस्तान में खेलने के लिए भेजने से इनकार कर दें। हमारे यहां ऐसी असमान स्थिति नहीं हो सकती। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ इतना आश्वासन दे सकता हूं कि बैठक में जो भी होगा, लेकिन हम अच्छी खबर और फैसले लेकर आएंगे जिन्हें हमारे लोग स्वीकार करेंगे। नकवी ने उम्मीद जताई कि पांच दिसंबर को आईसीसी चेयरमैन का पद संभालने वाले जय शाह विश्व क्रिकेट और सभी सदस्य बोर्डों के हित में फैसले लेंगे। उन्होंने कहा, जय शाह दिसंबर में कार्यभार संभालेंगे और मुझे यकीन है कि एक बार जब वह बीसीसीआई से आईसीसी में चले जाएंगे, तो वह आईसीसी के लाभ के बारे में सोचेंगे और यही उन्हें करना चाहिए।

उन्होंने कहा, जब भी कोई ऐसी भूमिका निभाता है तो उसे केवल उस संगठन के हितों पर विचार करना चाहिए। ऐसी खबरें थीं कि पाकिस्तान को हाइब्रिड मॉडल को स्वीकार करने के लिए अतिरिक्त वित्तीय प्रोत्साहन की पेशकश की गई थी, लेकिन नकवी इस पर अड़े रहे। नकवी ने कहा कि ऐसे सभी फैसलों और आईसीसी बैठक के नतीजों से पाकिस्तान सरकार को अवगत कराया जाएगा, जो अंतिम फैसला लेगी।

इस बीच पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा कि चैंपियंस ट्रॉफी का आयोजन भारत के बिना नहीं हो सकता। उन्होंने भारत सरकार के राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को सुरक्षा और राजनीतिक तनाव के कारण पाकिस्तान नहीं भेजने के फैसले का समर्थन किया। उन्होंने कहा- भारत की पाकिस्तान यात्रा बीसीसीआई नहीं बल्कि भारत सरकार द्वारा तय की जाती है। अगर उन्होंने पाकिस्तान की यात्रा नहीं करने का फैसला किया है तो यह पूरी तरह से सही है। जहां कहीं भी यह (चैंपियंस ट्रॉफी) खेली जाएगी, वह भारत के बिना नहीं हो सकती। सच्चाई यह है कि आईसीसी का टूर्नामेंट भारत के बिना नहीं हो सकता। हमें पता चल जाएगा कि यह कहां खेला जाएगा और भारत सरकार द्वारा लिया गया निर्णय बिल्कुल सही है।

महिला प्रीमियर लीग के लिए 15 दिसंबर को होगी छोटी नीलामी

मुंबई, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीसीआई) के अनुसार महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 सत्र के लिए छोटी नीलामी 15 दिसंबर को बेंगलुरु में होगी। इसमें टीम बनाने के लिए सभी पांचों फ्रैंचाइजी के पास 15 करोड़ रूपये का बजट रहेगा।

छोटी नीलामी में उतरने वाली दिग्गज विदेशी खिलाड़ियों में इंग्लैंड की कप्तान हेदर नाइट, न्यूजीलैंड की तेज गेंदबाज लिया ताहुहु, वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन जैसी खिलाड़ी शामिल हैं। वहीं भारतीय खिलाड़ियों में स्नेह राणा, लेग स्पिनर पूनम यादव और बल्लेबाज वेदा कृष्णमूर्ति रहेंगी। पिछले दो सत्र से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी मेग लैनिंग के पास है पर इनकी टीम के पास सबसे कम 2.5 करोड़ का बजट है। वहीं गुजरात जायंट्स ने सबसे अधिक सात खिलाड़ी बाहर किये हैं ऐसे में उसके पास सबसे अधिक 4.4 करोड़ रुपए बचे हैं। इसलिए वह कई खिलाड़ी खरीद सकती है। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पास स्मृति मांधना और सोफी डिवाइन जैसी खिलाड़ी हैं। आरसीबी के पास 3.25 करोड़ का पर्स है। नवंबर की शुरुआत में प्री-सीजन ट्रेड विंडो के जरिये डैनी व्याट ही एक मात्र खिलाड़ी रही जो ट्रांसफर हुई। आरसीबी ने उनको यूपी वारियर्स से लिया। वह पिछले सत्र में यूपी वारियर्स में कोई खास प्रदर्शन नहीं कर पायी थी। डब्ल्यूपीएल का तीसरा सत्र फरवरी-मार्च 2025 में खेला जाएगा।

श्रीलंका के खिलाफ चल रहे टेस्ट सीरीज से बाहर हुए वियान मुल्डर

नई दिल्ली, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

दक्षिण अफ्रीका की टीम डरबन में श्रीलंका के खिलाफ चल रहे पहले टेस्ट मैच के बाकी बचे समय के साथ-साथ गेकेबरहा में होने वाले अगले मैच में भी वियान मुल्डर के बिना खेलेगी, क्योंकि इस ऑलराउंडर के दाहिने हाथ की मध्यमा अंगुली में फ्रैक्चर हो गया है।

क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने 5 दिसंबर से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच के लिए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्ज़के को मुल्डर की जगह टीम में शामिल किया है। 24 वर्षीय इस खिलाड़ी ने पिछले महीने बांग्लादेश के खिलाफ मीरपुर में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

डरबन में पहले टेस्ट के दूसरे दिन बल्लेबाजी करते समय लाहिरू कुमारा की 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से आई गेंद से मुल्डर को हाथ में चोट लग गई थी। मुल्डर को काफी दर्द हो रहा था और उन्हें फिर से बल्लेबाजी करने में कुछ समय लगा। लेकिन उन्होंने दर्द के कारण मैदान से बाहर जाने से पहले सिर्फ दो और गेंदों का सामना किया।

उसी सत्र में, जब दक्षिण अफ्रीका के 145 रन पर नौ विकेट गिर चुके थे, तब वे फिर से बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने और कागिसो रबाडा ने अंतिम विकेट के लिए 26 रन जोड़े, जिसमें मुल्डर ने धनंजय डी सिल्वा की गेंद पर छक्का भी लगाया। लंच ब्रेक के दौरान लिए गए एक्स-रे से पता चला कि चोट कितनी गंभीर है, जिसके कारण अब वे आगे नहीं खेल पाएंगे।

पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 भारत ने जापान को 3-2 से हराया

मस्कट, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम ने गुरुवार रात मस्कट, ओमान में जापान के खिलाफ अपने दूसरे पुरुष जूनियर एशिया कप 2024 मैच में 3-2 से कड़ी जीत दर्ज की। थोकचोम किंगसन सिंह (12) ने भारत के लिए खाता खोला, लेकिन जापान के नियो सातो (15, 38) ने जल्द ही गोल करके बराबरी हासिल कर ली। दूसरे हाफ में रोहित (36) ने भारत को बढ़त दिलाई, लेकिन नियो सातो ने फिर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। अरिजीत सिंह हुंडल (39) ने तीसरे क्वार्टर के अंत में फिर से भारत के लिए बढ़त हासिल की और भारत ने एक गोल की बढ़त को बरकरार रखते हुए अपनी जीत सुनिश्चित की।

दोनों टीमें शुरुआती सीटी से ही क्षेत्र के लिए एक दूसरे से भिड़ती रहीं, जिसके कारण खेल के तीन मिनट बाद जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, हालांकि बिक्रमजीत सिंह सतर्क रहे

और अपने गोल पर किसी भी तरह के खतरे को टाल दिया। जापान द्वारा उच्च दबाव का इस्तेमाल करने के बावजूद, भारत ने चतुर हवाई गेंदों और शानदार कौशल के साथ इसे कुशलता से पार कर लिया।

दोनों टीमों ने सार्थक कब्जे के लिए संघर्ष किया, और दिलराज सिंह ने पहले क्वार्टर में तीन मिनट शेष रहते भारत के लिए पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया, जिसे थोकचोम किंगसन सिंह ने गोल में बदलकर भारत को बढ़त दिला दी।

हालांकि, पहले क्वार्टर के अंतिम मिनट में जापान ने पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किया और नियो सातो ने भारतीय रक्षा को पार करते हुए ड्रैग फ्लिक के साथ बराबरी हासिल की। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में, भारत ने मनमीत सिंह के साथ दो मिनट के भीतर दो बार गोलकीपर को परखने के साथ बढ़त हासिल करने का प्रयास किया, हालांकि, किशो कुरोदा दोनों मौकों पर गोल बचाने में कामयाब रहे। दोनों टीमों ने एक दूसरे पर वार किया लेकिन कोई स्पष्ट मौका नहीं मिला जब तक कि क्वार्टर में छह मिनट शेष रहते जापान को पेनल्टी कॉर्नर नहीं मिला।

भारत के पहले रशर रोहित ने जापान को इस अवसर का फायदा न उठाने देने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी। क्वार्टर में दो मिनट शेष रहते जापानी फॉरवर्ड ने दो पेनल्टी कॉर्नर अर्जित किए। हालांकि, भारत ने हार नहीं मानी और अपने पेनल्टी कॉर्नर से जवाब दिया लेकिन जापान ने बेहतरीन बचाव किया, जिससे पहला हाफ 1-1 से बराबरी पर समाप्त हुआ। तीसरे क्वार्टर की शुरुआत भी कुछ इसी तरह हुई और जापान ने चार मिनट के आसपास दो पेनल्टी कॉर्नर बनाए।

एडिलेड इंटरनेशनल टेनिस टूर्नामेंट में मुख्य आकर्षण होंगे फेलिक्स, पाओलिनी, नवारो

एडिलेड, 29 नवंबर (एजेंसियां)।

फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे, जैस्मीन पाओलिनी उन बड़े सितारों में शामिल हैं, जो एटीपी 250 इवेंट एडिलेड इंटरनेशनल में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं, टूर्नामेंट निदेशक एलिसिया मोलिक 6 से 11 जनवरी 2025 तक होने वाले टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाले खिलाड़ियों की पुष्टि की।

फेलिक्स (पूर्व विश्व नंबर 6) और डब्ल्यूटीए की शीर्ष 10 रैंकिंग वाली खिलाड़ियों में से दो जैस्मीन पाओलिनी, एम्मा नवारो, साथ ही दुनिया की नंबर 13 डायना श्नाइडर अगले साल की शुरुआत में एडिलेड में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

इनके अलावा पुरुष वर्ग में 2022 के चैंपियन थानासी कोकिनाकिस, विश्व नंबर 12 टॉमी पॉल, विश्व नंबर 22 सेबेस्टियन कोर्डा और जेसिका पेगुला और बारबोरा क्रेजिकोवा भी टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगे।

मोलिक ने कहा, अब तक हमने जिन

प्रतिभाओं को प्रतिस्पर्धा के लिए चुना है, वे असाधारण हैं और हमें विश्वास है कि प्रशंसकों को कुछ शानदार मैच देखने को मिलेंगे। इनमें से प्रत्येक खिलाड़ी कोर्ट में कुछ अनूठा लेकर आता है और हम उन्हें द ड्राइव में प्रतिस्पर्धा करते देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।

उन्होंने कहा, फेलिक्स ने खुद को एटीपी टूर पर सबसे रोमांचक और प्रतिस्पर्धी युवा खिलाड़ियों में से एक साबित किया है और एडिलेड में उनकी मौजूदगी निश्चित रूप से इस आयोजन के रोमांच को बढ़ाएगी। जैस्मीन इस साल विंबलडन में एकल फाइनलिस्ट थीं और उन्होंने अपना सीजन शुरू करने के लिए 2024 दुबई ड्यूटी फ्री टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीता। और एम्मा देखने लायक सबसे रोमांचक युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। हमें उम्मीद है कि वह एक मजबूत दावेदार होंगी।

ऑगर-अलियासिमे ने 2022 में रॉटरडैम ओपन में अपना पहला एटीपी टूर खिताब जीता, जो उनके करियर का एक बड़ा मील का पत्थर है। कनाडाई खिलाड़ी लगातार ग्रैंड स्लैम के दूसरे सप्ताह तक पहुँचते रहे हैं, उनका सर्वश्रेष्ठ परिणाम 2021 में यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुँचना रहा है।

दुनिया की नंबर 4 पाओलिनी अपनी प्रतिस्पर्धी भावना को दुनिया की नंबर 8 और अमेरिकी टेनिस के उभरते सितारों में से एक नवारो के साथ लेकर आएंगी।

2024 होबार्ट इंटरनेशनल में सम्मान पाने वाली नवारो ने अपने करियर में बहुत प्रगति की है, और उनका दमदार खेल निश्चित रूप से प्रभाव डालेगा।

पॉल, जो एटीपी रैंकिंग में नंबर 12 के करियर के उच्चतम स्थान पर हैं, ने 2024 में तीन खिताब जीतकर अपने सबसे सफल सत्र का आनंद लिया है। 2020 में सेमीफाइनल में पहुंचने के बाद, अमेरिकी वापस आ गए हैं और 6-11 जनवरी तक होने वाले टूर्नामेंट में ऑगर-अलियासिमे के साथ खचाखच भरे मैदान में शामिल होंगे।

2022 के चैंपियन थानासी कोकिनाकिस, साथ ही दुनिया के नंबर 22 सेबेस्टियन कोर्डा भी द ड्राइव में प्रतिस्पर्धा करेंगे।

एयर इंडिया की ब्लैक फ्राइडे सेल: हवाई टिकट में मिलेगी छूट

नई दिल्ली,29 नवंबर (एजेंसियां)।

एयर इंडिया ने शुक्रवार को ब्लैक फ्राइडे सेल शुरू की है, जिसमें यात्रियों को बड़ी छूट दी जा रही है। इस सेल के तहत घरेलू उड़ानों के लिए 20 फीसदी तक की छूट और इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए 12 फीसदी तक की छूट पेशकश की जा रही है। यह ऑफर 2 दिसंबर तक है। इस ब्लैक फ्राइडे सेल के तहत

एयर इंडिया का ऑफर 2 दिसंबर तक

यूपीआई या इंटरनेट बैंकिंग के जरिए भुगतान करने पर यात्रियों को अतिरिक्त छूट भी मिल रही है।

घरेलू उड़ानों पर 400 रुपये और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 1200 रुपये तक की बचत के साथ सभी बुकिंगों के लिए कन्वीनियंस शुल्क भी माफ किया जाएगा।

इस ऑफर का उपयोग करने के लिए यात्री एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जा सकते हैं। कंपनी ने सीटों की संख्या में सीमाएं बताई हैं, इसलिए जल्दी करें और इस मौके का फायदा उठाएं।

एयर इंडिया की इस ब्लैक फ्राइडे सेल में स्टूडेंट्स और सीनियर सिटीजन्स के लिए भी विशेष छूट का एलान किया गया है।

स्टूडेंट्स 25 फीसदी और सीनियर सिटीजन्स 50 फीसदी तक की छूट पा सकते हैं। इस ब्लैक फ्राइडे सेल के दौरान एयर इंडिया ने यात्रियों को हवाई टिकट में सबसे कम कीमत पर यात्रा करने का मौका दिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

हैदराबाद की...

वो मानते हैं जवान या वर्जिन लड़कियों के साथ संबंध बनाकर उनकी जवानी लौट आएगी। कई शेख तो नब्ज देखकर आंकते हैं कि लड़की वर्जिन है या नहीं। मुताह निकाह में लड़की का बालिग होना एक शर्त होती है, मगर बालिग होने का अर्थ 18 साल की उम्र पार करना नहीं, बल्कि लड़की का रजस्वला होना माना जाता है। अब ये उम्र 13 भी हो सकती है और 15 भी।

हैदराबाद में कई घर हैं जो मुताह निकाह के बूते अपना घर चला रहे हैं। वो लड़कियों को कम उम्र में बेचते हैं और फिर घर चलाते हैं। हैदराबाद के बारकस इलाके के 100 घरों में से 33 घर में ये शेख मैरेज हुई और अब भी ये सिलसिला जारी है। अजीब बात ये है कि इस मुताह निकाह को इस्लामी स्कॉलर एक तरह की लिबर्टी मानते हैं। जैसे अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में शिया थियोलॉजी के एक्सपर्ट डॉ. अब्बास कहते हैं कि अगर किसी को स्थायी रिश्ते में जाने से पहले पार्टनर को परखना है तो मुताह एक तरीका हो सकता है। वशर्ते इसमें दोनों की सहमति हो।

गौरतलब है कि इससे पहले मुताह निकाह का शिकार हुआ दो लड़कियों का मामला उजागर हुआ था जिन्हें एक शेख गर्भवती करके अपने देश चला गया था। बाद में उन बच्चियों को बच्चा जन्म देना पड़ा था। शेखों को हैदराबाद के ब्रोकर 25 से 50 हजार रुपए में बच्चियां मुहैया करवा देते हैं। परेड कराकर लड़कियों को चुना जाता है। उनका शरीर नापा जाता है और फिर निकाह कराकर लड़कियां उन्हें इस्तेमाल के लिए दे दी जाती हैं। इसके अलावा रिपोर्ट में उन हैदराबादी आंटियों के बारे में भी बताया था जो अरब देशों में रहकर लड़कियों का शोषण करवाने में शेखों की मदद करती हैं या फिर हैदराबाद में रहकर लड़कियों की जानकारी मुहैया कराती हैं। उन जानकारियों पर अरब मुल्क के अमीर शेख हैदराबाद आते हैं, रकम देकर छोटी लड़कियों (वर्जिन) से कुछ समय के लिए निकाह करते हैं और फिर उनके साथ कुछ दिन गुजार कर चले जाते हैं।

शबाना (बदला नाम) नाम की एक लड़की का मसला सामने आया है जिसका निकाह शेख से कर दिया गया था। शबाना के लिए वह शेख अंकल था, लेकिन अंकल की नजर उस पर लगी थी। शेख अंकल उसके घर आते, उसे गोद में बिठाते, उसे दुलार करते और चले जाते। यह सिलसिला कई दिन चला और फिर एक दिन दोनों का निकाह हो गया। शबाना की बिदाई लंबी गाड़ी में हुई और उसे होटल लेकर जाया गया। यहां वही शेख अंकल उसके साथ 15 दिन रहे।

शुरू में शबाना ने रो-रोकर अपना विरोध जताया, मगर फिर जब अम्मी-अब्बू-फुफ्फू किसी ने उसकी नहीं सुनी तो वो भी शेख के साथ 15 दिन कमरे में रही। जब लौटी तो हालत खराब थी। पेट में दर्द और उल्टियां रुकती नहीं थीं। शुरू में लगा पेट गड़बड़ है मगर फिर अम्मी-खाला को ज्यादा समय नहीं लगा यह समझने में कि शबाना गर्भवती है। उसका गर्भ गिराने की कोशिशें हुईं लेकिन स्थिति तब तक हाथ से निकल गई थीं। गर्भपात करवाने पर शबाना की जान को भी खतरा था इसलिए घरवाले उसे लेकर लौटे और एक कमरे में बंद कर दिया। उसे धमकी दी गई कि अब से वो न स्कूल जाएगी न बाहर। शबाना ने इसके बाद एक बच्ची को जन्म दिया। घरवालों ने सोचा कि वो इस बच्ची को यतीमखाने भेजें। हालांकि शबाना के भाई-भाभी ने इससे मना कर दिया और उन्होंने वह बच्ची गोद ले ली। अब वो बच्ची शबाना को बाजी कहती है। शबाना चाहकर भी उसे अपनी बेटी नहीं कह पाती क्योंकि अब्बू मजहबी किस्म के हैं और वो नहीं चाहते कि किसी को इस बारे में पता हो।

एक ऐसी महिला का भी मामला सामने आया है जिसने अपनी बड़ी बेटी को शेख के हाथ बेचा और बाद में खुद पांच मंजिला घर में आराम से रहती मिली। उनका मकसद अब आगे छोटी बेटी का निकाह भी इसी तरह से करवाने का है। एक ऐसी लड़की भी मिली है जिसे एक शेख से निकाह करने के नाम पर ठगा गया और केवल उसका शारीरिक शोषण नहीं हुआ, उसे नौकरानी बनाकर रखा गया। बाद में जब शेख अमेरिका गया तो शेख के बेटे उसका शोषण करने लगे। लड़की जान बचाने के चक्कर में तीसरी मंजिल से जमीन पर गिरी और अब उसके पांव में रॉड डली हुई है, शरीर में बड़ा गड्ढा है।

अजीब बात ये है कि मुताह निकाह हैदराबाद के कई इलाकों मसलन शाहीन नगर, हसन नगर, याकूब पुरी, बारकास, चारमीनार और वट्टापल्ली में आम है, लेकिन लोगों को ये गुनाह नहीं लगता। स्थानीय महिलाएं, होटल के लोग, ब्रोकर-एजेंट सब मिलकर बड़े ही शातिर ढंग से इस कारोबार को संचालित कर रहे हैं। ब्रोकर 50-50 हजार रुपए में लड़कियों का सौदा करते हैं और शेखों को बेचते हैं। ये एजेंट पहले से ही जानते हैं कि कौन से परिवार की लड़कियां इस प्रकार के निकाह के लिए उपलब्ध हैं और किसे अधिक पैसे की आवश्यकता है। इसके बाद ये गल्फ मुल्कों के शेखों से संपर्क में आते हैं, उन्हें मेडिकल वीजा पर भारत बुलाया जाता है, लड़कियों की ब्यूटी पार्लर या घर में परेड होती है और फिर शेख अपने लिए लड़की चुनता है और बाद में निकाह कराया जाता है। बताया जाता है कि इस तरह के निकाह करने पहले केवल अरब के अमीर शेखों के आने का चलन था, मगर अब सूडान और सोमालिया से भी मुस्लिम नागरिक आते हैं जो कम पैसों में ही इस तरह कॉन्ट्रैक्ट निकाह करते हैं।

मुताह निकाह का चलन हैदराबाद में इतना चल निकला है कि अब इन्हें करने के लिए किसी स्थान की जरूरत नहीं पड़ती बल्कि इसे व्हॉट्सएप पर ही करवा दिया जाता है। ऐसे 20-30 निकाह हर महीने होते हैं। इसके बाद दुल्हनों को टूरिस्ट वीजा पर उनके शौहरों के पास भेज दिया जाता है। फिर वहां न केवल लड़कियों का शोषण होता है, बल्कि उन्हें मारा पीटा जाता है, उन्हें नौकर बनाकर भी रखा जाता है। तमाम लड़कियां इसकी शिकार हो रही हैं। कुछ को इस्तेमाल करके छोड़ दिया गया तो कुछ को गल्फ मुल्कों में ले जाकर जिंदगी बर्बाद कर दी गई। कभी वो सेक्स स्लेव बनकर जीवन गुजारती हैं तो कभी खदीमा के तौर पर काम करती हैं। लड़कियों का कोई निश्चित ठिकाना नहीं रह जाता। उनका केवल गुलामों की तरह इस्तेमाल होता है और साथ में ध्यान रखा जाता है कि शेखों के साथ हुए निकाह से बच्चे न हों क्योंकि ऐसा होने पर खर्चा ज्यादा होता है।

अल्पसंख्यकों की...

जहां तक चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी का सवाल है, हमने उस पर अपना बयान दे दिया है। व्यक्तियों के खिलाफ मामले और कानूनी प्रक्रियाएं चल रही हैं। हम उम्मीद करते हैं कि इन प्रक्रियाओं को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से निपटाया जाएगा, जिससे इन व्यक्तियों और संबंधित सभी लोगों के लिए पूर्ण सम्मान सुनिश्चित किया जा सके।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू, जो 170 मिलियन की आबादी का केवल 8 प्रतिशत हिस्सा हैं। 5 अगस्त को शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद से 50 से अधिक जिलों में 200 से अधिक हमलों का सामना किया है। इस सप्ताह हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को राजद्रोह के मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद हालात और भी बदतर हो गए। बाद में उन्हें एक कोर्ट ने जमानत देने से इनकार कर दिया, जिसके बाद राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया। भारत ने मंगलवार को दास की गिरफ्तारी और जमानत देने से इनकार करने पर गहरी चिंता व्यक्त की और पड़ोसी देश के अधिकारियों से हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समूहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

विदेश मंत्रालय ने साफ-साफ कहा, हम बांग्लादेश में कट्टरपंथी भाषा के बढ़ते इस्तेमाल, हिंसा की बढ़ती घटनाओं और उकसावे के मामलों पर चिंता व्यक्त करते हैं। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने शुक्रवार को कहा कि भारत बांग्लादेश सरकार के सामने लगातार मजबूती से यह मुद्दा उठा रहा है कि वहां के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यकों को धमकियों और लक्षित हमलों का सामना करना पड़ रहा है। मंत्रालय ने कहा कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार को अपने सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, भारत से बांग्लादेश को वस्तुओं की आपूर्ति बिना रुकावट के जारी है और दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार लगातार जारी है। भारतीय क्रिकेट टीम के पाकिस्तान दौरे के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा, बीसीसीआई ने एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि वहां सुरक्षा को लेकर चिंताएं हैं। इसलिए इसकी संभावना कम है कि भारतीय टीम वहां जाएगी।

इस्कॉन से जुड़े ...

मंगलवार को चटगांव की एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार किया और जेल भेज दिया। दास समर्थकों और सुरक्षाकर्मियों के बीच झड़प में एक वकील की मौत हुई। चिन्मय बांग्लादेश में पहले अंतरराष्ट्रीय कृष्ण चेतना सोसायटी (इस्कॉन) के प्रवक्ता रह चुके हैं।

इससे पहले, बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा और चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर भारत सरकार ने भी चिंता जताई। विदेश मंत्रालय ने कहा था, हमने बांग्लादेश सम्मिलित सनातनी जोत के प्रवक्ता चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी और जमानत न दिए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की है। यह घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर कई हमलों के बाद हुई है। हम बांग्लादेश के अधिकारियों से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह करते हैं, जिसमें शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उनका अधिकार भी शामिल है। वहीं, बांग्लादेश ने भारत के बयान को खारिज करते हुए कहा था, इस तरह के निराधार बयान न केवल तथ्यों को गलत तरीके से पेश करते हैं, बल्कि दोनों पड़ोसी देशों के बीच दोस्ती और समझ की भावना के विपरीत भी हैं।

गिरफ्तार किए गए हिंदू संत चिन्मय कृष्ण दास के 2 और सहायकों को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। यह दोनों चिन्मय कृष्ण दास को खाना देने गए थे। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर यूनुस सरकार को लताड़ा है। वहीं इस बीच इस्कॉन को बैन करवाने के लिए बांग्लादेश की इस्लामी पार्टियों ने जोर लगाया हुआ है। उन्होंने इस्कॉन को एक कट्टरपंथी संगठन करार दिया है।

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी की आलोचना की है। शेख हसीना ने कहा है कि चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी अवैध है और उन्हें तुरंत ही छोड़ा जाना चाहिए। उन्होंने यूनुस सरकार पर प्रश्न उठाए। शेख हसीना ने कहा, सनातन धर्म के एक बड़े नेता को गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है, उन्हें तुरंत रिहा किया जाना चाहिए। शेख हसीना ने कहा, चटगांव में एक मंदिर को जला दिया गया है। इससे पहले अहमदिया समुदाय की मस्जिदों, दरगाहों, चर्चों, मठों और घरों पर हमला किया गया, तोड़फोड़ की गई, लूटपाट की गई और आग लगा दी गई। शेख हसीना ने यूनुस सरकार को सत्ता हथियाने वाला बताया। दूसरी तरफ, बांग्लादेश हाईकोर्ट ने इस्कॉन पर बैन लगाने की मांग करने वाली याचिका खारिज कर दी है।

हार से बिलबिलाए...

इनका मकसद सिर्फ यही है कि किसी तरह देश की जनता को गुमराह करके सत्ता पर कब्जा किया जाए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि विपक्षी दल दिन-रात भाजपा के बारे में गलत सूचना फैलाते रहते हैं। लेकिन जनता खुद भाजपा को आशीर्वाद देने के लिए मैदान में आती है। चुनाव से कुछ महीने पहले बड़े-बड़े राजनीतिक विशेषज्ञ ओड़ीशा में भाजपा को पूरी तरह से खारिज कर रहे थे। लेकिन जब नतीजे आए तो सभी हैरान रह गए। क्योंकि ओड़ीशा के लोगों के लिए भाजपा की केंद्र सरकार के कार्य और दिल्ली में बैठे हुए भी ओड़ीशा के लोगों के साथ अपनापन का जो नाता रहा, वो ओड़ीशा के घर-घर पहुंच चुका था।

पीएम ने कहा कि पहले ओड़ीशा, फिर हरियाणा, अब महाराष्ट्र। यही भाजपा की विशेषता है। यह भाजपा कार्यकर्ताओं का सामर्थ्य है। महाराष्ट्र चुनाव, हरियाणा चुनाव और देशभर में हुए उपचुनाव के नतीजों ने पूरे देश में जो विश्वास भर दिया है, वो मुझे आपकी आंखों नजर आ रहा है। उन्होंने कहा कि पांच दिन पहले मुझे दिल्ली में ओड़ीशा पर्व के शानदार समारोह में शामिल होने का अवसर मिला था। ओड़ीशा पर्व में उड़िया विरासत और गौरव के वो भव्य दर्शन, ओड़ीशा के लोगों का स्नेह और अपनापन मेरे लिए बहुत ही यादगार पल हैं।

प्रधानमंत्री बोले कि आज केंद्र की भाजपा सरकार ओड़ीशा के गौरव को और ओड़ीशा को बड़ी प्राथमिकता दे रही है। ओड़ीशा में हमारी सरकार बनते ही माताओं-बहनों के लिए कई बड़े कदम उठाए गए हैं। हमने सुभद्रा योजना शुरु की। ये योजना महिला सशक्तिकरण की पहचान बनेगी। मुझे खुशी है कि भाजपा के प्रयासों से ओड़ीशा की आदिवासी बेटी द्रौपदी मुर्मू जी आज देश की राष्ट्रपति हैं। इससे पूरे देश के आदिवासी समाज का गौरव बढ़ा है। मुर्मू जी के देश के सर्वोच्च पद पर आसीन होने से हर वर्ग की बेटियों में आत्मविश्वास बढ़ा है। एक आदिवासी बेटी की ये यात्रा आने वाली कई पीढ़ियों तक प्रेरित करेगी।

अंतरिक्ष में जाने...

शुक्ला एक फाइटर कॉम्बैट लीडर और एक टेस्ट पायलट हैं, जिनके पास लगभग 2,000 घंटे की उड़ान का अनुभव है। सुखोई-30एमकेआई, मिग-21, मिग-29, एएन-32, डोर्नियर, हॉक और जगुआर कुछ ऐसे विमान हैं जिन्हें शुक्ला ने उड़ाया है।

मिशन के लिए बैक-अप अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर का जन्म 26 अगस्त 1976 को केरल में हुआ था। नायर भी राष्ट्रीय रक्षा अकादमी के पूर्व छात्र हैं, उन्हें वायु सेना अकादमी में स्वोर्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया है। 19 दिसंबर 1998 को नायर को लड़ाकू स्ट्रीम में कमीशन दिया गया था। उन्हें फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर होने की सर्वोच्च उपलब्धि भी प्राप्त है और उनके नाम पर लगभग 3000 घंटे की उड़ान का अनुभव है।

संभल जामा...

इतना ही नहीं, सर्वोच्च न्यायालय ने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश प्रशासन को शांति और सद्भाव बनाए रखना चाहिए।

वक्फ बोर्ड लैंड...

नाजिया कहती हैं कि देश में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा लव जेहाद, लैंड जेहाद और थूक जेहाद जैसी तमाम साजिशें चल रही हैं, जिनसे पर्दा उठाया जाना आवश्यक है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में रहकर पाकिस्तान और जिन्ना को मानने वाले कट्टरपंथी मुस्लिमों को अब पाकिस्तान का टिकट ले लेना चाहिए। क्योंकि उनकी ये मनमर्जी अधिक दिनों तक नहीं चलने वाली। नाजिया इलाही ने वक्फ बोर्ड की मनमानियों की तरफ इशारा करते हुए कहा कि मंदिर तो 1400 वर्षों से कहीं अधिक पुराने हैं, जिन पर मुस्लिम दावा कर रहे हैं। लेकिन, इतने सौ साल पुराने मंदिर इनके अब्बा के कैसे हो गए?

मशाल यात्रा में शामिल विधायक टी राजा सिंह ने बांग्लादेश में मुस्लिम कट्टरपंथियों द्वारा हिंदुओं पर किए जा रहे अत्याचार का जिक्र किया। साथ ही हिंदुओं को बांग्लादेश से सबक लेने की सलाह दी। उन्होंने ये भी कहा कि देश के अंदर अभी भी कई ऐसे प्रदेश हैं, जहां बांग्लादेश से भी बुरी स्थिति हिंदुओं की है। इसलिए सजग हो जाओ।

वक्फ बोर्ड को...

बताया गया था कि महाराष्ट्र सरकार ने यह पैसा वक्फ बोर्ड के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए दिया था। पैसा दिए जाने की खबर सामने के आने के बाद विपक्ष समेत हिंदूवादी पार्टियों ने इसका विरोध किया था। कह गया कि एक तरफ वक्फ पर कर्नाटक, केरल और देश के बाकी हिस्सों में जमीनों पर अवैध दावा करने के आरोप लग रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्हें फंड दिया जा रहा है।

जनजातीय आरक्षण ...

सेल्वारानी मामले ने स्पष्ट कर दिया कि आरक्षण का लाभ लेने के लिए किस तरह से धर्म को छिपाया जा रहा है। देश के विभिन्न हिस्सों में ईसाई एवं मुस्लिम मजहब में धर्मांतरित लोग आरक्षण का लाभ लेने के लिए खुद को हिंदू बता रहे हैं या फिर हिंदू नाम रखकर सरकार को धोखा दे रहे हैं। यह उत्तर से लेकर दक्षिण भारत तक में समान रूप से चल रहा है।

उल्लेखनीय है कि 1950 के राष्ट्रपति के आदेश में कहा गया है कि सिर्फ हिंदुओं (बौद्ध, जैन, सिख सहित) को ही एससी का दर्जा मिल सकता है। हालांकि, कांग्रेस सरकार द्वारा गठित जस्टिस रंगनाथ मिश्र आयोग ने साल 2007 में दलित ईसाइयों और मुस्लिमों को भी एससी वर्ग में आरक्षण देने की सिफारिश की थी। जस्टिस रंगनाथ मिश्रा 25 सितंबर 1990 से 24 नवंबर 1991 तक भारत के मुख्य न्यायाधीश थे।

इस धर्मांतरण का असर सिर्फ नौकरी ही नहीं, बल्कि चुनावों में भी दिखता है। जनजातीय समुदाय की बहुलता वाले झारखंड में आज कई इलाकों में डेमोग्राफी बदल चुकी है। इस बार के विधानसभा चुनाव में जनजातीय समुदाय से धर्मांतरित हुए लोगों ने कई विधायकों को अपना प्रतिनिधि चुना। वहां ईसाई विधायकों की संख्या मुस्लिमों से सीधे दोगुनी है।

साल 2011 की जनगणना में कहा गया है कि झारखंड में 15 प्रतिशत मुस्लिम और मात्र चार प्रतिशत ईसाई हैं। जबकि, विधायकों की गिनती तो इस जनसंख्या का असर साफ दिख रहा है। झारखंड में इस बार 8 ईसाई विधायक चुने गए हैं, जबकि 4 मुस्लिम विधायक चुने गए हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजमी है कि क्या ईसाई में धर्मांतरित लोग अभी भी हिंदू होने का दिखावा कर रहे हैं और हिंदुओं को मिलने वाले सरकारी लाभ ले रहे हैं? अगर आंकड़े को देखें तो यह बात सच साबित होती है। जैसा कि सेल्वारानी मामले में सेल्वारानी ने खुद के ईसाई होने की बात छुपाते हुए नौकरी पाने के लिए खुद को हिंदू और एससी समुदाय का होना बताया था।

झारखंड में चुने गए ईसाई एवं मुस्लिम विधायकों की संख्या कान खड़े करने वाले हैं और सरकार को आत्ममंथन के लिए विवश करने वाले हैं कि वह इस पर नीतिगत निर्णय ले।

झारखंड में इस बार कुल 81 सीटों में से 30 पर जनजातीय समाज के विधायक जीते हैं। इनमें से 28 सीटें आरक्षित हैं, जबकि भाजपा के बाबूलाल मरांडी और झारखंड मुक्ति मोर्चा की कल्पना सोरेन सामान्य सीटों से विधायक बने हैं। इन्हीं आरक्षित सीटों में ईसाई समाज के 8 विधायक भी जीते हैं। जाहिर है कि आरक्षित सीटों पर ईसाई समाज कब्जा जमा रहा है। इनमें से एक तिहाई पर उसने कब्जा कर भी लिया।

किसी की जनसंख्या सिर्फ चार प्रतिशत होते हुए, आठ विधायकों को चुनना सामान्य बात नहीं है। जैसे-जैसे झारखंड में धर्मांतरित हो रहे हैं, वहां से भाजपा और संघ का प्रभाव भी खत्म होता जा रहा है, जैसा कि इस विधानसभा चुनाव में भी देखने को मिला। ईसाई विधायकों की जीत पर खुश ऑल इंडिया क्रिश्चियन माइनॉरिटी फ्रंट ने इंडी गठबंधन को बधाई भी दी।

पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष करिया मुंडा ने पिछले साल मांग की थी कि अनुसूचित जनजाति समाज के जो लोग इस्लाम या ईसाई में धर्मांतरण करते हैं, उन्हें शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने कहा था कि धर्मांतरित लोग अपना धर्म ही नहीं, बल्कि संस्कृति, परंपरा और पूजा-पाठ के तरीके को त्याग कर दिए हैं। पूर्व लोकसभा उपाध्यक्ष ने कहा था कि जिस तरह अनुसूचित जाति (एससी) समाज के धर्मांतरित लोगों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलता, उसी तरह से एसटी समुदायों के लोगों को भी यह लाभ नहीं मिलना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग की थी कि अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) पर एक समान कानून लागू होना चाहिए।

दरअसल, संविधान का अनुच्छेद 341 अनुसूचित जाति के उन लोगों को आरक्षण का लाभ देता है, जो हिंदू (बौद्ध, जैन, सिख सहित) हैं। किसी दूसरे धर्म को अपनाने वालों को नहीं। हालांकि, अनुच्छेद 342 में अनुसूचित जनजातियों के लिए ऐसा प्रावधान नहीं है।

इस कारण से धर्मांतरित जनजातीय लोग उन हिंदू जनजातीय लोगों के कोटा का लाभ उठाते हैं, जो अपने धर्म से दूर नहीं गए हैं। विभिन्न तरह का लाभ लेने के लिए अपने धर्म को छिपाने की प्रवृत्ति जनजातीय समाज में भी देखने को मिल रही है, जबकि उन पर इस तरह का का कोई प्रतिबंध नहीं है।

इसके पीछे ईसाई मिशनरियों की यह मंशा हो है कि वे अपनी वास्तविक आबादी को छुपाए रखें, ताकि उन पर सरकार की नजर ना पड़े या हिंदू संगठनों एवं लोगों का कोपभाजन नहीं बनना पड़े।

भाजपा नेता करिया मुंडा ने कहा था कि देश में जनजातीय आबादी करीब 8.5 करोड़ है, जिनमें से 80 लाख ईसाई और 12 लाख मुस्लिम हैं। उन्होंने साफ तौर पर आशंका जाहिर की थी कि धर्मांतरण करने वाले जनजातीय लोगों की वास्तविक संख्या इससे कहीं अधिक हो सकती है, क्योंकि वे अपने धर्म परिवर्तन के बारे में खुलकर नहीं बोलते हैं। मुंडा ने यह भी कहा था कि जब जनजातियों को मिलने वाले लाभ की बात आती है तो ये धर्मांतरित लोग सबसे आगे होते हैं।

करिया मुंडा का पिछले साल दिया गया बयान इस बार के विधानसभा चुनावों में चुने गए ईसाई एवं मुस्लिम विधायकों की संख्या से भी साफ पता चलती है। इतना ही नहीं, इससे यह भी पता चलता है कि जो लोग धर्मांतरित हो चुके हैं, वे अब भी खुद को एसटी ही बताते हैं।

सिर्फ झारखंड में ही नहीं, बल्कि मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओड़ीशा, महाराष्ट्र आदि जगहों पर जनजातीय समाज की महिलाओं से ईसाई या मुस्लिम समाज के लोग निकाह कर लेते हैं। इसके बाद जनजातीय समाज के लिए आरक्षित सीटों पर उस महिला को चुनाव लड़ाकर परोक्ष रूप से राजनीति को नियंत्रित करते हैं।

पंचायत चुनावों में ऐसी कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा, जनजातीय समाज की इन महिलाओं के नाम पर जमीनों की खरीद-बिक्री आदि भी की जाती है।

इस तरह डेमोग्राफी को बदलने के साथ-साथ प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से जनजातीय समाज को मिलने वाले लाभों को हथियाने की कोशिश की जाती है। अब समय आ गया है कि सरकार एससी के लिए लागू नियम को एसटी पर भी लागू करे और धर्मांतरित लोगों को आरक्षण आदि लाभों से वंचित करे।

बुरी नजर से बचाती है ईविल आई

सकारात्मक लाने के साथ देती है और भी कई फायदे

बहुत से लोग मानते हैं कि ईविल आई ब्रेसलेट केवल अंधविश्वास है और इसका कोई वास्तविक फायदा नहीं होता है। मगर, अगर हम आपको बताएं कि यह छोटी सी दिखने वाला एक्सेसरी आपके व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकता है, तो क्या आप इसे नहीं पहनना चाहेंगे?

ईविल आई पहनकर आप सुरक्षा और सकारात्मकता पा सकते हैं। इससे आप अपने चारों ओर एक ऐसा कवच बना सकते हैं, जो आपको नकारात्मकता और प्रतिकूल परिस्थितियों से बचा सकता है।

ब्रेसलेट, नेकलेस या अंगूठी में पहनें ईविल आई

ईविल आई को नीली आंख के रूप में दर्शाया जाता है, जिसके बारे में माना जाता है कि यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर भगाती है और ईर्ष्यालु या द्वेषपूर्ण नजरों से होने वाले नुकसान से बचाती है। आप ईविल आई को ब्रेसलेट, नेकलेस या अंगूठी जैसे विभिन्न रूपों में गहनों के रूप में पहन सकते हैं।

क्या आपको नहीं लगता कि माइंडफुलनेस, सकारात्मक ऊर्जा और आत्म-जागरूकता का यह कोमल स्मरण आपके रोजमर्रा की जिंदगी को बेहतर बना सकता है? बहुत से लोग मानते हैं कि ईविल आई सौभाग्य, सद्भाव और आध्यात्मिक संतुलन को बढ़ावा देता है।

यहां कुछ आश्चर्यजनक कारण दिए गए हैं, जिन्हें जानने के बाद आपको पता चलेगा कि ईविल आई क्यों पहननी चाहिए। साथ ही यदि आप चाहें, तो अपने किसी करीबी को भी यह उपहार में दे सकते हैं। आप खुद की और अपने प्रियजनों सुरक्षा बढ़ाने के साथ ही उनकी जिंदगी में बड़े बदलाव ला सकते हैं।

ईविल आई ब्रेसलेट की शक्ति

सुरक्षा देती है- एक ही एक्सेसरी को पहनकर आप सुरक्षा भी पा सकते हैं और यह आपके अंदर सकारात्मकता का भाव भी बढ़ाती है। यह दूसरों की निगेटिविटी से आपको बचाती है।

स्पष्ट विचारों को बढ़ाती है- ईविल आई विचारों की स्पष्टता बढ़ाती है और आपको निर्णय लेने के लिए सही दृष्टि प्रदान करती है। इसे अपने दाहिने हाथ में पहनने से यह प्रभाव विशेष रूप से बढ़ता है।

सकारात्मकता लाती है- ईविल आई ज्वेलरी सकारात्मकता, खुशी, शांति और शांति को आकर्षित करती है। यह ब्रह्मांड से आपके जीवन में सामंजस्यपूर्ण ऊर्जा खींचती है।

सौभाग्य को आकर्षित करती है- ईविल आई पहनने से सौभाग्य आ सकता है। खासकर इंटरव्यू, परीक्षा, टेस्ट या व्यावसायिक सौदों जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों से पहले इसे पहनने से आपको यह अंतर दिखेगा।

दर्श अमावस्या का महत्व

स्नान-दान का शुभ मुहूर्त व दान की सामग्री

दर्श अमावस्या हिंदू पंचांग के अनुसार अमावस्या तिथी का विशेष दिन होता है। यह दिन विशेष रूप से पितरों की पूजा का होता है। लोग अपने पितरों को तर्पण अर्पित करते हैं और उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करते हैं। खासकर इस दिन नदी में स्नान करने और दान करने की परंपरा होती है। दर्श अमावस्या दिन लोग पितरों की शांति और उनसे आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए विशेष पूजा-अर्चना करते हैं।

कब मनाई जाएगी दर्श अमावस्या

मार्गशीर्ष माह कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि की 30 नवंबर 2024 को सुबह 9 बजकर 30 मिनट से शुरुआत हो जाएगी। इसका समापन 1 दिसंबर को सुबह 11 बजकर 50 मिनट हो जाएगा। ऐसे में मार्गशीर्ष अमावस्या 1 दिसंबर को मनाई जाएगी। दर्श अमावस्या 30 नवंबर और 1 दिसंबर दोनों दिन मनाई जा रही है।

स्नान-दान और पूजन का शुभ मुहूर्त

स्नान-दान के लिए 1 दिसंबर को सुबह 11 बजे तक का शुभ मुहूर्त है। इससे पहले तक नदी में स्नान करने से शुभ परिणाम मिलेंगे। पितरों का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए 30 नवंबर को पूरा दिन श्राद्ध, तर्पण के लिए शुभ रहेगा। इससे पितरों की आत्मा को शांति मिलेगी।

इस दिन ये चीजें करें दान

दर्श अमावस्या के दिन तिल, सूखी लकड़ी, कंबल, गरम कपड़े, तिल के लड्डू, सोना, दाल, घी, भूमि, आटा, फल, आंवला, शक्कर, मिठाई, जूते, काले कपड़े आदि चीजों का दान करना चाहिए।

मूर्ख नहीं, उल्लू है गजब का पक्षी

हिंदू संस्कृति में इसका विशेष स्थान

भारत जैसे देश में उल्लू को मूर्ख के रूप में देखा जाता है। इसका अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि जब किसी व्यक्ति को मूर्ख बताना हो तो उसे उल्लू कह देते हैं। लेकिन हिंदू धर्म में उल्लू का विशेष स्थान है और इसे धार्मिक पक्षी का दर्जा दिया गया है।

उल्लू को अच्छा न मानने के पीछे लोगों की धारणा काफी हदतक गलत भी है। क्योंकि यह मां लक्ष्मी का वाहन है और उल्लू का अपमान करना मां लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शास्त्रों में गहरे अवलोकन के बाद ही उल्लू को लक्ष्मी जी का वाहन बनाया गया।

वाल्मीकि रामायण में तो उल्लू को अत्यंत चतुर बताया गया है। भगवान राम जब रावण को मारने में असफल हो जाते हैं और विभीषण उनके पास आते हैं तो सुग्रीव राम जी से कहते हैं कि उनकों शत्रु की उलूक चतुराई से बचकर रहना चाहिए। हिंदू संस्कृति के अनुसार उल्लू घर पर धन-समृद्धि लाता है। यह भी कहा जाता है कि उल्लू को भूत, भविष्य और वर्तमान में घटी या घटने वाली घटनाएं पहले से ही ज्ञात हो जाती है

उल्लू की खासियत की बात करें तो उल्लू ऐसा पक्षी है जो पंखों की फड़फड़ाहट किए बगैर मीलों उड़ सकता है और इसकी आंखों में रात में दूर तक देखनी की क्षमता होती है। साथ ही उल्लू में सुनने की क्षमता भी तीव्र होती है

ग्रीक लेखक ईसप की दंतकथाओं में उल्लु को बुद्धिमान बताया। साथ ही शेक्सपियर की रचनाओं में भी उल्लुओं का सकारात्मक संदर्भ मिलता है। अपनी बुद्धिमानी का परिचय उल्लू शिकार करते समय देते हैं। बता दें कि अंटार्कटिका को छोड़कर उल्लू हर महाद्वीप में पाए जाते हैं।

15 को मनाई जाएगी साल की अंतिम पूर्णिमा

हर महीने के अंत में पूर्णिमा का पर्व बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है। इस दिन जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की उपासना करने का विधान है। साथ ही गंगा स्नान करना अधिक शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि इन शुभ कार्यों को करने से जातक को सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है और धन लाभ के योग बनते हैं। दिसंबर में साल की अंतिम पूर्णिमा तिथि पड़ती है, जिसे मार्गशीर्ष पूर्णिमा के नाम से जाना जाता है।

मार्गशीर्ष पूर्णिमा डेट और टाइम

पंचांग के अनुसार, मार्गशीर्ष माह की पूर्णिमा तिथि की शुरुआत 14 दिसंबर को दोपहर 04 बजकर 58 मिनट पर होगी। वहीं, इस तिथि का समापन अगले दिन यानी 15 दिसंबर को दोपहर को 02 बजकर 31 मिनट पर होगा। ऐसे में मार्गशीर्ष पूर्णिमा पर्व 15 दिसंबर को मनाई जाएगी।

पंचांग

सूर्योदय - सुबह 07:06 मिनट पर
सूर्यास्त - शाम 05 : 26 मिनट पर
चन्द्रोदय- शाम 05 : 14 मिनट से
चन्द्रास्त- नहीं।

ब्रह्म मुहूर्त - सुबह 05 बजकर 17 मिनट से 06 बजकर 12 मिनट तक
विजय मुहूर्त - दोपहर 02 बजकर 56 मिनट से 02 बजकर 41 मिनट तक
गोधूलि मुहूर्त - शाम 05 बजकर 24 मिनट से 05 बजकर 51 मिनट तक
अमृत काल- शाम 06 बजकर 06 मिनट से 07 बजकर 36 मिनट तक

मार्गशीर्ष पूर्णिमा पूजा विधि

सुबह स्नान कर पीले वस्त्र धारण करें।
इसके बाद भगवान सूर्य देव को अर्घ्य दें।
चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाकर श्रीहरि और देवी लक्ष्मी की मूर्ति को विराजमान करें।
अब उन्हें गंध, पुष्प, फल, फूल और वस्त्र अर्पित करें।
मां लक्ष्मी को सोलह श्रृंगार की चीजें अर्पित करें।
देशी घी का दीपक जलाकर आरती करें।
मंत्रों का जप सच्चे मन से करें।
फल, मिठाई समेत आदि चीजों का भोग लगाएं।
जीवन में सुख-शांति की प्राप्ति के लिए कामना करें।
इन मंत्रों का करें जप

मां लक्ष्मी के मंत्र

या रक्ताम्बुजवासिनी विलासिनी चण्डांशु तेजस्विनी। या रक्ता रुधिराम्बरा हरिसखी या श्री मनोल्हादिनी।।
या रत्नाकरमन्थनात्प्रगटिता विष्णोस्वया गेहिनी। सा मां पातु मनोरमा भगवती लक्ष्मीश्च पद्मावती ।।

भूत पिशाच निकट नहीं आवे.....

क्या वाकई में इस चौपाई से भूत-प्रेत भागते हैं?

भगवान हनुमान कलयुग के देवता है। हिंदू धर्म में ईष्ट देवों की पूजा के लिए मंत्र उच्चारण किया जाता है। ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास बताते हैं कि, हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ लाभकारी होता है। इसका पाठ करने से समस्त परेशानियां दूर होती हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी द्वारा रचित हनुमान चालीसा का पाठ बहुत लाभकारी है। लेकिन इसकी कुछ चौपाईयों का भी जाप यदि आप नियमित रूप से कर लें तो भी बहुत लाभ होगा। कहा जाता है कि रामचरितमानस तथा हनुमान चालीसा की एक-एक चौपाई भगवान शिव द्वारा रचित शाबर मंत्र है। कई लोग हनुमान चालीसा का पाठ केवल रट्टा मारकर कर लेते हैं लेकिन इसका अर्थ नहीं समझ पाते। यदि आप इसका अर्थ समझेंगे तो पवनपुत्र को निकट पाएंगे।

इसलिए श्रद्धापूर्वक और अर्थपूर्ण तरीके से हनुमान चालीसा का पाठ करना चाहिए। हनुमान चालीसा की एक चौपाई में कहा गया है- भूत-पिशाच निकट नहीं आवे। महाबीर जब नाम सुनावे।। क्या आप जानते हैं इसका अर्थ क्या है और क्या सचमुच इस चौपाई को पढ़ने से भूत-पिशाच भाग जाते हैं। हनुमान चालीसा की यह चौपाई बहुत उपयोगी है। जो लोग भयभीत रहते हैं या उन्हें अज्ञात भय सताता है उन्हें नियमित रूप से इस चौपाई का जाप करना चाहिए। इससे मानसिक भय दूर होता है। यह हनुमान चालीसा की 24वीं चौपाई है, जिसका अर्थ है- जहां महावीर यानि हनुमानजी का नाम सुनाया जाता है, वहां भूत-पिशाच पास नहीं भटक सकते।

बौद्ध धर्म का मूल मंत्र

बुद्ध के पांच सिद्धांत क्या हैं?

भारत और देश-दनिया में विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं, जिसमें बौद्ध धर्म भी एक है। बौद्ध एक प्राचीन भारतीय धर्म है। इसकी स्थापना लगभग 2600 वर्ष पहले महात्मा बुद्ध ने की थी। बौद्ध धर्म को दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा धर्म माना जाता है।

बौद्ध धर्म के लोग केवल भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के विभिन्न देशों जैसे चीन, कोरिया, जापान, श्रीलंका आदि में भी रहते हैं। त्रिपिटक ग्रंथ में बौद्ध धर्म के बारे में विस्तारपूर्वक बताया गया है।

बौद्ध धर्म की स्थापना जब महात्मा बुद्ध ने की थी तब यह मात्र एक दार्शनिक प्रस्थान था, जो धीरे-धीरे धर्म के रूप में परिवर्तित हुआ। वर्तमान में अनेक संख्या में लोग बौद्ध धर्म के अनुयायी है। बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए पंचशील सिद्धांतों का पालन करना आवश्यक होता है, क्योंकि बुद्ध ने अपने अनुयायियों को जीवन जीने के लिए पंचशील सिद्धांतों का अनुसरण करने का उपदेश दिया था। साथ ही बौद्ध धर्म का मूलमंत्र भी है।

क्या है पंचशील सिद्धांत

पंचशील सिद्धांत महात्मा बुद्ध के पांच सिद्धांत हैं। इसमें गौतम बुद्ध के माने गए पंच शील यानी सदाचार हैं, जो मनुष्य को संयमी और आचरणपूर्ण जीने का संदेश देते हैं। महात्मा बुद्ध ने पालि भाषा में पंचशील के सिद्धांत के सिद्धांत दिए थे। जोकि हिंदी में इस प्रकार हैं-

बुद्ध के पांच सिद्धांत

पालि भाषा-: पाणातिपाता वेरमणी-सिक्खापदं समादयामि।।
हिंदी में अर्थ-: प्राणीमात्र की हिंसा से विरत यानी दूर रहना।
पालि भाषा-: अदिन्नादाना वेरमणी-सिक्खापदं समादयामि।।
हिंदी में अर्थ-: चोरी करने या जो दिया नहीं गया है उससे विरत रहना।
पालि भाषा-: कामेसु मिच्छाचारा वेरमणी- सिक्खापदं समादयामि।।
हिंदी में अर्थ-: लैंगिक दुराचार या व्यभिचार से विरत रहना।
पालि भाषा-: मुसावादा वेरमणी- सिक्खापदं समादयामि।।
हिंदी में अर्थ-: असत्य बोलने से विरत रहना।
पालि भाषा-: सुरा-मेरय-मज्ज-पमादट्ठाना वेरमणी-सिक्खापदं समादयामि।।
हिंदी में अर्थ-: मादक पदार्थों से विरत रहना

बौद्ध धर्म का मूल मंत्र क्या है?

बौद्ध धर्म को जानने वालों के लिए बुद्धं शरणं गच्छामि मूलमंत्र है। यह मंत्र बौद्ध धर्म की मूल भावना को बताने के लिए तीन शब्द महात्मा बुद्ध की शरण में जाने का अर्थ है कि 'मैं बुद्ध की शरण लेता हूं'। इसकी

दो अन्य पंक्तियां संघं शरणं गच्छामि और धम्मं शरणं गच्छामि भी हैं।

शनि पर है विश्वास या रखते हैं भय, इससे पहले जान लीजिए ये बातें

ज्योतिष शास्त्र में मुख्य रूप से 9 ग्रहों के बारे में बताया गया है, जिसमें सूर्य पुत्र महाराज शनि सबसे धीमी गति से चलने वाले ग्रह हैं। शनि किसी एक राशि में लगभग 2 साल 6 महीने रहते हैं। वहीं 12 राशियों की परिक्रमा शनि देव 29 साल 5 महीने, 17 दिन और 5 घंटों में पूरी करते हैं।

इसके साथ ही जब शनि देव वक्री या मार्गी होते हैं तब भी इस अवस्था में वे 140 दिन रहते हैं। शनि देव कर्म प्रधान देवता हैं, जोकि अच्छे बुरे कर्मों के अनुसार व्यक्ति को जरूर ही दंडित करते हैं। शनि देव हर व्यक्ति को साढ़ेसाती और ढैय्या के दौरान भी दंड देते हैं। साथ ही शनि की महादशा 19 साल की होती है। यही कारण है कि लोग शनि देव का नाम सुनते ही डरते हैं। शनि से भयभीत होने का एक कारण यह भी है कि कुंडली के बाहर भाव में से केवल 2-3 को छोड़कर सभी भाव शनि की दृष्टि से प्रभावित होते हैं। अगर आप भी शनि देव का नाम सुनते ही डर जाते हैं तो आपको बता दें कि शनि देव से डरने के बजाय शनि को समझने की जरूरत है।

कैसा है शनि का स्वरूप

शनि ग्रह को ज्योतिष में नील वर्ण बताया गया है। इनकी भौंहे तीखी और आंखे लाल है। शनि देव का एक पांव चोटिल है, जिस कारण ये लगड़ाकर भी चलते हैं। भगवान शिव शनि देव के गुरु हैं। शिवजी ने ही शनि देव को न्यायधीश का स्थान दिया है।

शनि देव का परिवार

शनि देव के परिवार की बात करें तो सूर्य देव इनके पिता हैं और माता छाया है। यमराज शनि देव के भाई हैं। शनि देव की तीन बहनें हैं जिनका नाम सुवर्चला, यमुना और भद्रा है। शनि देव की आठ पत्नियां हैं जिनके नाम इस प्रकार है- ध्वजिनी, धमिनी, कंकाली, कलहप्रिया, कंटकी, तुरंगी, महिषी और अजा है।

शनि देव को लेकर लोगों की धारणा

शनि देव बुरे कर्मों के लिए अवश्य ही दंडित करते हैं। इसलिए शनि देव को न्यायकर्ता भी कहा जाता है। इसलिए लोगों के बीच शनि देव को लेकर ऐसी धारण है कि शनि देव दुख और कष्ट देने वाले ग्रह हैं। लेकिन अगर आप अच्छे कर्म करते हैं, गरीब दुखियों की मदद करते हैं, मजदूरों के प्रति उदार रहते हैं, महिलाओं और बुजुर्गों का सम्मान करते हैं तो आपको शनि देव से बिल्कुल भी डरने की जरूरत नहीं है। शनि देव आपके इन पुण्य कर्मों का शुभ फल ही आपको देंगे।

जीवन पर शनि का प्रभाव

ज्योतिषाचार्य अनीष व्यास के अनुसार, कुंडली में शनि का लग्न भाव में होना अच्छा नहीं माना जाता है। क्योंकि लग्न भाव में शनि के होने पर व्यक्ति गुणवान तो होता है लेकिन शनि की प्रवृत्ति की तरह उसके काम करने की गति धीमी रहती है। ऐसे लोगों बड़े स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता कम रहती है। लेकिन जिस व्यक्ति पर शनि का शुभ प्रभाव होता है वह कर्मठ, कर्मशील और न्यायप्रिय होता है। शनि की कृपा से ही सफलता मिलती है और सफलता का प्रभाव भी लंबे समय तक रहता है।

शनि है अच्छा ग्रह

ज्योतिष के अनुसार शनि शुभ फल देने वाले, शक्तिशाली और नवग्रहों में महत्वपूर्ण ग्रह हैं, इसलिए ये एक अच्छे ग्रह हैं।

लेकिन ये शुभ फल तभी देंगे जब कार्य इनके स्वभाव के अनुरूप किया गया हो। शनि के स्वभाव के अनुरूप यदि कार्य होगा तो शनि के दुष्प्रभाव का कोई असर नहीं होगा। शनि मोक्ष प्रदाता भी कहलाते हैं।

शोहरत के लिए मुझे कपड़े उतारने की जरूरत नहीं : दिव्या प्रभा

दिव्या प्रभा की फिल्म ऑल वी इमैजिन ऐज लाइट की कहानी काफी ज्यादा प्रेरणादायक है। इस फिल्म में महिलाओं के जीवन और उनके संघर्षों के बारे में बताया है। वहीं फिल्म को ग्रैंड प्रिक्स पुरस्कार भी मिला है। इस फिल्म से दिव्या का एक वीडियो लीक हो गया था। जिसके बाद से ही एक्ट्रेस सुर्खियों में बनी हुई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने इस वीडियो पर चुप्पी तोड़ी है। एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू में इस बारे में बात करते हुए कहा- ये बहुत पथेटिक है। हालांकि, जब मैंने रोल के लिए साइन अप किया था, तब भी मुझे केरल में लोगों के एक ग्रुप से ऐसे रिएक्शन की उम्मीद थी। हम एक ऐसी कम्युनिटी हैं जो योर्गोस लैंथिमोस जैसे फिल्म मेकर्स और यहां तक कि फिल्म में उनके काम के लिए ऑस्कर जीतने वाली एक्ट्रेस के लिए भी जश्न मनाते हैं। लेकिन हमें मलयाली महिलाओं का ऐसा रोल करना बर्दाश्त नहीं है।उन्होंने आगे बताया- मुझे ये देखकर खुशी हुई कि ऐसे लोग थे, खासकर पुरुष, जिन्होंने इस हरकत का विरोध किया। इससे पता चलता है कि करंट जेनरेशन में बहुत उम्मीदें हैं। लीक हुए वीडियो को शेयर करने वालों में 10 पर्सेंट आबादी शामिल है और मैं उनकी मानसिकता को नहीं समझती। मलयाली भी केंद्रीय बोर्ड का हिस्सा थे, जिसने हमें मंजूरी दी थी। इसके आगे एक्ट्रेस ने बताया - एक एक्टर होने के नाते मैं ऐसी स्क्रिप्ट करती हूं जिसके लिए मैं कंफर्टेबल हूं और मैं ऑल वी इमेजिन ऐज़ लाइट में अपने किरदार को लेकर पूरी तरह कंफर्टेबल थी। कुछ लोगों ने मेरी आलोचना करते हुए कहा कि मैंने शोहरत के लिए ऐसा सीन किया है और मैं क्रिटिकली अक्लेम्ड फिल्मों का भी हिस्सा रही हूं। मुझे नहीं लगता है कि शोहरत के लिए मुझे कपड़े उतारने की जरूरत है। एक्ट्रेस की फिल्म की बात करें तो उनकी फिल्म ऑल वी इमेजिन एज लाइटळ में अनु का किरदार निभाया है। यह एक बागी किस्म का किरदार रहा। इस किरदार को पर्दे पर दिव्या प्रभा ने बखूबी निभाया है। उन्हें इस किरदार को निभाने के लिए काफी तारीफ भी मिली। आगे भी वह अलग और चुनौतीपूर्ण किरदार करने की ख्वाहिश रखती हैं। दिव्या प्रभा हिंदी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय करती हुई दर्शकों को आगे नजर आएंगी।

रजनीकांत की जेलर 2 का धांसू पोस्टर आउट
दमदार अंदाज में दिखा हर एक कैरेक्टर

'थलाइवा' की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'जेलर 2' का नया पोस्टर आ चुका है। बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर हिट का टैग लेने वाली रजनीकांत की फिल्म के नए पोस्टर में हर एक कैरेक्टर का दमदार लुक सामने आया है।

प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर फिल्म से जुड़े पोस्टर्स शेयर कर कैप्शन में लिखा, जब 'जेलर' के कैरेक्टर्स इंचार्ज हों तो कोई आधा-अधूरा काम नहीं होता।

पहली पोस्टर में रजनीकांत अपने दमदार अंदाज में दिख रहे हैं और उनकी हाथ में बंदूक है। वहीं, दूसरी में मोहनलाल, शिवा राजकुमार के साथ ही जैकी श्रॉफ समेत अन्य मंझे हुए सितारे हैं। फिल्म में 'लियो' अभिनेत्री राम्या कृष्णन, तमन्ना भाटिया, योगी बाबू और वसंत रवि जैसे शानदार सितारे लिस्ट में शामिल हैं।

'जेलर 2' के लेखक और निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार हैं। यह फिल्म 'जेलर' का सीक्वल है, जिसका टाइटल मेकर्स ने 'जेलर 2' दिया है। 'जेलर' सिनेमाघरों में हिंदी के साथ ही तमिल, तेलुगू, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज हुई थी और ब्लॉकबस्टर हुई थी। यह

एक रिटायर्ड जेलर टाइगर मुथुवेल पांडियन के जीवन की कहानी है। फिल्म में जेलर के रूप में थलाइवा रजनीकांत दमदार अंदाज में नजर आए थे।

सन पिक्चर्स द्वारा निर्मित और नेल्सन दिलीप कुमार द्वारा निर्देशित, फिल्म में रजनीकांत के साथ ही राम्या कृष्णन, योगी बाबू, विनायकन, तमन्ना भाटिया और मास्टर ऋत्विक भी महत्वपूर्ण रोल में थे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रजनीकांत के दामाद और साउथ एक्टर धनुष भी 'जेलर 2' में नजर आ सकते हैं। हालांकि, इसकी अभी प्रोडक्शन हाउस ने पुष्टि नहीं की है।

समांथा रुथ प्रभु के पिता का निधन
लिखा- हम दोबारा मिलेंगे

साउथ और बॉलीवुड की एक्ट्रेस समांथा रुथ प्रभु ने एक बुरी खबर शेयर की है। एक्ट्रेस के पिता का निधन हो गया है। समांथा ने शोक संदेश को शेयर करते हुए सोशल मीडिया पर टूटे हुए दिल का इमोजी लगाया है। ये एक्ट्रेस के लिए बहुत ही मुश्किल वक्त है। समांथा बीते कुछ सालों से चीूळींळी नाम की खतरनाक ऑटोइम्यून बीमारी का सामना कर रही हैं। एक्टर नागा चैतन्य के साथ कुछ साल पहले उनका तलाक भी हुआ है। मुश्किल वक्त के बारे में उन्होंने कई बार बात की है। इस बीच एक्ट्रेस के पिता का यूं अचानक जाना उनके दर्द में इजाफा है।

चेन्नई के रहने वाले जोसेफ प्रभु और निनेट प्रभु के घर समांथा रुथ प्रभु का जन्म हुआ था। एक्ट्रेस अपने पालन-पोषण और स्टारडम की जर्नी में माता-पिता के रोल पर कई बार बात कर चुकी हैं। जोसेफ एंग्लो-इंडियन थे। बेटी समांथा की जिंदगी में उनका बड़ा रोल था। कुछ वक्त पहले ही एक्ट्रेस ने पिता संग अपने बॉन्ड पर बात की थी। समांथा ने बताया था कि उनकी बचपन की इनसिक्योरिटी उनके पिता की सख्त शब्दों की वजह से आई थी।

समांथा ने बातचीत में कहा था, 'मेरी पूरी जिंदगी मुझे वैलिडेशन के लिए लड़ना पड़ा है। मेरी पिता वैसे ही थे जैसे बाकी इंडियन पेरेंट्स होते हैं। उन्हें लगता है कि वो आपको प्रोटेक्ट कर रहे हैं। वो आपसे कहते हैं- तुम वैसे इतनी भी स्मार्ट नहीं हो। मेरे पिता ने सही में मुझे कहा था- तुम वैसे इतनी स्मार्ट नहीं हो।' एक्ट्रेस ने बताया था कि पूरी जिंदगी वैलिडेशन के लिए लड़ने के बाद जब उन्हें अपने काम के लिए तारीफ मिलनी शुरू हुई तो उन्हें समझ नहीं आया था कि इसे सच और सही कैसे माना जाए।

साल 2021 में समांथा रुथ प्रभु के नागा चैतन्य से तलाक का बड़ा असर भी उनके पिता जोसेफ प्रभु पर पड़ा था। समांथा और चैतन्य के अलग होने की खबर पर जोसेफ ने अलग रिएक्शन दिया था। उन्होंने कोई बयान जारी करने के बजाए फेसबुक पर एक कविता लिखकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया था।

एक्ट्रेस के तलाक पर ये बोले थे जोसेफ प्रभु

उन्होंने लिखा था- बहुत वक्त पहले एक कहानी हुआ करती थी और अब वो कहीं नहीं है। तो चलो एक नई कहानी लिखते हैं, और एक नया चैप्टर।' 2022 में शेयर की इस पोस्ट में उन्होंने अपने दोस्त के साथ पुरानी एक मेमरी को शेयर किया था, जिसमें समांथा और चैतन्य की शादी की फोटोज भी थीं। पोस्ट के वायरल होने पर उन्होंने कमेंट कर लोगों को शुक्रिया कहा था। जोसेफ प्रभु ने तब लिखा था- आपकी फीलिंग्स के लिए शुक्रिया। हां, मैं लंबे वक्त के लिए बैठा हूं ताकि मेरी भावनाएं खत्म हो सकें। जिंदगी अपनी फीलिंग के साथ बैठने और उसके बोझ तले दबने के लिए बहुत छोटी है।

अल्लू अर्जुन की पुष्पा 2 को सेंसर बोर्ड ने किया पास

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना स्टारर फिल्म 'पुष्पा 2' की रिलीज को लेकर देश भर में दर्शकों का उत्साह चरम पर है। अभिनेता ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी एक अपडेट प्रशंसकों के साथ शेयर की है। फिल्म को सेंसर बोर्ड ने पास कर दिया है।

अल्लू अर्जुन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर अपकमिंग मोस्ट अवेटेड फिल्म का एक पोस्टर शेयर कर सेंसर बोर्ड से सर्टिफिकेट मिलने की जानकारी दी है। अभिनेता ने कैप्शन में लिखा, यह अ/व है।

फिल्म के पोस्टर में दमदार अभिनेता 'पुष्पा' के अपने धांसू अंदाज में नजर आ रहे हैं। यह खबर जैसे ही प्रशंसकों को मिली तो उनका उत्साह काफी बढ़ गया। फिल्म आगामी 6 दिसंबर को सिनेमाघरों आएगी। इसके हर अपडेट पर 'पुष्पा' के फैंस नजरें गड़ाए बैठे हैं। फिल्म के नए अपडेट को लेकर प्रशंसकों ने अल्लू अर्जुन के पोस्ट पर जमकर कमेंट्स किए।

एक फैन ने लिखा, मजेदार, इंतजार था। एक अन्य ने लिखा, सिनेमाघरों में आ रहा है पुष्पा। दूसरे ने लिखा, सुपर अल्लू सर जी। 'पुष्पा 2: द रूल' का ट्रेलर हाल ही में पटना के गांधी मैदान में लॉन्च हुआ था। ट्रेलर लॉन्च इवेंट में प्रशंसकों का उत्साह देखने लायक था। लाखों की संख्या में गांधी मैदान में जुटी प्रशंसकों की भीड़ अपने 'श्रीवल्ली' और 'पुष्पा' की एक झलक पाने को बेकरार दिखी।

प्रशंसकों की भीड़ में से कुछ मैदान में लगे टावर पर चढ़ गए तो कुछ जोर-जोर से अपने सुपरस्टार के लिए चिल्लाते भी नजर आए। हाई-वोल्टेज एक्शन-ड्रामा में इस बार काफी कुछ नया देखने को मिलेगा। फिल्म में अल्लू अर्जुन के साथ लीड रोल में रश्मिका मंदाना है। फिल्म में मलयालम सुपरस्टार फहाद फासिल के साथ ही अन्य शानदार सितारे भी हैं। सुकुमार द्वारा निर्देशित और मैथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म का संगीत टी सीरीज ने दिया है।

पुष्पा 2: द रूल से छावा ने टाला टकराव
अब 2025 वैलेंटाइन डे पर होगा प्रदर्शन

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल की नई फिल्म छावा पर बड़ा अपडेट आया है। फिल्म की रिलीज डेट में फेरबदल किया गया है। जहां, पहले ये फिल्म पुष्पा 2 के साथ रिलीज होनी थी, अब इसको खिसका दिया है। अब छावा के लिए फैंस को लंबा इंतजार करना होगा। कुछ दिनों पहले ही फिल्म छावा का टीजर रिलीज हुआ था जो लोगों को काफी पसंद आया था। वहीं, विक्की कौशल स्टारर 'छावा' की टक्कर साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' से होनी थी, लेकिन इस क्लैश से बचने के लिए मेकर्स ने फिल्म 'छावा' की नई रिलीज डेट चुन ली है।

'छावा' पहले 6 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। इसी दिन अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की मच अवेटेड मूवी 'पुष्पा 2 : द रूल' भी रिलीज हो रही है। अब 'छावा' 14 फरवरी 2025 को थिएटर्स में दस्तक देगी।

माना जा रहा है कि 'पुष्पा 2' से बॉक्स ऑफिस क्लैश से बचने के लिए ही फिल्म को आगे खिसकाया गया है। 'पुष्पा' का पहला पार्ट सुपरहिट रहा था, ऐसे में इसके सीक्वल के लिए भी लोगों में तगड़ी दीवानगी है। लक्ष्मण उतेकर के डायरेक्शन में बनी 'छावा' में विक्की के साथ रश्मिका लीड रोल में हैं। मूवी में विक्की छत्रपति शिवाजी महाराज के बेटे छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में नजर आएंगे। रश्मिका मंदाना येसु बाई का किरदार निभा रही हैं। एक्टर अक्षय खन्ना औरंगजेब के रोल में दिखेंगे। फिल्म दिनेश विजान द्वारा निर्मित है। बता दें 19 फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती है। ऐसे में फिल्म के उस समय रिलीज होने से इसका भी फायदा मिल सकता है। विक्की के वर्कफ्रंट पर नजर डालें तो 'छावा' के अलावा उनके पास कई धांसू प्रोजेक्ट्स हैं।

अभिनेता आमिर खान ने बताया, सलमान खान ने कैसे दिलाया दंगल का टाइटल

हाल ही में अभिनेता आमिर खान ने खुलासा करते हुए बताया कि सलमान खान ने उनकी फिल्म 'दंगल' का टाइटल सुरक्षित करने में उनकी मदद की।प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान आमिर ने एक दिलचस्प किस्सा शेयर किया। जहां वह बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान के बारे में बात करते हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि सलमान ने एक फिल्म के टाइटल के अधिकार हासिल करने में उनकी मदद की।

'पीके' एक्टर ने बताया, मुझे 'दंगल' के टाइटल के लिए सलमान का शुक्रिया अदा करना चाहिए। मुझे नहीं पता कि आप यह जानते हैं या नहीं, लेकिन दंगल टाइटल पहले से ही स्क्रिप्ट में लिखा हुआ था। हालांकि, जब हमने जांच की, तो राइट्स पुनीत इस्सर के पास थे। मुझे पता था कि सलमान पुनीत के बहुत करीब हैं, इसलिए मैंने सलमान को फोन किया और कहा, 'मुझे दंगल टाइटल चाहिए। क्या आप पुनीत और मेरे बीच मीटिंग का अनुरोध कर सकते हैं?'

उन्होंने आगे कहा, दरअसल, सलमान ने पुनीत को फोन किया और उनसे कहा कि मुझे टाइटल चाहिए। भले ही उस समय हमारी फिल्में आपस में टकरा रही थी मगर ऐसा बिल्कुल नहीं था। वह सुल्तान बना रहे थे और लोग कह रहे थे कि हम एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं क्योंकि दोनों ही कुश्ती वाली फिल्में थीं। सलमान ने वास्तव में हमारी मदद की और उन्होंने हमें दंगल टाइटल दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई। उन्होंने पुनीत को फोन किया और पुनीत और मैं मिले।आमिर ने आगे कहा, उन्होंने कहा कि मैं इसका इस्तेमाल नहीं कर रहा, आप लोग इसे ले सकते हैं, और इस तरह हमें दंगल शीर्षक मिला।नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित दंगल में आमिर खान ने महावीर सिंह फोगट की भूमिका निभाई थी, जो एक शौकिया पहलवान है जो अपनी बेटियों गीता फोगट और बबीता कुमारी को भारत की पहली विश्व स्तरीय महिला पहलवान बनने के लिए प्रशिक्षित करता है।

फातिमा सना शेख और सान्या मल्होत्रा ने इस फिल्म में दो फोगाट बहनों का किरदार निभाया। 2016 में रिलीज हुई स्पोर्ट्स ड्रामा बॉक्स ऑफिस पर काफी हिट रही। यह सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म भी शामिल हो गई। वहीं सलमान खान अपनी अगली रिलीज 'सिकंदर' की तैयारियों में जुटे हुए है। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित यह फिल्म ईद 2025 पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सोशल मीडिया पर सान्या मल्होत्रा और सुनिधि चौहान ने आकर्षक तस्वीर की साझा

सान्या मल्होत्रा ने अपने सोशल मीडिया पर मशहूर गायिका सुनिधि चौहान के साथ एक आकर्षक तस्वीर साझा करके इंटरनेट पर धूम मचा दी है। सान्या और सुनिधि दोनों को बोल्ड और स्टाइलिश अंदाज़ में नज़र आ रही हैं। इस पोस्ट ने प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया है। इस जोड़ी ने अटकलें तेज कर दी हैं, क्या यह एक सहयोग हो सकता है? क्या वे किस रोमांचक प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं? अपने असाधारण अभिनय और त्रुटिहीन नृत्य कौशल के लिए जानी जाने वाली सान्या ने हमेशा अपने आकर्षण और प्रतिभा से अपने प्रशंसकों को मंत्रमुग्ध किया है।

उनकी हालिया पोस्ट ने चर्चा को और बढ़ा दिया है, प्रशंसकों को इस दिलचस्प जोड़ी के बारे में अधिक जानकारी का बेसब्री से इंतजार है। ग्लैमर और रहस्य से भरी यह तस्वीर इंटरनेट पर अनुमान लगा रही है कि अभिनेत्री और मशहूर गायिका के बीच क्या चल रहा है। वहीं, सान्या की फिल्म 'मिसेज' का हाल ही में इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (आईएफएफआई) के 55वें संस्करण में प्रीमियर हुआ। उन्होंने अपनी आगामी धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' का उदयपुर शेड्यूल भी पूरा कर लिया है, जिसमें उनके सह-कलाकार वरुण धवन, जान्हवी कपूर और रोहित सराफ हैं।

इसके अलावा, वह अनुराग कश्यप के साथ एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट की तैयारी कर रही हैं, जिसमें वह बॉबी देओल के साथ अभिनय करेंगी। रोमांचक प्रोजेक्ट से भरपूर लाइनअप के साथ, सान्या अपने प्रशंसकों को रोमांचित और अनुमान लगाने के लिए प्रेरित करती रहती है!

जयपुर में 170 करोड़ रुपए से बनेगा प्रदेश का पहला सरकारी पीएम एकता मॉल

जयपुर,29 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान की राजधानी जयपुर में जल्द ही प्रदेश का पहला सरकारी मॉल बनने जा रहा है। इसे 'यूनिटी मॉल' या 'पीएम एकता मॉल' नाम दिया गया है। इस मॉल का निर्माण 170 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा। बताया जा रहा है कि इस मॉल के बनने से राजस्थान की सांस्कृतिक विविधता, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा।

उद्योग विभाग के सूत्रों के मुताबिक इस यूनिटी मॉल का निर्माण टोंक रोड पर सांगानेर एयरपोर्ट के पास, तरुछाया नगर कॉलोनी के पीछे प्रस्तावित है। यह भूमि पहले रीको फिनटेक पार्क के लिए प्रस्तावित थी, लेकिन अब इसे यूनिटी मॉल परियोजना के लिए चुना गया है। इस प्रोजेक्ट (मॉल) को ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन) के आधार पर बनाया जाएगा।

उद्योग विभाग के मुताबिक मॉल के लिए आवश्यक 170 करोड़ रुपए की धनराशि केंद्र सरकार उपलब्ध करवा रही है। रीको इस परियोजना की कार्यकारी एजेंसी होगी। परियोजना का स्वामित्व और प्रबंधन उद्योग विभाग के तहत होगा।सूत्रों के मुताबिक इस यूनिटी मॉल के बनने से राजस्थान के कारीगरों के उत्पादों को बड़ा बाजार उपलब्ध होगा। इसमें पारंपरिक हस्तशिल्प, वस्त्र और अन्य स्थानीय उत्पादों के लिए विशेष गैलरी और आउटलेट्स रखे जा सकते हैं। बता दें कि एक जिला, एक उत्पाद योजना के तहत केंद्र सरकार देशभर के

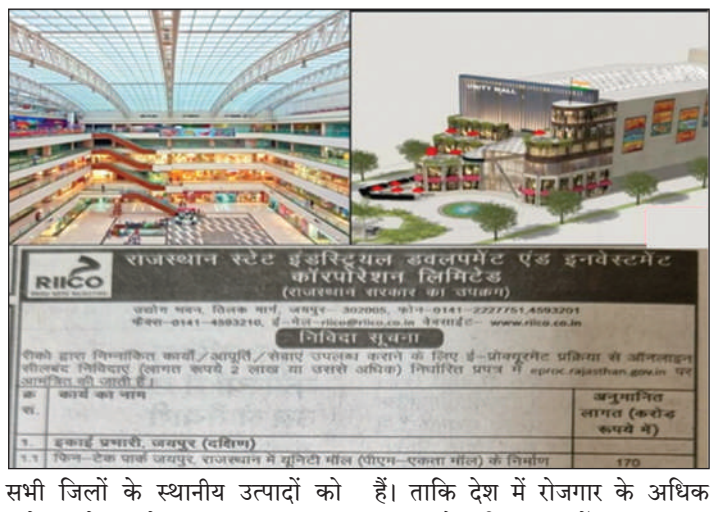

सभी जिलों के स्थानीय उत्पादों को प्रमोट करने की योजना पर काम कर रही है। इसके लिए सभी रेलवे स्टेशनों पर विशेष काउंटर (आउटलेट्स) खोले गए हैं। ताकि देश में रोजगार के अधिक अवसर पैदा किए जा सकें।

सांगानेर एयरपोर्ट के पास स्थित होने के कारण यह मॉल घरेलू और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के लिए आकर्षण का विशेष केंद्र बनेगा। यहां पर्यटकों के लिए राजस्थान की सांस्कृतिक झलक भी पेश किए जाने की योजना है। मॉल में आधुनिक शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, फूड कोर्ट और मल्टीप्लेक्स जैसी सुविधाएं भी विकसित किए जाने की योजना है। पर्यावरण के अनुकूल निर्माण के लिए ग्रीन बिल्डिंग तकनीक का उपयोग किया जाएगा।

हालांकि इस मॉल के निर्माण कार्य में लगभग 5 साल का समय लगने का अनुमान है। लेकिन, टेंडर प्रक्रिया को पूरा करने और अन्य अपरिहार्य कारणों से इसमें इससे अधिक समय भी लग सकता है। क्योंकि बड़ा प्रोजेक्ट होने के कारण विभिन्न विभागों की मंजूरियां लेने में देरी संभावित है।

वासुदेव देवनानी ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नया आकार देने का किया आह्वान

जयपुर,29 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने प्रबंधन से जुड़े युवाओं का आव्हान किया है कि वे राजस्थान की अर्थव्यवस्था को स्थानीय आवश्यकताओं, संसाधन, संस्कृति और कार्य प्रवृति के आधार पर नया आकार दें। उन्होंने कहा कि राजस्थान की भौगोलिक, प्राकृतिक, ऐतिहासिक स्थितियों के अनुसार विकसित राजस्थान की कल्पना को साकार करने के लिए युवा नई सोच और नई ऊर्जा के साथ अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में भागीदार बने।

देवनानी शुक्रवार को यहां प्रतापनगर स्थित जयपुरिया इन्सटीट्यूट ऑफ मैनेजमेन्ट में पीएचडीसीसीआई के तत्वाधान में आयोजित 350 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था की ओर अग्रसर विकसित राजस्थान पर एक दिवसीय सेमिनार को संबोधित कर रहे थे। देवनानी ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारम्भ किया। इस अवसर पर संस्थान में विधान सभा अध्यक्ष के नाम से एक पौधा लगाया गया और उसका ग्रीन सर्टिफिकेट देवनानी को डॉ. प्रभात पंकज ने भेंट किया।

देवनानी ने कहा कि विकास के लिए शैक्षणिक वातावरण, मनोस्थिति और एकाग्रता का होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक राज्य की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप ढांचागत व्यवस्था को विकसित करने के लिए लक्ष्य तय करके कार्य आरम्भ करना चाहिए। इससे विकास की गति को नई दिशा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि राजस्थान खनिजों का भण्डार , कृषि और पशुपालन का प्रमुख केन्द्र, स्थापत्य, पुरातत्व , ऐतिहासिक किलो के साथ अनूठे लघु उद्योग धंधो का गढ़ है। यहां के डोरिया साड़ी, हाथीदांत के आभूषण, लाख की चूडियां सहित अनेक लघु उद्योग राज्य की मजबूत अर्थव्यवस्था के आधार रहे है। बीकानेर के बाजरे का बिस्कीट जिसने अमेरिका तक अपनी पहुंच बनाई है, वहीं कैर-सांगरी, नागोरी मेथी, मथानिया की मिर्च ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था को पंख लगाये है। देवनानी ने कहा कि आजादी के 75 वर्ष बाद सम्पूर्ण भारत के साथ राजस्थान ने भी तरक्की के नये आयाम स्थापित किए है। इससे यहाँ की अर्थव्यवस्था तीव्र गति से सुदृढ़ हुई है। कृषि , शिक्षा, तकनीकी और पर्यटन सहित लघु उद्योगों ने राजस्थान की अर्थव्यवस्था को नया आकार दिया है। देवनानी ने इस कार्य में विस्तार के लिये युवा पीढी को आगे आने के लिये कहा। देवनानी ने कहा कि भारत का ज्ञान -विज्ञान प्राचीनकाल से ही उच्च स्तर का रहा है।

देवनानी ने कहा कि भारतीयों में नेतृत्व क्षमता उच्च श्रेणी की रही है। विदेशों में जरूर जायें, लेकिन अपने देश के विकास में अवश्य भागीदार बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान के युवा अपनी नेतृत्व क्षमता में निखार लाये और राज्य का नाम विश्व पटल पर रोशन करें। श्री देवनानी ने कहा कि हैप्पीनेस इंडेक्स और विकास को बढ़ाने के लिए लक्ष्य तय करो, जिज्ञासु बनों, समस्याओं का तत्काल समाधान करो और राष्ट्र को अधिकतम देने का प्रयास करो। सेमिनार को डॉ. प्रभात पंकज, डॉ. एस.पी शर्मा व आर. के. गुप्ता ने भी संबोधित किया।

केंद्रीय कारागृह एवं सम्पर्क बाल विकास केंद्र किया औचक निरीक्षण

जोधपुर,29 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण एवं जिला एवं सेशन न्यायाधीश, जोधपुर महानगर चन्द्र शेखर शर्मा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर महानगर के सचिव पुखराज गहलोत ने शुक्रवार को केंद्रीय कारागृह, जोधपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान केंद्रीय कारागृह के जेलर एवं अन्य कारागृह के कर्मचारी उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान केंद्रीय कारागृह में निरुद्ध बंदियों से वार्तालाप की गई तथा उनके प्रकरणों में की जा रही वर्तमान कार्यवाही के बारे में अवगत कराया तथा साथ ही जेल विधिक सेवा क्लिनिक की कार्यप्रणाली की जांच की तथा केंद्रीय कारागृह में स्वच्छता, साफ-सफाई की व्यवस्थाओं के साथ-साथ जेल में निरुद्ध बंदियों को उपलब्ध करवाए जाने वाले भोजन की गुणवत्ता, उनके स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधा व उनके लिए उपलब्ध आधारभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसी क्रम में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के एक्शन प्लान के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर महानगर के सचिव पुखराज गहलोत द्वारा शुक्रवार को सम्पर्क बाल विकास केंद्र,, जोधपुर का औचक निरीक्षण किया तथा गृह में निवासरत विमंदितों, वृद्धजनों आदि के स्वास्थ्य, खान-पान, अन्य मूलभूत सुविधाओं की जांच-पड़ताल कर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

नेहरू कॉलेज में लाखों के गबन का आरोप

एनएसयूआई के पूर्व सचिव कृष्ण अत्री ने की जांच की मांग

फरीदाबाद,29 नवंबर (एजेंसियां)। फरीदाबाद के पंडित जवाहरलाल नेहरू कॉलेज में वित्तीय अनियमितताओं का मामला उजागर हुआ है। एनएसयूआई हरियाणा के पूर्व प्रदेश सचिव कृष्ण अत्री ने आज एक प्रेस वार्ता में कॉलेज प्रशासन पर लाखों रुपए के गबन के गंभीर आरोप लगाए।

कृष्ण अत्री ने बताया कि उन्होंने कॉलेज में हो रही गड़बड़ियों को लेकर चार से पांच महत्वपूर्ण बिंदुओं पर आरटीआई दाखिल की। आरटीआई के जवाब में जो खुलासे हुए, वे प्रशासन पर उंगली उठाने के लिए पर्याप्त हैं। आरोपों के अनुसार, कॉलेज में पुराने फर्नीचर और रद्दी को बेचने, निजी कंपनियों से आए फंड और छात्रों से वसूले गए जुर्माने की रकम में बड़े पैमाने पर घोटाले की बात सामने आई है।

कृष्ण अत्री ने दावा किया कि आरटीआई के जवाबों से यह स्पष्ट होता है कि कॉलेज प्रशासन गबन में शामिल है। कुछ सवालों के सही जवाब नहीं दिए गए, जिससे मामले पर और भी संदेह गहरा गया है। अत्री ने सरकार और प्रशासन से इस मामले की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। यह मामला कॉलेज प्रशासन के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकता है। अगर जांच शुरू होती है और आरोप सिद्ध होते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था की पारदर्शिता पर बड़ा सवाल खड़ा होगा। अब सबकी निगाहें प्रशासन और सरकार की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं।

नगरीय विकास विभाग की समीक्षा हुई बैठक

नागरिकों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए प्रतिबद्ध राज्य सरकार

जयपुर,29 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार शहरी बुनियादी ढ़ांचे को विश्व स्तरीय बनाने एवं जनसुविधाओं को सशक्तए समावेशी बनाने की प्राथमिकता के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को दी जा रही सेवाओं के स्तर को बेहतर बनाया जाए तथा नगरीय विकास के लिए नवीनतम तकनीकों का प्रयोग किया जाएए ताकि शहरी विकास के नए आयाम स्थापित हो सके।

मुख्यमंत्री शर्मा शुक्रवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित नगरीय विकास विभाग की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बजट में विभागीय घोषणाओं की समीक्षा कर उनकी कार्यप्रगति की जानकारी ली तथा उन्हें शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन की अधिक जरूरत वाले स्थानों पर संसाधनों का पहले प्रयोग किया जाएए ताकि जनता को शीघ्र राहत मिल सके। शर्मा ने कहा कि बढ़ती आबादी के चलते जयपुर में यातायात भार लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में क्षेत्र का ट्रेफिक प्रबंधन बेहद जरूरी है। उन्होंने अधिकारियों को ट्रेफिक जाम से निजात दिलाने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जयपुर कलेक्ट्रेट सर्किल एवं गांधीनगर मोड़ पर बढ़ रहे यातायात भार के लिए कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ट्रेफिक डाइवर्जन के लिए वैकल्पिक मार्गों का भी विकास किया जाए।

मुख्यमंत्री ने रिद्धी.सिद्धी फ्लाईओवरए इमलीफाटक फ्लाईओवर सांगानेर फ्लाईओवर से चैरड़िया पेट्रोल पम्प तक एलिवेटेड रोड़ए सिविल लाइन्स आरओबीए रामबाग गोल्फ क्लब पार्किंग की प्रगति की जानकारी ली तथा इन कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने द्रव्यवती नदी का सौन्दर्यीकरण आईपीडी टावर के निर्माण जयपुर मेट्रो के विस्तार रिंग रोड़ के निर्माण आरओबी आरयूबी सेक्टर रोड़ ऐलिवेटेड रोड़ सहित विभिन्न विकास कार्यों की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा.निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हाउसिंग बोर्ड का मुख्य काम आमजन को किफायती दरों पर गुणवत्तापूर्ण आवासीय सुविधाएं उपलब्ध कराना है। ऐसे में मण्डल अपनी आवासीय योजनाओं की गति में तेजी लाए। साथ हीए मण्डल की सभी सम्पत्तियों का विवरण ऑनलाइन होए ताकि लोगों को इनकी जानकारी आसानी से उपलब्ध हो सके।

उन्होंने कहा कि नई आवासीय योजनाओं में गुणवत्ता का ध्यान रखा जाएए साथ ही ऑनलाइन आवेदन तथा ई.नीलामी की प्रक्रिया को अधिक प्रभावशाली बनाया जाए।

पंचकूला में खेल मंत्री गौरव गौतम का सख्त रुख

खेल सुविधाओं की खामियों पर अधिकारियों को दी चेतावनी

चंडीगढ़,29 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने लंबित कार्यों और खेल से जुड़ी सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को फटकार लगाई। पंचकूला में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता की शिकायत पर खेल मंत्री ने राजीव गांधी खेल स्टेडियम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान खेल सुविधाओं में लापरवाही और खिलाड़ियों को हो रही अनियमितताओं पर नाराजगी जताते हुए खेल मंत्री ने खेल अधिकारियों को चेतावनी दी है कि भविष्य में कभी भी निरीक्षण किया जा सकता है, इसलिए अब किसी भी अधिकारी या कर्मचारी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खेल स्टेडियम के निरीक्षण के दौरान खेल मंत्री गौरव गौतम ने सुविधाओं की गुणवत्ता, खेल उपकरणों की उपलब्धता और खिलाड़ियों के लिए मूलभूत जरूरतों का बारीकी से जायजा लिया। हालांकि, मंत्री के इस औचक निरीक्षण से अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। आपको बता दें कि राज्य मंत्री गौतम का यह निरीक्षण पूर्व विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता की शिकायत के बाद हुआ। गुप्ता ने शिकायत की थी कि खेल स्टेडियम में सुविधाओं का अभाव है और खिलाड़ी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। इस शिकायत के बाद मंत्री ने तुरंत कार्रवाई करते हुए खुद इसका निरीक्षण करने का निर्णय लिया। गौतम ने कहा, खेल सुविधाओं में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। खिलाड़ियों को बेहतरीन सुविधाएं मुहैया कराना हमारी प्राथमिकता है। खेल अधिकारियों को दी सख्त चेतावनी गौरव गौतम ने खेल विभाग के अधिकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि लापरवाही बरतने वाले किसी भी अधिकारी को बख्शा नहीं जाएगा।

नशे को बढ़ावा दे रही भाजपा सरकार : भूपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़,29 नवंबर (एजेंसियां)। दूध-दही के खाने वाले हरियाणा को भाजपा ने ड्रग्स, अफीम, चिट्टा, हेरोइन, ब्राउन शुगर, स्मैक, चरस, गांजा, कोकीन, भांग और सुलफा का अड्डा बना दिया है। जब से भाजपा प्रदेश की सत्ता में आई है, नशा कारोबारियों की बल्ले-बल्ले हो गई है और वो बेखौफ होकर अपना नेटवर्क पूरे प्रदेश में फैला चुके हैं। आज प्रदेश के हर गांव, गली व मोहल्ले तक नशा पहुंच गया है। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा का कहना है कि हरियाणा की पहचान उसका शुद्ध, सात्विक खाना, पहलवान, जवान और उनकी तंदुरुस्ती होते थे। लेकिन बीजेपी ने नशे के कारोबार को हरियाणा की पहचान बना दिया है। खुद केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की ओर से दिसंबर 2023 में राज्यसभा में रिपोर्ट पेश की गई।

इसके मुताबिक हरियाणा में नशा करने वाले 16.51 फ़ीसदी लोग अफीम और उससे बने नशीले पदार्थ, यहां तक की हेरोइन और चिट्टा का इस्तेमाल करते हैं। 11% लोग नशे के लिए गांजा, भांग और चरस इस्तेमाल करते हैं। 5 फ़ीसदी लोग नींद के लिए ली जाने वाली नशीली दवाइयां और बड़ी मात्रा में लोग कोकीन का भी इस्तेमाल करते हैं।

प्रदेश में नशा किस कदर बढ़ गया है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि पिछले 5 साल में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से लगभग 15 लाख लोग सरकारी अस्पतालों की ओपीडी और नशा मुक्ति केंद्रों में पहुंचे हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अगर आप अपनी रचनात्मक प्रतिभा को सही तरीक़े से इस्तेमाल करें तो वह काफ़ी फ़ायदेमंद साबित होगी। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। शाम के लिए कोई ख़ास योजना बनाएँ और कोशिश करें कि यह ज़्यादा-से-ज़्यादा रुमानी हो। आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे। आज आप नए विचारों से परिपूर्ण रहेंगे और आप जिन कामों को करने के लिए चुनेंगे, वे आपको उम्मीद से ज़्यादा फ़ायदा देंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। बच्चे भले ही आपका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करना चाहते हों, लेकिन साथ ही ख़ुशियों की वजह भी साबित होते हैं। ताज़ा फूल की तरह अपने प्यार में भी ताज़गी बनाए रखें। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज आपके वैवाहिक जीवन के सबसे अच्छे दिनों में से एक हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ड़,छ,के,को,ह

अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। आज आपका ऊर्जा से भरपूर, ज़िंदादिल और गर्मजोशी से भरा व्यवहार आपके आस-पास के लोगों को ख़ुश कर देगा। अपने प्रिय को समझने की कोशिश करें, नहीं तो मुश्किल में फँस सकते हैं। नयी साड़ीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें आप अपने जीवनसाथी के साथ प्रेम के चरम का अनुभव करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आपके परिवार को आपसे बहुत ज़्यादा उम्मीदें हैं, जिसके चलते आप खीज महसूस कर सकते हैं। आपके घर से जुड़ा निवेश फ़ायदेमंद रहेगा। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं इसकी वजह उनके घर की स्थिति होगी। अगर वो गुस्से में हैं तो उन्हें शांत करने की कोशिश करें। अपने लक्ष्यों का पीछा करने के लिए उम्दा दिन है। इस मामले में आप अपने दोस्तों की मदद भी ले सकते हैं। इससे आपका उत्साह बढ़ेगा और उद्देश्य को पाने में सहायता मिलेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

दोस्त से मिली ख़ास तारीफ़ ख़ुशी का ज़रिया बनेगी। सट्टेबाज़ी से फ़ायदा हो सकता है। आज आपको लाभ मिलेगा, क्योंकि परिवार के सदस्य आपके सकारात्मक रुख़ से प्रभावित होंगे और उसे सराहेंगे। किसी तीसरे इंसान का दखल आपके और आपके प्रिय के बीच गतिरोध पैदा करेगा। जो लोग अब तक बेरोजगार हैं उन्हें अच्छी जॉब पाने के लिए आज और अधिक मेहनत करने की जरुरत है। मेहनत करके ही आप सही परिणाम पा पाएंगे। लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं आज आपको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ख़ुद को ज़्यादा आशावादी बनने के लिए प्रेरित करें। इससे न सिर्फ़ आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यवहार लचीला होगा, बल्कि डर, ईर्ष्या और नफ़रत जैसे नकारात्मक मनोभावों में भी कमी आएगी। व्यापार में आज अच्छा ख़ास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते है आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। काम और घर पर दबाव आपको थोड़ा गुस्सैल बना सकता है। यह ऐसा दिन है जब आप ख़ुद को समय देने की कोशिश करते रहेंगे लेकिन आपको अपने लिए समय नहीं मिल पाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। नए पारिवारिक व्यवसाय को शुरू करने के लिए शुभ दिन है। इसे सफल बनाने के लिए दूसरे सदस्यों की भी मदद लें। अंजान लोगों से बात करना ठीक है लेकिन उनकी विश्वसनियता जाने बिना उनको अपने जीवन की बातें बताकर आप अपना वक्त ही जाया करेंगे और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

किसी संत पुरुष का आशीर्वाद मानसिक शान्ति प्रदान करेगा। आर्थिक पक्ष के मजबूत होने की पूरी संभावना है। अगर आपने किसी शख्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। दफ़्तर में कोई आपकी योजनाओं में अड़ंगा लगा सकता है- इसलिए आँखें खोलकर रखिए और अपने चारों तरफ़ हो रही गतिविधियों के प्रति सजग रहिए

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आप दूसरों पर कुछ ज़्यादा ख़र्चा कर सकते हैं। विदेश में रह रहे किसी संबंधी से मिला उपहार आपको ख़ुशी दे सकता है। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आज आपके प्रिय की आँखें आपको वाक़ई कुछ ख़ास बताएंगी। दफ़्तर में आपके दुश्मन भी आज आपके दोस्त बन जाएंगे – आपके सिर्फ़ एक छोटे-से अच्छे काम की बदौलत। आज के समय में अपने लिए वक्त निकाल पाना बहुत मुश्किल है। लेकिन आज ऐसा दिन है जब आपके पास अपने लिए भरपूर समय होगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। परिवार के सदस्य आपके नज़रिए का समर्थन करेंगे। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा- बजाय इसके आपको दिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। ऑफिस में आज आपको स्थिति को समझते हुए ही व्यवहार करना चाहिए। अगर आपका बोलना जरुरी नहीं है तो चुप रहें, कोई भी बात जबरदस्ती बोलकर आप खुद को परेशानी में डाल सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

शारीरिक और मानसिक लाभ के लिए ध्यान व योग करना उपयोगी रहेगा। आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे- लेकिन ख़र्च में इज़ाफ़ा आपके लिए बचत को और ज़्यादा मुश्किल बना देगा। अपना क़ीमती वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें। यह सबसे बेहतर मरहम है। वे कभी न ख़त्म होने वाली ख़ुशियों का स्रोत साबित होंगे। मुहब्बत की टीस आज रात आपको सोने नहीं देगी। आज आपका मन ऑफिस के काम में नहीं लगेगा। आज आपके मन में कोई दुविधा होगी जो आपको एकाग्र नहीं होने देगी।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आपको समझना चाहिए कि किसी का अनादर और गम्भीरता से न लेना रिश्ते में दरार डाल सकता है। नया आर्थिक क़रार अंतिम रूप लेगा और धन आपकी तरफ़ आएगा। कोशिश करें की कोई आपकी बातों या काम से आहत न हो और पारिवारिक ज़रूरतों को समझें। प्रेम जीवन की डोर को मजबूत बनाए रखना चाहते हैं तो किसी तीसरे की बातों को सुनकर अपने प्रेमी के बारे में कोई भी राय न बनाएं। आज आप व्यस्त दिनचर्या के बावजूद भी अपने लिए समय निकाल पाने में समर्थ होंगे और इस खाली समय में अपने परिवार वालों के साथ गुफ्तगू कर सकते है

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 30 नवंबर 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2081
मास : मार्गशीर्ष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : चतुर्दशी प्रातः 10:31 तक
नक्षत्र : विशाखा दोपहर 12:34 तक
योग : अतिगंड सायं 04:43 तक
करण : शकुन प्रातः 10:31 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:29 , सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:25 , सूर्यास्त 05:51 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 05:42 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 05:32 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पितृकार्य शनैश्चरी अमावस्या

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राष्ट्र प्रथम

बंटेंगे तो कटेंगे
एक रहेंगे तो सेफ रहेंगे

Best Wishes

RN
METALS Pvt. Ltd

Stockist of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars

A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037 040-23774718, 040-23774719, 9160111471

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.